सेंसेक्स	81,635.91
निफ्टी	24,967.75
सोना	1,01,510
चांदी	1,21,000
डॉलर	87.56

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 26 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 332
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी ने दिया जवाब, कहा- दुनिया में आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है

हम देश का अहित नहीं होने देंगे

दबाव कितना भी हो, झेलने की ताकत बढ़ाता जाएगा भारत

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में 5400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। यहां जनसभा में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के टैरिफ के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोला। टैरिफ को लेकर पीएम मोदी कहा दुनिया में आज आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है। सब कोई अपना करने में लगा है। उसे हम देख रहे हैं। सरकार लघु उद्यमियों, किसानों, पशु पालकों का अहित नहीं होने देगी। दबाव कितना ही क्यों न हो, झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि मानसून में गुजरात में कई इलाकों में भारी बारिश हुई। देश में भी एक के बाद एक आपदाएं आ रही हैं। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रकृति का यह प्रकोप पूरे देश, विश्व के लिए चुनौती बना है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ राहत, बचाव कार्य में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की धरती दो मोहन की धरती है एक सुदर्शन चक्र धारी द्वारिकाधीश और दूसरे चरखाधारी मोहन, हमारे महात्मा गांधी। भारत इन दोनों के दिखाए रास्ते पर चलकर सशक्त होता जा रहा है। श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि देश समाज की रक्षा कैसे करें। उन्होंने सुदर्शन चक्र को न्याय व सुरक्षा का कवच बनाया, जो दुश्मन को ढूंढकर उसे दंड देता है। यही भाव आज भारत के फैसलों में देश-दुनिया अनुभव कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य का प्रतीक

पीएम मोदी ने कहा कि आज आतंकवादी और उनके आकाओं को हम छोड़ते नहीं हैं। चाहे वे कहीं भी छिपे हैं। पहलगाम का हमला हमने कैसे लिया दुनिया ने देखा है। 22 मिनट में सब साफ कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य और सुदर्शन चक्र धारी मोहन की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि चरखाधारी मोहन महात्मा गांधी ने भारत की समृद्धि का रास्ता स्वदेशी में बताया था। साबरमती आश्रम इसका साक्षी है। जिस पार्टी ने उनका नाम लेकर दशकों तक सत्ता सुख भोगा, उसने बापू की आत्मा को कुचल दिया। गांधी के नाम पर गाड़ी चलाने वालों ने एक बार भी न तो स्वच्छता को बढ़ावा दिया और न स्वदेशी को बढ़ाया।

कांग्रेस की समझ को क्या हुआ

पीएम मोदी ने कहा कि देश समझ नहीं पा रहा है कि कांग्रेस की समझ को क्या हुआ है। 60-65 साल देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा ताकि वो सरकार में बैठे-बैठे आयात में भी घोटाले कर सके। आज भारत ने आत्मनिर्भरता को विकसित भारत के निर्माण का आधार बना दिया है। किसानों, मछुआरों, पशुपालकों, उद्यमियों के दम पर भारत तेजी से विकास के रास्ते पर चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गांधी की धरती से कहता हूं कि मोदी के लिए जनता हो सर्वोपरि है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को गुजरात से ऊर्जा मिल रही है। नौजवान पीढ़ी ने वो दिन नहीं देखे जो यहां आए दिन अशांति रहती थी। आज अहमदाबाद देश का सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। गुजरात में शांति और सुरक्षा वातावरण के परिणाम हम देख रहे हैं। गुजरात आगे बढ़ रहा है।

हर क्षेत्र में गुजरात की पहचान बनी

गुजरात में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र में गुजरात की पहचान बनी है। देश का एक तिहाई निर्यात गुजरात से होता है। भारत सौर पवन और परमाणु ऊर्जा के मामले में आगे बढ़ रहा है। इसमें गुजरात की भागीदारी सबसे ज्यादा है। गुजरात ग्रीन एनर्जी और पेट्रो केमिकल का केंद्र बन रहा है। गुजरात में पुराने उद्योगों का विस्तार हो रहा है। गुजरात में बने मेट्रो कोच दूसरे देशों में जा रहे हैं। ईवी और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी गुजरात आगे बढ़ रहा है। यहां नए उद्योगों की नींव रखी जा रही है। गुजरात के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बन रहे हैं। बीते 20-25 साल में गुजरात की कनेक्टिविटी का कायाकल्प हुआ है।

शांति की प्रेरणा भूमि बनेगा साबरमती आश्रम

पीएम मोदी ने कहा कि बापू को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में उनके आश्रम का नवीनीकरण हो रहा है। मैं सरदार पटेल के स्टेच्यू के निर्माण के दौरान ही बापू के आश्रम का काम कराना चाहता था। लेकिन उस वक्त केंद्र सरकार हमारे अनुकूल नहीं थी। वो गांधीजी के अनुकूल भी नहीं थी। इसलिए काम नहीं आगे बढ़ सका। अब काम तेजी से होगा। अब साबरमती आश्रम दुनिया के लिए शांति की सबसे बड़ी प्रेरणा भूमि बनेगा। जिसको किसी ने नहीं पूछा, मोदी उसको पूजता है। पिछड़ों को हम प्राथमिकता देंगे। पिछले 11 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आंकड़ा दुनिया के लिए भी अजूबा है। विश्व में इसकी चर्चा हो रही है। आज न्यू मिडिल क्लास और पुराना मिडिल क्लास देश की ताकत बन रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी पार्टियों पर बोला हमला, कहा...

विपक्ष जेल को सीएम-पीएम हाउस बनाना चाहता है

राहुल ने संसद में लालू को बचाने वाला अध्यादेश फाड़ा था, सरकार गई तो सुर बदले

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक पर विपक्ष के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा, क्या कोई मुख्यमंत्री (सीएम), प्रधानमंत्री (पीएम) या मंत्री जेल से सरकार चला सकता है। वे चाहते हैं कि उन्हें जेल से सरकार चलाने का विकल्प मिले। एक इंटरव्यू में शाह ने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा, खुद की गिरफ्तारी, संसद में विपक्ष के विरोध पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति आकर शासन चलाएगा। आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए।

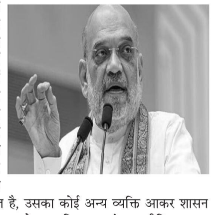

दरअसल, केंद्र ने 20 अगस्त को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसमें प्रावधान है कि कोई प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ना होगा। शर्त यह है कि जिस अपराध के लिए हिरासत या गिरफ्तारी हुई है, उसमें 5 साल या ज्यादा की सजा का प्रावधान हो। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है।

हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे

आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। ऐसे में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, वे जमानत दे सकते हैं। कांग्रेस सरकार में भी ऐसा प्रावधान था कि अगर सत्र अदालत ने किसी को दो साल जेल की सजा सुनाई है तो उस सदस्य की सदस्यता अपने आप चली जाती थी।

दिल्ली के सीएम ने भी इस्तीफा नहीं दिया

आजकल नई परंपरा आ गई है। दो साल पहले ऐसा कोई मामला नहीं था। आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा देते थे। रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया था। दिल्ली के सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने के लिए हम इससे सहमत नहीं हैं।

खास खबर

सहारा का रीजनल मैनेजर गिरफ्तार

भोपाल। सीहोर पुलिस ने सहारा इंडिया के रीजनल मैनेजर शिवाजी सिंह को गिरफ्तार किया है। गोरखपुर उत्तर प्रदेश का रहने वाला शिवाजी सिंह सहारा कंपनी में रीजनल मेजर के पद पर कार्यरत था। इसने 10 निवेशकों के 6 करोड रुपए नहीं लौटाए। 4 फरवरी 2023 को सीहोर की कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ था। उसके बाद से ही यह फरार चल रहा था। जांच के पश्चात सीहोर पुलिस ने सहारा इंडिया के शाखा मैनेजर एसके मंगाई, कैशियर योगेंद्र चौधरी,रीजनल मैनेजर जेपी श्रीवास्तव, तत्कालीन जोनल और वर्तमान रीजनल मैनेजर शिवाजी सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसमें पहली गिरफ्तारी रीजनल मैनेजर शिवाजी की अवधपुरी कॉलोनी भोपाल से हुई है। 10 निवेशकों के साथ 6 करोड रुपए की धोखाधड़ी करने का यह मामला है।

साल 2025 का आखिरी चंद्रग्रहण 7 सितंबर को

नई दिल्ली। वर्ष 2025 का अंतिम चंद्रग्रहण आगामी 7 सितंबर को लगने जा रहा है। खगोलविदों के अनुसार, यह ग्रहण शनि की राशि कुंभ में घटित होगा। यह रात 9 बजकर 58 मिनट से प्रारंभ होकर अगले दिन तड़के 1 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगा। भारत समेत एशिया, यूरोप और अफ्रीका के कई हिस्सों में यह खगोलीय दृश्य साफ तौर पर देखा जा सकेगा। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक चंद्रग्रहण का असर सभी राशियों पर अलग-अलग पड़ेगा, लेकिन इस बार खासकर कर्क, कन्या और मीन राशि के जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। इन राशियों के लोगों को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। हिंदू धर्मशास्त्रों में ग्रहण को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि इस दौरान पूजा-पाठ, मंत्रजाप और दान-पुण्य का फल कई गुना बढ़ जाता है। ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान-दान की परंपरा भी प्रचलित है।

सीएम रेखा की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था।

धार, बैतूल, पन्ना, कटनी में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

जबलपुर। जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केंद्र में सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के लिए एमओयू साइन किए हैं। पीपीपी मॉडल पर धार, बैतूल, पन्ना, कटनी में नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। वहीं, श्योपुर और सिंगरौली मेडिकल कॉलेजों का ई-लोकार्पण किया है। श्योपुर में 305 करोड़ और सिंगरौली में 242 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बने हैं। दोनों मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटें मिली हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि चार मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड में प्रारंभ करने वाले हैं। मैं आप सबको बधाई देता हूं। मप्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नेतृत्व प्रदान कर रहा है। एक समय में यहां 5 मेडिकल कॉलेज होते थे। अब 17 शासकीय और 13 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज खुले हैं। अब 4 और खुलने जा रहे हैं। स्वास्थ्य के बारे में बहुत चर्चा होती है। सामान्यतः लोगों को स्वास्थ्य के बारे में तभी पता चलता है जब उसके अस्पताल के चक्कर लगते हैं। पहले हेल्थ पॉलिसी ऐसी थी कि बीमार होने दो फिर इलाज करो। 2017 में नई हेल्थ पॉलिसी बनी। यह सभी आयामों को एक साथ जोड़ती थी। हमने पहली बार जोर दिया कि व्यक्ति बीमार ही न हो। इसके तहत हमने काम शुरू किया। आपने देखा होगा कि फिट इंडिया मूवमेंट, मोटापा से छुट्टी पाओ वगैरह। जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान में डेंटल, मेंटल, सर्विक्स कैंसर, हाइपरटेंशन, ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू की।

गिरफ्तारी से बचे चुनाव विश्लेषक संजय कुमार

नई दिल्ली। चुनाव विश्लेषक संजय कुमार को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज पुलिस केस पर रोक लगाने का आदेश दे दिया है। सीएसडीएस से जुड़े कुमार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया था, उनके इस दावे पर काफी विवाद हुआ था। हालांकि वह डेटा गलत निकला और संजय कुमार ने माफी मांगकर उस ट्वीट को ही डिलीट कर दिया, जिसमें इस बारे में दावा किया गया था। संजय कुमार के ट्वीट को आधार मानकर विपक्षी दलों की ओर से विरोध भी चल रहा है, लेकिन अब उनकी ओर से ही माफी मांगे जाने से चीजें काफी बदल गई हैं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र में उनके खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हुई और उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट से उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने लोकनीति-सीएसडीएस के सह-निदेशक कुमार के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज सभी एफआईआर पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई उस विवाद के बाद हुई जिसमें कुमार ने महाराष्ट्र की कुछ विधानसभा सीटों में मतदाता सूची में भारी बदलाव (जोड़-घटाव) का दावा किया था, जिसे बाद में उन्होंने डेटा मिसरीडिंग यानी डेटा पढ़ने में गलती मानकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। उनके खिलाफ एक केस नागपुर जिले के रामटेक पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। आरोप था कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो विधानसभा क्षेत्रों रामटेक और देवला में 2024 लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाता संख्या में भारी गिरावट का दावा किया था।

सड़क हादसा में 9 श्रद्धालुओं की मौत

बुलंदशहर (यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर लगाया बड़ा आरोप, कहा

वोट चुराकर सत्ता में आई है सरकार, इसलिए युवाओं की परवाह नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा करते हुए इसे शर्मनाक करार दिया और आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है। परीक्षा के बेहतर संचालन की मांग को लेकर एसएससी के छात्रों और शिक्षकों ने रविवार को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज करने के विपक्षी दलों के दावों का खंडन किया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर बर्बर लाठीचार्ज शर्मनाक ही नहीं, बल्कि एक डरपोक सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा, युवाओं ने सिर्फ अपना हक मांगा था - रोजगार और न्याय। मिली क्या? लाठियां। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, साफ़ है कि मोदी सरकार को न देश के युवाओं की चिंता है, न उनके भविष्य की। हो भी क्यों? यह सरकार जनता के वोटों से नहीं, बल्कि वोट चुराकर सत्ता में आई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया, पहले वोट चुराएंगे, फिर परीक्षा चुराएंगे, फिर नौकरियां चुराएंगे, फिर आपका हक और आवाज - दोनों कुचल देंगे। राहुल गांधी ने कहा, युवाओं, किसानों, गरीबों, बहुजनों और अल्पसंख्यकों, आपका वोट इन्हें चाहिए ही नहीं, इसलिए आपकी मांगें कभी इनकी प्राथमिकता नहीं होंगी। अब वक्त है - डरने का नहीं, डटकर मुकाबला करने का।

राहुल गांधी को मिलेगा सीएम स्टालिन और कनिमोझी का साथ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली जा रही है। कांग्रेस का दावा है कि लोग राहुल गांधी की यात्रा से जुड़ रहे हैं। राहुल गांधी की इस यात्रा में अब विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता भी शामिल होने वाले है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके संसदीय दल की नेता कनिमोझी करुणानिधि 27 अगस्त को यात्रा में शामिल हो सकते हैं। बिहार के सासाराम से राहुल गांधी ने यात्रा की शुरुआत की।

कुछ ना कहना

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक- दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को चुनौती दी थी। सीआईसी ने 2016 में दायर एक याचिका के आधार पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को पीएम मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था।

इस पूरे मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के जज सचिन दत्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री मोदी की स्नातक की डिग्री का विवरण प्रकट करने के लिए बाध्य नहीं है। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सीआईसी का आदेश रद्द किया जाना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार, जानने के अधिकार से ऊपर है।

असिस्टेंट प्रोफेसर की सैलरी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट कहा-

गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गाना बेकार

नई दिल्ली। गुजरात सरकार की आलोचना करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कॉन्ट्रैक्चुअल असिस्टेंट प्रोफेसर को मात्र 30 हजार रुपये की सैलरी दी जा रही है, जबकि ऐड हॉक और रेग्युलर असोसिएट प्रोफेसर का वेतन 1.2 से 1.4 लाख रुपये के बीच है। कोर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें सम्मानजनक वेतन भी नहीं मिल पा रहा है तो फिर गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवो महेश्वरा गाना ही बेकार है। बता दें कि हाई कोर्ट ने अपने फैसले में सरकार को निर्देश दिया था कि इस मामले में समान कार्य, समान वेतन के सिद्धांत का पालन किया जाए।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, जो शिक्षक हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करते हैं और उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार करते हैं, उनके साथ ही इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बेंच ने कहा, किसी भी देश के लिए शिक्षक रीढ़ की हड्डी की तरह होते हैं जो कि हमारे बच्चों को भविष्य की चुनौतियों और अच्छा जीवन जीने के लिए तैयार करते हैं। शिक्षक ही इस समाज में अपनी रिसर्च, विचारों और मूल्यों के जरिए प्रगति का रास्ता दिखाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बड़ी ही चिंता की बात है कि समाज में शिक्षक के अमूल्य योगदान को पहचाना नहीं जा रहा है। कोर्ट ने कहा, अगर शिक्षकों को सम्मानजनक वेतन भी नहीं मिलेगा तो देश में ज्ञान और बौद्धिक सफलता को भी सही स्थान नहीं मिल पाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह बड़ी ही चिंता की बात है कि असिस्टेंट प्रोफेसर को पिछले दो दशक से इतनी कम सैलरी दी जा रही है। हमें जानकारी मिली है कि 2720 रिक्तियां थीं जिनमें से अब तक 923 पोस्ट पर ही स्थायी भर्ती हुई है। शिक्षकों की कमी से शिक्षा का कार्य भी बाधित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक 158 ऐड हॉक और 902 कॉन्ट्रैक्चुअल असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्तियां हुई थीं। वहीं 737 पोस्ट अब भी खाली हैं।

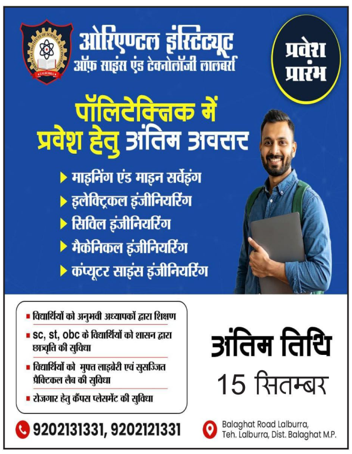

तो विलुप्त हो जाएगी माटी से मूरत तराशने की कला

शासन की उपेक्षा का दंश झेल रहे मूर्तिकार, मूर्तिकारों को नहीं मिल रहा मेहनत का सही दाम, पुश्तैनी काम को जिंदा रखने माटी से तराश रहे मूरत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मन में बसी देव प्रतिमाओं को जब हाथों की कला तराशना शुरू करती है, तो माटी में भगवान के दर्शन कराने का हुनर सामने आता है। इस कला के लिए शहर के वार्ड नंबर 16 के कोटांगले परिवार को बाहर जिलों में भी याद किया जाता है।लेकिन अब इन हुनरबाजों का मूर्तिकला से मोहभंग होता जा रहा है।जिसके जिले में माटी को मूर्त रूप देने की कला विलुप्ति की कगार पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि केवल बालाघाट नगर ही नहीं बल्कि संपूर्ण जिले में मूर्तिकारों के लिए शासन प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की योजना नहीं बनाई गई है। ना ही उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए हैं। जिसके चलते मूर्तिकारो को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तो वही वर्तमान महंगाई के दौर में लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है।

5 पीढ़ियों से बना रहे प्रतिमाएं

शहर के वार्ड नंबर 16 सुभाष चौक के समीप निवासरत कोटांगले परिवार पांच पीढियों से भगवान की मूरत बनाने की कला को जीवित रखे हुए हैं। चार भाईयों के 25 से 30 लोगों के परिवारों में महिलाएं भी इस कला में पारंगत है। इनके हाथों के हुनर के कायल बालाघाट सहित अन्य जिलों के कला को चाहने वाले भी हैं। लेकिन इनकी स्थिति आज भी पहले की तरह बनी हुई है। परिवार के वरिष्ठ अशोक कोटांगले के अनुसार शासन प्रशासन उन्हें प्रोत्साहित करें, तो उनकी इस कला के जरिए जिले का नाम देश विदेश तक विख्यात हो सकता है।उनके जीवन स्तर में भी सुधार आ सकता है।लेकिन इस कला को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कोई प्रयास नही किए जा रहे है। यहां तक कि हमें इस व्यवसाय के आधार पर लोन तक नहीं मिलता है।

6 इंच से लेकर 15 फिट तक बना रहे मूर्तियां

यह मूर्ति कलाकार 6 इंच से लेकर 15 फीट तक की गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे हैं। मूर्तियां बनाने में साढू प्रजाति की मिट्टी उपयोग में ली जाती है, जो कि टेकाड़ी, मानेगांव से पांच हजार रु टैक्टर ट्राली के हिसाब से खरीदनी पड़ती है। अमरावती से 900 रूपए लीटर का कलर, 100 रुपए मीटर के हिसाब से कपड़े, 50 से 100 रुपए नग के बांस बल्लियों के अलावा चार सौ रुपए रोजी के हिसाब से मजदूर भी रखने पड़ते हैं। ऐसे में एक छोटी गणेश प्रतिमा की लागत उन्हें 700 से 800 रुपए आती है। जिसे वे 11 सौ रुपए में विक्रय किया करते हैं। लेकिन ग्राहक इतनी कीमत भी देने तैयार नहीं होते है। मूर्तिकार बताते हैं कि कई बार तो उन्हें उन्हें पौने दाम में प्रतिमाएं बचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

लगातार कम हो रहे कलाकार

बताया गया कि पहले कच्चा मटेरियल आसानी से कम कीमत में मुहैया होने के कारण शहर में अन्य स्थानों पर भी मूर्तिकार हुआ करते थे। लेकिन वर्तमान उनका परिवार ही बचा हुआ है। उनके परिवारों में भी मूर्ति कलाकारों की संख्या भीं कम होते जा रही है। परिवार के अन्य सदस्य व आगामी पीढ़ी नौकरी-पेशा की ओर अग्रसर हो रही है। ऐसा ही रहा इस कला के हुनर बाजों की संख्या शून्य हो जाएगी और जिले से यह कला पूरी तरह से विलुप्त हो जाएगी।

मिट्टी तक खरीद कर लाना पड़ता है

पदमेश न्यूज से की गई औपचारिक चर्चा के दौरान मूर्तिकारो ने बताया कि पिछले कुछ वर्षो से उनकी कला व मेहनत की सही कीमत उन्हें नहीं मिल पा रही है। वे पुश्तैनी काम को जिंदा रखने के लिए ही मेहनत कर रहे हैं। कच्चा सामान, मिट्टी, पैरा, लकड़ी, लोहे, कील, कलर और कपड़े इन सब सामानों को एकत्र करने में लगभग एक महीने का समय लगता है। कच्चे सामान के दाम बढने से मूर्ति के दाम भी बढ़े हैं। कई बार बढ़े हुए दाम सुनकर ग्राहक वापस लौट जाते हैं। सीजन के बाद सहीं कीमत न मिलने से उन्हें मूर्तियों को लागत मूल्य में ही विक्रय करना पड़ रहा है।

शासन प्रशासन से उम्मीद

स्थानीय मूर्तिकारों ने बताया कि शासन प्रशासन ने मूर्ति कला से जुड़े कलाकारों के लिए कोई योजनाएं नहीं बनाई है।ना ही उन्हें कोई प्रोत्साहन व सुविधाएं दी जाती है।शासन यदि उन्हें मिट्टी खदान, बांस, बल्ली, कलर कपड़ा आदि में अनुदान और लोन सुविधा उपलब्ध कराए तो वे इस कला के व्यवसाय को और आगे तक लेकर जा सकते हैं। वर्तमान में सीजन के समय उन्हें निजी संस्थाओं से अधिक ब्याज पर कर्जा लेना पड़ता है।

बहारी प्रतिमाओ की बिक्री पर लगाई जाए रोक

मूर्तिकार अशोक कोटांगले ने बताया कि शासन प्रशासन द्वारा मूर्तिकारों के प्रति हमेशा उदासीन रवैया अपनाया गया है।हमे ना तो इस व्यवसाय के आधार पर लोन दिया जाता है और ना ही मिट्टी की खदानें आवंटित की जाती हैं। प्रतिमा बनाने के लिए लगने वाली छोटी बड़ी सभी सामग्रियों को महंगे दामों पर खरीद कर लाना पड़ता है। पूरा परिवार मिलकर एक बड़ी प्रतिमा बनता है जिसका लागत मूल्य भी ठीक से हमें नहीं मिल पाता। कई बार तो बाहर राज्यों व जिलों से आने वाली प्रतिमाओं के चलते हमारी प्रतिमाओं को कीमत नहीं मिल पाती। जिले में सिवनी, मंडला, पलारी,जबलपुर, गोंदिया सहित अन्य जगहों से प्रतिमाएं बिक्री के लिए आती है।यदि शासन द्वारा बाहर से आने वाली प्रतिमाओं की बिक्री पर रोक लगा दी जाए।तो हमें प्रतिमाओं के अच्छे दाम मिलेंगे। लेकिन ऐसा भी नहीं होता। शासन ने हमारे लिए कोई विशेष योजना बनानी चाहिए,ताकि हम भी उन योजनाओं का लाभ लेकर उन्नति कर सके।

सम्पूर्ण गाँव मे की जाए शराब बंदी,ग्राम धापेवाड़ा के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

शराब की बिक्री व जुआ खेलने पर रोक लगाने की करी मांग, कहा -आसपास गांवो में शराब बंदी होने दूसरे गांव के लोग शराब पीने पहुच रहे धापेवाड़ा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए रोजाना ही बड़ी संख्या में कार्यवाही की जा रही है बावजूद इसके भी पुलिस अवैध शराब निर्माण व उसकी बिक्री पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है और संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धापेवाडा से सामने आया है। जहां के सरपंच सहित ग्राम समिति लोगो ने अन्य ग्रामीणों को साथ लेकर कलेक्टर और एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर गाँव मे अवैध शराब के निर्माण, उसकी बिक्री व जुआ खेलने पर रोक लगाए जाने

की मांग की है।जिन्होंने उक्त नशे पर रोक लगाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपते हुए नशा मुक्त गांव बनाने में पुलिस सहायता दिए जाने की गुहार लगाई है।

बच्चे युवा भी खुलेआम कर रहे नशे का सेवन

उक्त मांग को लेकर सोमवार को एसपी कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि उनके गाँव में करीब 15 से 20 घरों में अवैध शराब निर्माण और बिक्री का कार्य किया जाता है।जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है।,जिससे परेशान होकर आज हम ज्ञापन लेकर आए है।ताकि कच्ची शराब बनाने व उसकी बिक्री करने वालो के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।उन्होंने बताया कि गांव के 15 से 20 लोग अवैध शराब का निर्माण कर उसकी की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं।वही ग्रामीण युवा व बच्चे जुआ खेल रहे है जिसपर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर गांव को नशा मुक्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

ग्रामीणों ने गांव में भी पूर्णत: शराबबंदी किए जाने की मांग की है।जिन्होंने गांव के कुछ लोगों पर चोरी छिपे शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए, अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ अब तक कोई कार्यवाही नहीं किए जाने का आरोप लगाया है तो वही उन्होंने सम्पूर्ण गाँव में शराबबंदी और नशा मुक्ति की मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

आसपास के गांव में हो चुकी है शराबबंदी, हमारे गांव को नशे से किया जाए मुक्त- सरपंच

ग्राम पंचायत धापेवाडा सरपंच पंकज माहुले और ग्रामीण महिला अंजलि विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि उनके ग्राम धापेवाडा के आसपास के सभी गांवो में पूर्ण रूप से शराबबंदी कर दी गई है। जिसके चलते वहां के लोग उनके गांव में आकर शराब का सेवन कर रहे हैं। जिसके चलते पहले की तुलना में वर्तमान समय में 15 से 20 ग्रामीणों द्वारा अत्यधिक मात्रा में अवैध शराब का निर्माण कर धड़ल्ले से उसकी बिक्री की जा रही है।जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। बाहर के लोग हमारे गांव कर शराब पीकर गाली गलौज करते हैं।वही गांव के बच्चे और युवा भी शराब का सेवन कर रहे हैं। इसी तरह शराब के अलावा जुआ सट्टे का कारोबार भी गांव में बहुत अधिक बढ़ गया है। जिस पर रोक लगाने की मांग को लेकर आज हमने ज्ञापन सौपा है। क्योंकि शराब के चलते घरों में क्लेश बढ़ गया है। रोजाना झगड़ा हो रहे हैं। युवा भी नशे की लत में आकर भटक रहे हैं। इसीलिए हम लोग पहली बार यहां ज्ञापन सौपने आए हैं हमारी मांग है कि जल्द से जल्द हमारे गांव को भी शराब मुक्त गांव बनाया जाए।

उपभोक्ता संरक्षण समिति की प्रबंधकारिणी की मासिक बैठक सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । उपभोक्ता संरक्षण समिति की प्रबंधकारिणी की मासिक बैठक संतोष असाटी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय में अपरान्ह 3 बजे आयोजित की गई।इस अहम बैठक में गत दिवस सम्पन्न बैठक में समिति के बिरसा तहसील अध्यक्ष हेतु अशोक यैगारे के प्राप्त

आवेदन पत्र को सर्वसम्मति से स्वीकृत करते हुये अशोक यैगारे को बिरसा तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया । इसी प्रकार शहर के विभिन्न मोहल्लों/कालोनियों में आवारा कुत्तों के कारण मानव जीवन के लिये उत्पन्न खतरों व परेशानियों का निराकरण किये जाने, शहर की विभिन्न गलियों/सडकों में पशुओं के झुंडों का विचरण एवं जमावडा होने के कारण आवागमन बाधित होने, वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति बनी रहने संबंधी समस्या के निराकरण किये जाने सहित शहर की गलियों/सडकों में तकनीकी मापदण्डों का पालन नहीं कर बनाये गये स्पीड ब्रेकरों को तकनीकी मापदण्ड के अनुसार बनाये जाने व पूर्व में लगाये गये क्षतिग्रस्त हो चुके प्लास्टिक के स्पीड ब्रेकरों व उनकी कीलों को हटाये जाने के संबंध में चर्चा की गई, वही इन मुद्दों को लेकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालाघाट को दिनांक 07 अगस्त को दिये गये ज्ञापन पत्र पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए, सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इन तीनों समस्याओं के संबंध में पुन: नगरपालिका बालाघाट को पत्र दिया जाएगा। साथ ही इसकी प्रतिलिपि कलेक्टर बालाघाट को भी दी जाएगी। समिति की आगामी बैठक दिनांक 20 सितम्बर 2025 को अपरान्ह 4 बजे किए जाने का निर्णय भी लिया गया।इस बैठक में उपभोक्ता संरक्षण समिति के संरक्षक लोचनसिंह देशमुख, अध्यक्ष संतोष असाटी, शिवशंकर तिवारी, सुरेश रंगलानी, डॉ0 गोपाल प्रसाद श्रीवास्तव, सुभाष गुप्ता, राजेश कुमार गांधी, संतोष जैन (देवडिया), संजीव जैन (चीनू), एल0डी0मेश्राम, सुरेश टांक, प्रकाश मेश्राम , श्रीमति मंजुला तिवारी एवं श्रीमति प्रतिमा काम्बले सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

टेकाड़ी (का.) में शराबी पिता ने बेटे पर चाकू से किया हमला

कथित तौर पर फिर फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

कटंगी(पद्मेश न्यूज) । बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के टेकाड़ी (का.) में एक शराबी पिता ने शराब पीने से रोकने पर अपने ही बेटे से विवाद किया और फिर उस पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया और बाद में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सोमवार की सुबह करीब 08 बजे गांव के ही जंगल की तरफ शौच के लिए गई गांव की महिलाओं ने शव देखा और ग्रामीणों को सूचना दी. ग्रामीणों ने मृतक के परिवार और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लाया और शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया है. प्राप्त जानकारी अनुसार टेकाड़ी (का.) निवासी 60 वर्षीय गेंदलाल चचाने का शव गांव के जंगल में महुए के पेड़ पर फांसी के फंदे पर झूलता हुआ बरामद किया गया. गेंदलाल के बड़े बेटे ने बताया कि रविवार को छोटे भाई रुपेन्द्र ने पिता को शराब पीने से रोका था इसी बात से नाराज होकर पिता ने उस पर चाकू से हमला कर दिया था. इस घटना के बाद रुपेन्द्र को कटंगी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां से उसे रेफर कर दिया गया था. पूरा परिवार रुपेन्द्र के साथ बालाघाट में था. सोमवार की सुबह पिता के फांसी के फंदे पर लटके होने की सूचना मिली. फिलहाल पुलिस ने शव बरामद कर मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया है. पुलिस जांच के बाद मौत के कारण का सही पता चल सकेगा. पुलिस इसे हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं से जोड़कर जांच कर रही है।

अस्मिता खेलो इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन 2 संपन्न

पेनल्टी शूटआउट से हुआ फाईनल का फैसला, डायमंड रॉक अकादमी को 3-2 से हराकर पुलिस बॉयज ने जीता फाइनल मैच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय फुटबॉल संघ, और मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के सँयुक्त निर्देशन में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा नगर के रेंजर कॉलेज मैदान में एक दिवसीय अस्मिता खेलो इंडिया सीजन 2 फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।जिला फुटबॉल संघ के मार्गदर्शन में आयोजित इस फुटबाल प्रतियोगिता में अंडर 13 आयु वर्ग के खिलाडियों ने भाग लेकर अपने पैरों का जादू दिखाया।प्रतियोगिता में बालाघाट, बैहर ,उकवा, सतना सहित 06 टीमों को शामिल किया गया, सभी टीमों के बीच आपसी मैच कराकर फाइनल मैच के बाद एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन किया गया।

डायमंड रॉक ने उकवा को 5-0 से पछाड़ा

रेंजर कॉलेज मैदान में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया सीजन 2 फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों में भी खासा उत्साह नजर आया। जहां प्रतियोगिता की शुरुवात डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी बनाम नेहरू इंदिरा एफसी बैहर के बीच, मैच से की गई। जहां बैहर की टीम, अपने पैरों का जादू दिखाने में कामयाब नहीं हो सकी।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी डायमंड रॉक अकादमी के खिलाफ एक गोल दागने में भी कामयाब नहीं हो सकी। तो वही डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बैहर के खिलाफ एक के बाद एक लगातार 05 गोल दागकर प्रतियोगिता का पहला मैच 5-0 से अपने नाम कर लिया।

उकवा ने बालाघाट को हराया

इसी तरह प्रतियोगिता का दूसरा मैच एफसी उकवा एफसी बनाम मायल इलेवन बालाघाट के मध्य खेला गया। इस प्रतियोगिता में मायल इलेवन की टीम भी बैहर टीम की तरह अपने पैरों का जादू नहीं दिखा सकी, जो लाख जतन के बावजूद भी उकवा के खिलाफ गोल दागने में नाकामयाब रही।तो वही उकवा टीम को भी गोल दागने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।जिनके खिलाड़ियों ने काफी जद्दोजहद के बाद मायल इलेवन बालाघाट के खिलाफ एक गोल दागने में सफलता हासिल की ,और इसी एक गोल ने उकवा को जीत दिलाई।

पुलिस एफसी बालाघाट ने 3-0 से उकवा को हराया

इसी तरह प्रतियोगिता का तीसरा मैच पुलिस बॉयज एफसी बालाघाट बनाम बॉयज एफसी उकवा के मध्य खेला गया। जहां इस खेल में भी मोबाइल इलेवन ,एफसी बालाघाट और बैहर की तरह ही उकवा की टीम अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं कर सकी। जिनके खिलाड़ी लाख जतन के बावजूद भी पुलिस बॉयज बालाघाट के खिलाफ एक भी गोल नही दाग सके। तो वही पुलिस बॉयज बालाघाट की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उकवा के खिलाफ लगातार 03 गोल दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया।

डीएफए के आगे ,सतना 4-0 से हारी

तो वही प्रतियोगिता का चौथा मैच सतना सोल्जर्स एफसी सतना और डीएफए बालाघाट के मध्य खेला गया। जिसमें सतना की टीम के खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन नहीं कर सके,तो वही डीएफए बालाघाट ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए सतना को 4-0 से मात देते प्रतियोगिता का चौथा मैच अपने नाम कर लिया।

पेनाल्टी शूट आउट से हुआ फाइनल मैच का फैसला

इसके तुरंत बाद टीमों को मिले अंकों के आधार पर सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ किया गया।जिसका पहला मैच पुलिस बॉयज बालाघाट बना डीएफए बालाघाट के मध्य खेला गया।इस पहले सेमीफाइनल में डीएफए बालाघाट की टीम ने पुलिस बॉयज के खिलाफ एक गोल दागकर प्रतियोगिता में बढ़त बनाई,तो वही अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुलिस बॉयज बालाघाट ने 02 गोल-दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया।वही फाइनल में अपना स्थान बनाया।इसी तरह प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मैच डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी बनाम हुआ एफसी उकवा के मध्य खेला गया। जिसमें उकवा टीम के खिलाड़ी लाख जतन के बावजूद भी गोल दागने में कामयाब नहीं हो सके। तो वही डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों एक के बाद एक लगातार 07 गोल दाग कर सेमीफाइनल का दूसरा मैच अपने नाम कर लिया और फाइनल में प्रवेश किया। इसके तुरंत बाद प्रतियोगिता का फाइनल मैच पुलिस बॉयज बालाघाट बनाम डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी के मध्य खेला गया। जहां दोनों ही टीमो के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जहां दोनों की टीम के खिलाड़ी पहले हाफ की तरह दूसरे हाफ में भी एक दूसरे के खिलाफ गोल दागने में कामयाब नहीं हो सके। समय खत्म होते तक दोनो ही टीम द्वारा गोल नहीं दागाने के चलते यह मैच 0-0 से ड्रॉ कर दिया गया। जिसका फैसला पेनाल्टी शूटआउट के माध्यम से किया गया।जिस में डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों ने 02 गोल किए, तो वही पुलिस बॉयज बालाघाट ने 03 गोल दागकर प्रतियोगिता का फाइनल मैच अपने नाम कर लिया।

इन टीमों ने लिया हिस्सा दिखाया पर पैरों का जादू

अस्मिता खेलो इंडिया अंडर-13 एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में डायमंड रॉक फुटबॉल अकादमी बालाघाट, नेहरू इंदिरा एफसी बैहर, उकवा एफसी उकवा, मायल इलेवन बालाघाट, सतना सोल्जर्स एफसी सतना, डीएफए बालाघाट ने भाग लिया। जहां टीम में शामिल खिलाड़ियों ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके उपरांत विजेता उपविजेता टीम सहित अन्य खिलाडियों को पुरस्कार वितरण कर प्रतियोगिता का समापन किया गया।इस दौरान बिनोद बघेल, कमल तेलासे, लॉरेंस एक्का, ओमेंद्र बिसेन, नरेश धुर्वे, अयोजक मंडल, दिलीप राजपूत, रूपनाथ गजपाले, रोहित गोंड सरफुद्दीन, ललित निलजी, उमा उइके, मोहिनी राऊत एवम डायमंड रॉक फुटबॉल के खिलाड़ी सहित नन्हे खिलाडियों के उत्साहवर्द्धन के लिए उनके माता-पिता भी मैच में उपस्थित रहे।आयोजन में कन्या शिक्षा परिसर गोंगलाई, सेंटमैरी विद्यालय बालाघाट, सतपुड़ा वेली, जय ठाकरे लालबर्रा, शासकिय हायर सेकेंडरी स्कूल बिरसोला से राकेश तुरकर का विशेष सहयोग रहा।डीएफए अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर प्रतियोगिता का समापन किया गया।

स्थान परिवर्तन
मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा
संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कांग्रेसी नेता उम्मेद लिल्हारे, और महेश सहारे पर गिर सकती है कार्यवाही की गाज

बयानबाजी पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार हुए नाराज, पत्रकार वार्ता का आयोजन कर दी जानकारी, श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विधायकों, और जिला अध्यक्ष पर की गई बयानबाजी से जुड़ा है मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिछले दिनों जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में वरिष्ठ कांग्रेसियों के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।22 अगस्त को पार्टी कार्यालय में आयोजित इस श्रद्धाजंलि कार्यक्रम में कांग्रेसी नेता उम्मेद लिल्हारे और महेश सहारे सहित अन्य ने कांग्रेस पार्टी से जुड़े चारों विधायकों, विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष सहित पार्टी के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। तो वही उनको लेकर तरह-तरह के बयान भी दिए थे।जिसके बाद से ही पूरे जिले में उम्मेद लिल्हारे और महेश सहारे के उन बयानों को लेकर चर्चाएं चल रही है।जिसमे कांग्रेस पार्टी के बैहर विधायक संजय उईके को पुन: जिला अध्यक्ष बनने पर कई कांग्रेसियों में नाराजगी होने की बात सामने आ रही है।जहा पिछले दिनों हुई इस बयान बाजी पर जिला कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने अब एक्शन लेने का मन बना लिया है। जहां कांग्रेस से जुड़े सभी चारों विधायको विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष और जिला अध्यक्ष संजय उइके के खिलाफ की गई बयानबाजी पर एक्शन लेते हुए, इस तरह के बयान देने वालों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की बात जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने कही है। जिन्होंने सोमवार शाम एक पत्रकार वार्ता का आयोजन कर आगामी दो-तीन दिनों में वरिष्ठो के साथ बैठक कर इस पर एक्शन लेने को कहा है। आयोजित पत्रकार वार्ता के बाद से ही पार्टी कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान बयानबाजी करने वाले कांग्रेसी नेता उम्मेद लिल्हारे और महेश सहारे पर कार्यवाही की गाज गिरने की बात कही जा रही है। हालांकि आयोजित इस प्रेसवार्ता में जिला अध्यक्ष श्री सरस्वार ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उक्त बयान देने वाले दोनों पदाधिकारियो पर कौन सी कार्यवाही की जाएगी। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष श्याम पंजवानी, भीमसिंह फुलसूंघे,नरेन्द्र मेश्राम, कल्लू निर्मल सोनी सहित अन्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

क्या है पूरा मामला

आपको बताएं की 22 अगस्त को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

का आयोजन किया गया था। जिसमें कांग्रेस के चारों विधायक के साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष को भी आंमत्रित किया गया था।लेकिन उक्त कार्यक्रम में दूसरी बार नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष व बैहर विधायक संजय उइके सहित चारों विधायक व अन्य बड़े पदाधिकारी किन्ही कारणों के चलते उपस्थित नही हो सके।वही जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरसवार के कार्यक्रम में देरी में पहुंचने के बाद भी उनकी मौजूदगी में कांग्रेसियों ने, चारों विधायक व पूर्व विधानसभा विधायक हिना कावरे परं जमकर हमला बोला था और कई बार तो अनैतिक शष्दों का इस्तेमाल भी किया था। इसी दौरान जिला पचांयत अध्यक्ष ने भी अपने भाषण में कई बार बड़े कांग्रेसियों के द्वारा उनके साथ न खड़े होने की बात भी कहीं गई थी। जिसके बाद कांग्रेस संगठन में अनुशासन की कमी और संगठन में फूट को लेकर चर्चा जोरों पर चल रही है। जिले भर में चल रही इन चर्चाओं पर रोक लगाने और पार्टी छबी को बनाए रखने के लिए अब 4 दिन बाद, उक्त कार्यक्रम के दौरान बयान बाजी करने वाले नेताओं पर कार्यवाही की बात कही गई है।

कार्यक्रम में किया गया अनैतिक भाषा का उपयोग

वार्ता के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने बताया कि मृत हुए कांग्रेसियों के लिए आयोजित श्रद्धाजलि कार्यक्रम अत्यंत ही सेवंदनशील कार्यक्रम था और ऐसे आयोजन होने भी चाहिए। इस कार्यक्रम में मुझे भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों के चलते मैं दोपहर 2.30 बजे के बजाय शाम करीब 5 बजे कार्यक्रम में शामिल हुआ था। इस दौरान कुछेक कांग्रेसियों ने अपने भाषण में विधायकों व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को लेकर जो भाषा का उपयोग किया गया। वो अनैतिक भाषा की श्रेणी में आता है। इस तरह से जिम्मेदार कांग्रेसियों को अपमान किया जाना बिल्कुल भी न्यायोचित नहीं है। जब उनके(स्वयं के) भाषण का समय आया तो उनके द्वारा कहा गया कि इस तरह से अपनी लाइन बढ़ाने के लिए दूसरे की लाइन काटना और गलत भाषा का उपयोग करना बिल्कुल भी सही नहीं है। उन्होंने बताया कि बैहर विधायक संजय उइके जिलाध्यक्ष बनने के लिए बिल्कुल भी राजी नहीं थे लेकिन राष्ट्रीय संगठन के बैनर तले कांग्रेस सृजन कार्यक्रम के तहत जो पर्यवेक्षेक आए उन्होंने सभी से रायशुमारी करने के बाद ही उन्हें फिर से कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया है। इससे किसी को आपत्ति नहीं होना चाहिए।

बयान बाजी करने वालों पर की जाएगी कार्यवाही

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने स्पष्ट कर दिया कि नवयुक्त जिला अध्यक्ष संजय उईके दिल्ली गए हुए हैं। जो दो-तीन दिनों में वापस आएंगे। जिनके बालाघाट वापस आते ही वरिष्ठों के साथ उक्त मामले को लेकर बैठक की जाएगी। वही उक्त कार्यक्रम में बयान बाजी करने वालों के खिलाफ पार्टी द्वारा कार्यवाही की जाएगी।

एक कृषक को दो लोगों ने लाठी हाथ बुक्के से मारपीट कर किये घायल

ग्रामीण थाने के ग्राम रोशना की घटना, घायल कृषक डिलेश जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रोशना में एक कृषक को दो लोगों ने लाठी और हाथबुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए।24 अगस्त की शाम 4:00 यह घटना खेत की फसल मवेशियों चरने के विवाद को लेकर हुई।मारपीट में घायल व्यक्ति डिलेश पिता प्रेमलाल बाहेश्वर 40 वर्ष ग्राम रोशना निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिलेश बाहेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 24 अगस्त को सुबह डिलेश बाहेश्वर अपने खेत जाकर मोटर पंप चालू करके अपने घर आ गया था। 4:00 बजे करीब डिलेश बाहेश्वर अपने मोटर पंप बंद करने के लिए गया था। खेत में जाते समय देखा कि काशीराम और सुखदेव दोनों के भैंस बकरी खेत की फसल चल रहे थे। डिलेश बाहेश्वर ने दोनो को खेत में फसल चर रहे भैंस बकरी को भागने के लिए बोला। इसी को लेकर के डिलेश बाहेश्वर का काशीराम, सुखदेव के साथ विवाद हो गया। तभी काशीराम और सुखदेव ने आवेश में आकर डिलेश बाहेश्वर को लाठी हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए और वहा से फरार हो गए। तभी घायल डिलेश बाहेश्वर ने अपने खेत पड़ोसी को फोन करके बुलाया और दिनेश बाहेश्वर सर को उसके खेत पड़ोसी ने मोटरसाइकिल से घर लाया और घर से मोटरसाइकिल में रिपोर्ट करने के लिए ग्रामीण थाना पहुंचे। ग्रामीण थाना की पुलिस में डिलेश बाहेश्वर का बयान लेने के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है।

हरितालिका तीज पर्व आज

मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए सुहागिने रखेंगी निर्जला व्रत, तीज पर्व की तैयारियों को लेकर गुलजार दिखे बाजार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला हरितालिका तीज पर्व मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जहां हिंदू धर्म की सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख समृद्धि के लिए निर्जला व्रत धारण कर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा अर्चना करेंगी।वही सुहागिन महिलाओं के साथ साथ कुंवारी कन्याए भी निर्जला व्रत धारण कर मनोवांछित वर की कामना करेंगी।इस दिन व्रती महिलाएं व्रत के संकल्प के साथ सुबहा स्नान कर नए कपड़े पहनकर सोलह श्रृंगार करेंगी। व्रत धारण कर पूजा की जगह पर चौक पूरा कर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर मां पार्वती को सुहाग की सारी वस्तुएं चढ़ाएगी वही भगवान को भोग लगाकर पूजा अर्चना करेंगी।पूजा के बाद कथा का आयोजन कर रात्रि जागरण करेंगी इसके अगले दिन सुबह आरती के बाद माता पार्वती को सिंदूर लगाकर हलवे का भोग लगाकर व्रत खोलेंगी।यह सबसे लंबी अवधि का व्रत माना गया है। जो सूर्योदय से शुरू होकर दूसरे दिन सूर्योदय तक उपासक निराहार निर्जला रहकर व्रत करते हैं रात्रि में जागरण कर चार पहर की

पूजा होती है। हरितालिका तीज के दूसरे दिन गौर का विसर्जन नगर के सरोवरो में किया जायेगा

भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन है हरितालिका

बताया गया कि हरतालिका तीज को तीजा के नाम से भी जाना जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था।माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था।इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया।तभी से मनचाहे पति की इच्छा और लंबी आयु के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

बाजार रहा गुलजार

सुहागिन महिलाओं और युवतियों द्वारा मंगलवार को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाएगा।जिसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को नगर का बाजार गुलजार नजर आया।इस पर्व विशेष पर निर्जला व्रत रखने के लिए महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।जहां सोमवार को सुबह से लेकर देर शाम तक महिलाओ और युवतियों ने बाजार में श्रृंगार, पूजन सामग्री सहित अन्य वस्तुओ की जमकर खरीदी की।जहा उन्होंने सुहाग का पिटारा तैयार करने के लिए सिंदूर, चूड़ी, बिंदी, मेहंदी, काजल के अलावा तुलसी, केला का पत्ता, आंक का फूल, मंजरी, शमी पत्र, जनैऊ, वस्त्र, फूल, अबीर, फल, कुमकुम, चंदन, घी-तेल, दीपक, नारियल, माता की चुनरी, लकड़ी का पाटा, पीला कपड़ा, सुहाग पिटारा और तुलसी सहीत अन्य वस्तुओं की खरीदी की।

व्रती महिलाए करेंगी जगराता

सनातन धर्म में हरितालिका तीज का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन शिव-पार्वती की पूजा-उपासना विधिवत तरीके से करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो सुहागिन स्त्रियां इस दिन निर्जला व्रत रखती हैं उनके पति की आयु लंबी होती है। हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, हरितालिका तीज पर व्रत रखने वाले भक्तों को वर्जित माने गए कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कहा जाता है कि जो भक्त इस दिन वर्जित माने गए कार्यों को भूल से भी करता है उसका व्रत फलविहीन हो जाता है। जो महिलाएं हरितालिका तीज पर व्रत रख रही हैं उनके लिए रात में सोना वर्जित माना गया है।इसलिए व्रती महिलाएं पूरी रात जागकर भजन-कीर्तन कर जगराता करती है ।माना जाता है कि इस दिन रात भर जागरण कर भगवान शिव,और माता पार्वती के भजनों व मंत्रों का जाप करने से मनोइच्छाओं की पूर्ति होती है।

10 दिनों के सामूहिक अवकाश का सरकार पर नही पड़ा असर

अब कामबंद-कलमबंद हड़ताल पर गए अभियंता, कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, कहा आंदोलन और तेज होगा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वर्षो से लंबित अपनी 8 सूत्रीय मांगो को लेकर विगत दिनो,सामुहिक अवकाश पर गए अभियंताओ की अब तक मांगे पूरी नही हुई है।जहा 10 दिनों के सामूहिक अवकाश का जब सरकार पर कोई असर नही पड़ा तो अब अभियंताओ ने काम बंद कलम बंद हड़ताल शुरू कर दी है।जिसकी जानकारी देने के लिए सोमवार 25 अगस्त को अभियंता, मनरेगा अभियंता संघ के बैनर तले, कलेक्टर कार्यालय पहुँचे ,जहा उन्होंने ज्ञापन सौपकर आज से ही समाहिक रूप से अनिश्चितकालीन काम बंद कलम बंद हड़ताल शुरू करने का एलान कर दिया।जहा कलेक्टर प्रदीप कौरव को एक बार फिर ज्ञापन सौंपकर उन्होंने प्रदेश सरकार से उनकी सभी 8 सूत्रीय मांगे पूरी करने की गुहार लगाई तो वही मांगे पूरी ना होने तक समस्त अभियंताओ द्वारा कामबंद-कलमबंद हड़ताल करने, और अपने इस आंदोलन को और अधिक तेज किए जाने की चेतावनी दी है।आपको बताए कि जिले सहित प्रदेश के समस्त मनरेगा अभियंता अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर 14 अगस्त से सामुहिक अवकाश पर है।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

सौपे गए ज्ञापन के दौरान संगठन द्वारा संविदा पारिश्रमिक की गणना नियुक्ति दिनांक की सेवा अवधी से करने, समकक्ष सेवा अवधि वाले नियमित उपयंत्री के वेतन के समतुल्य करने, वार्षिक वेतन वृद्धि दिए जाने के आदेश तत्काल जारी करने, मनरेगा उपयंत्री की मृत्यु होने पर आश्रितो को अनुकंपा नियुक्ति मिलने के आदेश तत्काल जारी करने,मनरेगा उपयंत्रियों को किसी भी प्रकरण में पद से पृथक ना करते हुए निलंबित किए जाने, जिला या प्रदेश स्तर पर आर.ई.एस. एवं मनरेगा के उपयंत्रियों की संयुक्त वरिष्ठता सूची अनुसार सहायक यंत्री के प्रभार दिए जाने, नियमित कर्मचारियों की भांति मनरेगा उपयंत्री हेतु उपादन (ग्रेजुएटी) भुगतान के आदेश तत्काल जारी करने, 1 अगस्त 2023 के बाद मृत या सेवानिवृत हुए उपयंत्रियों को भी इसका लाभ देने, संविदा सेवा का नवीनीकरण 01 वर्ष नहीं 05 वर्ष की सी. आर. के आधार पर करने,ताकि वित्तीय वर्ष के आखिरी में उपयंत्रियों का शोषण ना हो, मनरेगा उपयंत्रियों से केवल और केवल तकनिकी कार्य ही कराये जाने,और मनरेगा के उपयंत्रियों को माह की प्रथम तारीख को वेतन देना सुनिश्चित करने,सहित वर्षों से लंबित अन्य मांगों को पूरे किए जाने की गुहार लगाई है।

मनरेगा उपयंत्रियों ने लगाया शोषण का आरोप

मनरेगा उपयंत्रियों का आरोप है कि मनरेगा उपयंत्रियों का सरकार, शोषण कर रही है। मनरेगा उपयंत्री के हड़ताल पर चले जाने से मां की बगिया सहित अन्य कार्यो पर इसका असर पड़ा है।उन्होंने बताया कि चूंकि मनरेगा मांग आधारित योजना है लेकिन इसे लक्ष्य आधारित बनाकर, उपयंत्रियों का शोषण किया जा रहा है।

तो आंदोलन और तेज किया जाएगा- भोयर

मनरेगा अभियंता संघ अध्यक्ष भीवराम भोयर ने चर्चा के दौरान बताया कि विगत 14 अगस्त से प्रदेश सहित जिले के मनरेगा अभियंता, अपनी 8 सूत्रीय मांगो को लेकर सामूहिक अवकाश पर है। जिसके बाद आज से कामबंद-कलमबंद हड़ताल की सूचना, प्रशासन को दी है। उन्होंने बताया कि हमारी जायज मांगो का विधायकों, सरपंच संघ, सचिव संघ और ग्राम रोजगार सहायकों ने भी समर्थन दिया है। यदि, सरकार हमारी मांगो को गंभीरता से नहीं लेती है तो आगामी समय में आंदोलन, बड़ा होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि जिले में मनरेगा योजना के तहत निर्माण से लेकर सभी योजना संबंधित कार्य ठप्प पड़ गए है।

विद्युत करंट से 10 वर्षीय बालक की मौके पर मौत

लामता(पद्मेश न्यूज)। चरेगांव पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम टिटवा निवासी आयुष शेंडे पिता शिवराज शेंडे उम्र लगभग 10 वर्ष की विद्युत करंट लगने से घटना स्थल मे ही मौत हो गई। घटना की सूचना चरेगांव चौकी की पुलिस ने ग्राम टिटवा पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किये और पंचनामा कार्यवाही कर मृत बालक का शव क लामता पोस्टमार्टम करवा कर परिजन के सुपुर्द किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवराज शेंडे अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करते हैं। जिसके परिवार में दो लड़की और दो बेटे हैं ।25 अगस्त को शिवराज शेंडे अपने बेटे आयुष के साथ घर में था। उसकी पत्नी मजदूरी करने चली गई थी और अन्य बच्चे बस्ती में खेल रहे थे ।12:00 बजे करीब शिवराज शेंडे अपने बेटे आयुष के साथ घर में सो रहा था। 2:00 बजे करीब आयुष घर मे पंखा का वायर बोर्ड में लग रहा था तभी करंट लगने से वह जमीन पर गिर गया और उसके ही मौके पर ही मौत हो गई ।इस घटना की सूचना मिलते ही चरेगांव पुलिस चौकी प्रभारी गौरी शंकर देशमुख अपने स्टाफ के साथ ग्राम टिटवा पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना कर मृतक बालक आयुष के शव का पंचनामा कार्यवाही पश्चात लामता अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए। आगे धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।शिवराज शेंडे ने बताया की दोनो पिता पुत्र एक साथ सोये थे। आयुष कब उठकर कर पंखा का वायर बोर्ड मे लगा रहा था। उसकी जानकारी मुझे नही हैं। वह जब 2 बजे सोकर उठा तो आयुष बोर्ड के नीचे गिरा हुआ। अचेत हालत मे था और एक वायर बोर्ड मे और एक वायर निकला हुआ था। जिसकी सूचना पूर्व सरपंच को दूरभाष मे दिया था।

कई विघार्थी,एडमिशन से हो चुके मेहरूम

जिले के सभी महाविद्यालयो में बढाई जाए 50- 50 सीट

एनएसयूआई के बैनर तले सौपा गया ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नए शिक्षण सत्र में ऐसे कई विघार्थी है।जिन्हें जिले के सरकारी कॉलेजों में दाखिला नही मिल पाया है।वही सभी कॉलेजों के विभिन्न संकायों में सीट कम होने के चलते कई विघार्थी एडमिशन लेने से मेहरूम हो चुके है।तो वही सीट भर जाने से अब उन्हें किसी भी कालेजो में दाखिला नही मिल रहा है।जहा आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के चलते वे विघार्थी निजी कॉलेजों में भी प्रवेश नही ले पा रहे है और उन्हें पढाई बीच मे ही छोड़नी पड़ रही है।जिसके चलते विघार्थियो को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिसको मध्यनजर रखते हुए सोमवार को एनएसयूआई के बैनर तले विघार्थियो ने पीएम श्री कालेज प्राचार्य को एक ज्ञापन सौपते हुए राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा से संबद्धित जिले के सभी शासकीय पीजी कॉलेज सहित सभी शासकीय कॉलेजो में संचालित सभी संकायो में 50-50 सीटे बढ़ाए जाने मांग की है। जिन्होंने जल्द से जल्द उक्त मांग पूरी ना होने पर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

सभी संकायों में बढाई जाए सीट

बताया गया कि विगत लंबे समय से एनएसयूआई, छात्रहित में महाविद्यालयो में सीटे बढ़ाए जाने की मांग कर रहा है। विगत दिनों जिला मुख्यालय में पीजी कॉलेज में किए गए प्रदर्शन के बाद सोमवार को एनएसयूआई ने कॉलेज में सीटे बढ़ाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा है।उधर प्राचार्य ने भी एनएसयूआई पदाधिकारियों को भरोसा दिलाया कि वह इस मांग से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएंगे।

तो आंदोलन किया जाएगा-ऋषभ

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान एनएसयूआई जिला प्रभारी रिषभ सहारे ने बताया कि उच्च प्रतिशत अंक वाले विद्यार्थियों और पहुंचवाले विद्यार्थी तो प्रवेश पा ले रहे है लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के छात्र, छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए परेशान होना पड़ रहा है। चूंकि वह, निजी महाविद्यालय में मोटी फीस देकर पड़ नहीं सकते है, जिसे देखते हुए हमारी मांग है कि जिले के सभी महाविद्यालयो में संचालित संकायो में 50-50 सीटो की बढ़ोत्तरी की जाए, ताकि मध्यम और गरीब परिवारों के छात्र, छात्राएं भी प्रवेश पाकर उच्च शिक्षा हासिल कर सके। उन्होंने बताया कि यदि हमारी मांग को पूरा नहीं किया जाता है तो एनएसयूआई धरना प्रदर्शन और भुख हड़ताल जैसे आंदोलन करेगी। इस दौरान छात्र नेता सुमेद बंसोड़ सहित एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज मनाया जायेगा हरितालिका पर्व

सुहागिन महिलायें एवं कुंवारी युवतियां रखेगी निर्जला व्रत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सुहागन महिलाओं के द्वारा पति की दीर्घायु एवं कुंवारी युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए मनाये जाने वाला हरितालिका पर्व 26 अगस्त को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आस्था के साथ मनाया जायेगा। पर्व की तैयारियों को लेकर महिलाओं के द्वारा एक दिन पूर्व 25 अगस्त को नगर मुख्यालय स्थित मार्केट से पूजन सामग्री, श्रृंगार सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदी की गई जिससे बाजार क्षेत्र में चहल-पहल नजर आई। इस अवसर पर बाजार क्षेत्र में लगी दुकानों से महिलाओं के द्वारा बांस से निर्मित टोकनी, फूलेरा, फूल, बेलपत्ती, नारियल, अगरबत्ती, हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, राम दतुन एवं फलों सहित समस्त सामग्रियों की खरीदी की गई। आपकों बता दे कि हरितालिका पर्व पर सुहागिन महिलाओं व कुंवारी युवतियों के द्वारा निर्जला व निराहार व्रत रखकर फुलेरा सजाया जायेगा एवं भगवान शिव व माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर रतजगा करने के पश्चात दूसरे दिन प्रात: नदी व तालाबों में फुलेरा को विसर्जित किया जायेगा। चर्चा में सुहागन महिलाओं ने बताया कि सुहागन महिलाएं पति की दीर्घायु व कुंवारी युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए हरितालिका व्रत रखते है। जिसमें महिलाओं के द्वारा 24 घंटे का निर्जला व्रत रखकर फूलेरा सजाया जाता है। जिसके बाद रात में भगवान शिव व माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना कर रात्रि में भजन-कीर्तन किया जाता है, जिसके बाद दूसरे दिन प्रात: नदी व तालाबों में फुलेरा का विसर्जन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि इस हरितालिका पर्व का विशेष महत्व है और इस दिन गौरी-शंकर की पूजा का विधान है जिसमें मान्यता है कि हरितालिका तीज का व्रत करने से सुहागिन महिला के पति की उम्र लंबी होती है तथा कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है।

नौनिहालों ने उत्साह और धूमधाम से मनाया तान्हा पोला

नन्हे मुन्ने कृषक बने सबके आकर्षण का केंद्र

नांदी (पद्मेश न्यूज)। कटंगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम नांदी के हनुमान चौक में तान्हा पोला उत्साह और धूमधाम से मनाया गया. यहां पर सालभर खेतों में कड़ी मेहनत करने वाले किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई इस मौके पर ग्रामीणजन अधिक संख्या में उपस्थित रहे.ज्ञात हो कि पोला उत्सव तीन दिनों तक मनाया जाता है. बैलमालिकों द्वारा पोले के पहले दिन बैलों की पूजा अर्चना कर उन्हें आमंत्रण दिया जाता है. तथा दूसरे दिन यानि बडे पोले को हर गांव में उत्सव मनाया जाता है. साथ ही विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. पोला उत्सव के तीसरे दिन तान्हा पोला मनाया जाता है. इस दिन मिट्टी से बने बैलजोडियों की पूजा कर छोटे बच्चे घर-घर मिट्टी के बैल ले जाकर पूजा करते है. तान्हा पोला के उपलक्ष्य में रविवार को हनुमान चौक नांदी में तान्हा पोला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बालकों द्वारा पहनी गई कृषक की वेशभूषा सभी के आकर्षण का केंद्र रही. इस समय किसान श्रीकृष्ण गुजरकर अपने बैलजोडी के साथ उपस्थित थे.ग्रामीण महिला स्वाति अग्रवाल,वर्षा बिसने,भावना चौकसे, ममता गोखे, भूमेश्वरी रुद्रकार, अंजू रायपुरकर, पिंकी रायपुरकर, योगिता धुरई, तेजेश्वरी सोनी, सकून नेवारे, इमला मेश्राम और पुस्तकाला चचानें ने बैलों की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चो ने बैलजोडी हांकते हुए पर्व की खुशियां मनाई. इस सराहनीय उपक्रम की सभी ग्रामीणों ने सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी।

बेलगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बेलगांव के मंडई चौक में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रामीण कृषकों के द्वारा शनिवार को पूर्व से चली आ रही परंपरानुसार पोला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कृषकों ने अपनी बैलजोड़ियों को विभिन्न रंगों से सजाया एवं मुख्य चौक में बैलजोड़ियों को एकत्रित किया गया, तोरन बांधी गई। इस दौरान ग्राम सरपंच डॉ. अरविंद पंचेश्वर के द्वारा किसानों का तिलकवंदन कर पशुपालकों को गमछा भेंट किया गया। जिसके बाद बैलों के सिर पर कपारी बांधा तत्पश्चात झड़तियां बोली गई जिस पर कृषकों व उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा तालियां बजाते हुए अभिनंदन किया गया एवं बैलजोड़ियों को विपरीत दिशा में दौड़ाया गया। वहीं पोला-पाटन पर्व के दुसरे दिन रविवार को नारबोद का पर्व मनाया गया। चर्चा में सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि यह पोला पर्व विशेष रूप से किसानों व उनके पशुओं का पर्व है, जो कृषि कार्य होने के बाद मनाया जाता है। साथ ही यह भी बताया कि पोला पर्व पर किसानों के द्वारा बैलों को सजाकर व्यंजन बनाकर उनकी पूजा अर्चना की जाती है क्योंकि बैलों की मदद से ही किसान अपने सभी तरह के कृषि कार्य करता है। इसलिए बैल के प्रति अपना प्रेम व सम्मान प्रकट करने एवं उनका आभार व्यक्त करने के लिए पोला का पर्व किसानों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाकर खुशियां मनाई जाती है। साथ ही पोला पाटन पर्व के अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर सरपंच अरविंद पंचेश्वर, मोहनदास माने, मोतीलाल माने, यदुराम पंचेश्वर, गोकुल बाहेश्वर, बेनीराम माने, खेमन माने, तिलक सिंघई, बिस्तेराम बाहेश्वर, नेमन लांझेवार, कुंजीलाल दाने, गोविन्द राम कोसरे, बाबूलाल नागौसे, गिरधारी आमाडारे, उमेश ठाकरे, जोसीराम, कृष्णा सिंघई, मेहतर नेवारे, पंडा बाबा, हुकुमचंद गाड़ेश्वर, अनिल सिंघई, अशोक पांचे, बंटी बाहेश्वर, अरविन्द बोरकर, देवदास बोरकर, इसनाजी शेंडे, डीमर सिंघई सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

यादव समाज संगठन ने पांढरवानी सरपंच को सौंपा ज्ञापन

खिलिया मुठ्िया (गौठान) देव स्थल में सभामंच निर्माण करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। यादव समाज संगठन लालबर्रा के पदाधिकारी 25 अगस्त की शाम 5 बजे ग्राम पंचायत पांढरवानी पहुंचकर सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के सामने एवं सामुदायिक भवन के समीप स्थित खिलिया मुठ्िया देव स्थल में सभामंच का निर्माण करवाने की मांग की है। चर्चा में यादव समाज संगठन जिलाध्यक्ष गुलाब यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत सांदीपनी स्कूल के सामने खिलिया मुठ्िया देवस्थल है जहां प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के अवसर पर गाय खिलावन की रस्म अदा की जाती है। लेकिन इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के साथ ही अन्य लोगों को बैठालकर उनका सम्मान करने के लिए बैठक व्यवस्था नही होने से परेशानी होती है। श्री यादव ने बताया कि गत दिवस श्रीकृष्ण जन्मोष्टमी पर्व के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भी आयोजन किया गया था। लेकिन सभामंच नही होने से परेशानी हुई है। इसलिए उक्त स्थान पर सभामंच की अति आवश्यकता है। आगे बताया कि सोमवार को पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपकर खिलिया मुठ्िया देव स्थल लालबर्रा में सभामंच का निर्माण करवाने की मांग की है और सभामंच बन जाने से दीपावली सहित अन्य पर्व में यादव समाज को कार्यक्रम आयोजित करवाने में सुविधा होगी और सरपंच महोदय ने सभामंच निर्माण हेतु आश्वास्त किया है। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि यादव समाज के लोगों के द्वारा खिलिया मुठ्िया देवस्थल में सभामंच का निर्माण करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। इस संबंध में विधायक महोदय को अवगत करवाया जायेगा और यादव समाज को पंचायत का पूरा सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर यादव समाज जिलाध्यक्ष गुलाब यादव, लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव, कृष्णा लरहे, इबुकलाल लरहे, टेकचंद यादव, जितेन्द्र यादव, राकेश यादव, संतोष यादव, बसंत यादव, दीपक यादव, रायाबाई यादव, ममताबाई यादव, महेश यादव, गणेश यादव, श्यामू यादव, ब्रजेश यादव, अशोक यादव, उमेद यादव, राजकुमार यादव, दीपक यादव, सोमदत्त यादव, सुरेन्द्र यादव, अरूण यादव, उत्तम यादव, संतोष यादव, अशोक यादव सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की सूझ-बूझ से बकरा-बकरी चोर गिरोह को पुलिस ने पकड़कर की कार्यवाही

सोशल मीडिया के माध्यम से मिली सफलता, बकोड़ा से चोरी कर धारना में चोर बेच रहे थे

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बकोड़ा निवासी जितेंद्र दांदरे के घर से पालतु बकरे को बीती रात्रि में अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया था। जिसके बाद पशु मालिक के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से बकरे चोरी हो जाने के संबंध में फोटो डाली गई थी एवं पुलिस को सोमवार को रविवार की रात में बकरा चोरी होने की सूचना दे दी गई थी। वहीं सोशल मीडिया में प्रसारित बकरा चोरी की सूचना व फोटो के बाद सिवनी जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम धारना में 25 अगस्त को कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा जितेन्द्र दांदरे के घर से चोरी की गई बकरे को बेचते हुए देखा गया। जिसके बाद उपस्थित लोगों के द्वारा सोशल मीडिया में प्रसारित हो रहे बकरे की तस्वीर और उनके द्वारा बेचे जा रहे है बकरे की स्थिति सामान दिखाई दी। जिसके बाद जितेन्द्र दांदरे को सूचना दी गई और धारना के लोगों ने बकरा चोरी कर बेचने वालों को पकड़कर रखा। जिसके बाद बकरा चोरी करने वाले 4 युवक एवं बकरे को लेकर चौपहिया वाहन से लालबर्रा थाना लेकर आये और रिपोर्ट दर्ज करवाकर बकरा चोरी करने वाले 4 युवकों पर पुलिस प्रशासन से कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं बकरे चोरी करने में चौपहिया वाहन का भी उपयोग किया गया है। साथ ही बकरी चोर गिरोह के पकड़ाने के बाद लोगों का कहना है कि इसके पूर्व में भी उनके घरों से बकरा-बकरी की अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की गई है। जिससे ऐसा लग रहा है कि इन्ही लोगों के द्वारा चोरी की गई होगी। जो लोग पुलिस के गिरफ्त में है उनसे कड़ाई से पुछताछ की जाती है तो बकरा-बकरी चोरी के बड़े गिरोह का खुलासा हो सकता है। बकरा मालिक जितेन्द्र दांदरे की शिकायत पर पुलिस ने बकरा चोरी करने वाले चार युवकों को अभिरक्षा में रखकर पुछताछ कर रही है। वहीं पुलिस का कहना है कि जिन लोगों को बकरा चोरी के आरोप में धारना से पकड़कर थाना लाया गया है उनसे पूछताछ की जा रही है।

रात 1 बजे चोरी हुआ था बकरा - जितेन्द्र

पशु मालिक जितेंद्र दांदरे ने बताया कि रविवार की रात में खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग सो गये थे एवं रात करीब 1 बजे गाय का बछड़ा छुटा हुआ था और आवाज लगाने लगा। जिसकी आवाज सुनकर जब हम उठे

तो मवेशी बांधने के कोठे से बकरा गायब था। जिसकी आसपास पतासाजी किये परन्तु पता नही चला, जिससे हमें संदेह हुआ कि रात 12 से 1 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने बकरा चोरी कर फरार हो गये है। श्री खान ने बताया कि बकरे की कीमत करीब 30 से 35 हजार रूपये है एवं सोमवार को सुबह सोशल मीडिया ग्रुप में बकरे की फोटो पोस्ट कर चोरी हो जाने के संबंध में जानकारी प्रसारित की गई थी। जिससे हमें जानकारी मिली कि धारना में कुछ लोग हमारे बकरे को बेच रहे है और धारना के ग्रामीणों की सूझ-बूझ से बकरा चोरी कर बेचने वालों को पकड़ लिया गया। जिसके बाद उन्हे लालबर्रा थाना लाकर पुलिस के हवाले कर दिया गया है एवं पुलिस प्रशासन से मांग है कि उन पर सख्त कार्यवाही करें।

अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़

प्रसुति महिलाओं की जांच करने नहीं आई महिला चिकित्सक

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। नगर सहित ग्रामीण इलाकों में मौसम जनित बीमारियों के कारण मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है. जिस कारण कटंगी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर और अंदर मरीजों की कतार अपना उपचार कराने के लिए लगी हुई है. इधर, अस्पताल के हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे है. अस्पताल में चिकित्सकों की कमी से मरीजों के हाल-बेहाल है. खासतौर पर महिला चिकित्सक के ना होने से प्रसूति महिलाओं को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है. सोमवार को इसका बड़ा उदाहरण देखने को मिला. दरअसल, सोमवार को महिला चिकित्सक डॉ स्वाति मेश्राम प्रसूति महिलाओं की जांच करने के लिए बालाघाट से कटंगी नहीं आई. जिसके चलते जांच कराने के लिए आने वाले प्रसूति महिलाओं को परशोनियों से दो-चार होना पड़ गया. उन्हें अस्पताल के अंदर और बाहर महिला चिकित्सक के आने का इंतजार करते हुए देखा गया. हालांकि जब उनके कटंगी नहीं आने की जानकारी बीएमओ तक पहुंची तो उन्होंने आनन-फानन में सिरपुर अस्पताल से महिला चिकित्सक डॉ लक्ष्मी चौधरी को कटंगी बुलाया गया तब कहीं जाकर महिलाओं की जांच शुरू हो पाई और प्रसूति महिलाओं ने राहत की सांस ली। सोमवार को सरकारी अस्पताल में एक और घटना हुई किसी मरीज ने डॉ भूपेन्द्र गजभिए के साथ जमकर बहस कर ली. मरीज के व्यवहार से आहत होकर डॉ गजभिए ने ओपीडी छोड़ दी और अस्पताल से बाहर चले गए. बताया जा रहा है अस्पताल में बिना पैरों वाला कोई दिव्यांग मरीज अपना उपचार करवाने के लिए आया था. स्वास्थ्य कर्मियों ने मानवता का परिचय देते हुए दिव्यांग मरीज को वरियता देते हुए डॉ गजभिए ने पास पहुंचाया डॉक्टर ने दिव्यांग का उपचार किया लेकिन यह बात कतार में खड़े एक शख्स को इतनी नागवार गुजरी की वह डॉक्टर गजभिए पर ही बरस पड़ा. जिसके बाद डॉ गजभिए ओपीडी छोड़कर चले गए. बता दें शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण सोमवार को अस्पताल में एकाएक मरीजों की संख्या बढ़ गई। गौरतलब हो कि डॉ भूपेन्द्र गजभिए की मूल पदस्थापना आयुष्मान आरोग्य मंदिर बम्हनी में है लेकिन उन्हें कटंगी अस्पताल में अटैच कर रखा गया है. बीएमओ डॉ पंकज दूबे के अनुसार सीएचओ ने उन्हें कटंगी में अटैच कर रखा है जबकि कटंगी के ही एक कर्मचारी एक बैठक में जानकारी देते है कि डॉ गजभिए बम्हनी में पदस्थ है. बम्हनी अस्पताल में हाल ही में एक प्रसूति आदिवासी महिला को समय पर उपचार नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद महदुली के चिकित्सक को बम्हनी अस्पताल अटैच किया गया है. इस घटना के बाद भी डॉ भूपेन्द्र गजभिए को बम्हनी अस्पताल नहीं भेजा गया है।

आज मनाया जायेगा हरतालिका तीजा पर्व

नगर में सजी फुलेरा की दुकाने महिलाओं ने की खरीदी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सुहागिन महिलाओं ने पति की दीघार्यु के लिये मनाये जाने वाला हरतालिका तीजा पर्व २६ अगस्त को नगर सहित क्षेत्र में मनाया जायेगा। इस दौरान नगर के बाजार में फुलेरा, टोकनी, सुहाग सहित पूजा की अन्य सामग्री की दुकानें सज गई है। हालांकि त्यौहार के पूर्व का दिन होने की वजह से २५ अगस्त को बाजार में अच्छा व्यापार रहा। जिसकी वजह से दुकानदारों में भी खुशी देखी गई लेकिन उनका कहना है कि व्यवसाय सामन्य हैं।

सुहागिन महिलाऐं रखती है व्रत

तीजा पर्व सुहागिन महिलाऐं रखती है। जो भगवान शिव पार्वती की पूजा कर नदी की रेत से उनका निर्माण कर फुलेरा बांधती है। सुहागिन महिलाओं को वान देकर जिसमें सभी प्रकार की सुहागिन सामग्री शामिल रहती है उसे भेंट कर निर्जला उपवास रखती है। महिलायें भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा अर्चना करती है ,वहीं प्रात:काल इसका विसर्जन कर निर्जला उपवास तोडकर अन्न व जल का सेवन करती है। इस दौरान पूजा में जरूरी टोकनी, फुलेरा, सुहागिन महिलाओं की सामग्री के साथ अन्य वस्तुओं की आवश्यकता रहती है। जिसकी खरीदी महिलाओं के द्वारा बाजार में घूम कर विभिन्न स्थानों पर सजी दुकानों से की गई।

महिलाओं में तीजा पर्व रखता है खासा महत्तव

हिंदू संस्कृति में तीजा पर्व का खासा महत्तव माना जाता है। प्राय: सभी महिलाओं द्वारा यह उपवास रखा जाता है। पति की दीघार्यु के लिये रखे जाने वाला यह व्रत काफी महत्तव माना जाता है। नगर सहित क्षेत्र में इस पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। इसमें भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि हरतालिका तीज का व्रत २६ अगस्त को रखा जाएगा। दिन में पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह ५ बजकर ५६ मिनट से लेकर सुबह ८ बजकर ३१ मिनट तक का बताया जा रहा है। शाम की पूजा का शुभ मुहूर्त प्रदोष काल पूजा का समय शाम ५.४० बजे से शाम ७.५ बजे तक का बताया जा रहा हैं।

सिध्दांत दमाहे पर परिवार वालो ने लगाया चोरी का आरोप

पुलिस ने किया अपराध कायम, युवक ने 4 मकानों से की 8 लाख रूपये के सोने चांदी के जेवर चोरी रखा गिरवी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी निवासी गजेंद्र दमाहे ने सिद्धांत दमाहे के ऊपर परिवार के मकानो से करीब आठ लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर गिरवी रखने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी गजेन्द पिता धन्नालाल दमाहे उम्र ५२ वर्ष निवासी वार्ड नं.०३ कायदी ने थाना वारासिवनी में शिकायत दर्ज करवाई है कि ७ अगस्त को मेरे घर से मेरा बेटा अभिषेक दमाहे ,राजेन्द्र दमाहे के घर से उनकी पत्नी दीपिका दमाहे व्यास पंजाब राधास्वामी सत्संग के लिये गये थे। २५ अगस्त की सुबह करीबन ६ बजे सभी लोग घर आयें। सभी लोग घर पर बैठे थे तभी सिद्धांत दमाहे की माँ सुनीता दमाहे आयी और बोली की मेरे घर में चोरी हो गयी है। किसी अज्ञात चोर के द्वारा उनके सोने का मगलसूत्र, १० मनी एवं सोने का छुमका जेवरात चोरी कर लिया गया है। फिर मेरी पत्नि धनेश्वरी दमाहे ने अलमारी में देखा तो बोलने लगी कि अलमारी में रखे जेवरात सोने का हार एवं चाँदी की पायल नहीं थी। उसके बाद मेरा छोटा भाई राजेन्द्र दमाहे ने अपने घर की अलमारी में देखा तो अलमारी में रखे जेवरात सोने का हार, झुमके, टाप्स.१ नग अंगूठी, १ नथ, गले का लंबा हार, चाँदी की पायल एवं कर्दन एवं ३६००० रुपये भी नहीं थे। उसके बाद देवेन्द्र दमाहे ने भी घर की अलमारी में चेक किया तो उनके घर से भी जेवरात में सोने का हार एवं २५००० रुपये नहीं थे। हम सभी लोगो ने घर की सभी जगह तलाश किया लेकिन पता नहीं चला जब सिद्धांत के कमरे में तलाश किया तो वहां विभिन्न स्थानों पर यह आभूषण गिरवी रखने की रसीदे मिली है। जब हमने सिद्धांत से पूछताछ किया तो सिद्धांत ने घरो की अलमारी से ताला खोलकर चोरी करना और आभूषणो को गिरवी रखने की बात बताया। हम सभी का चोरी गया कुल मसल्का कीमती करीबन ८ लाख रुपये है। पुलिस ने मामले में प्रार्थी गजेन्द्र दमाहे की शिकायत पर सिद्धांत पिता स्व. सुरेन्द्र दमाहे उम्र १९ वर्ष वार्ड नं. ३ कायदी निवासी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा ३०५ ए के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल, उपचार जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कायदी के बनियाटोला के समीप २५ अगस्त की शाम करीब ६.३० बजे सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका उपचार सिविल अस्पताल में उपचार जारी है। उक्त व्यक्ति की पहचान वर्तमान तक अज्ञात है जिसे पता किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई थी इसमें बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति का साथी मौके से फरार हो गया। तो वहीं सफेद शर्ट और ब्लैक जींस पहनना करीब ३० वर्षीय व्यक्ति मौके पर घायल पड़ा हुआ था। इसी दौरान सिविल अस्पताल के कर्मचारी के द्वारा देखा गया कि एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल होकर सडक पर पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना तत्काल संजीवनी १०८ को दी गई जिसकी मदद से उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। जहां उसका उपचार जारी है तो वहीं अस्पताल तहरीर अज्ञात व्यक्ति की थाना वारासिवनी को भेज दी गई है। इसी दौरान उसकी पहचान के लिए जांच की गई तो जेब से नकद रुपये और मोटरसाइकिल की चाबी बरामद हुई है। इसके अलावा मोबाइल या आधार कार्ड जैसा कुछ भी प्राप्त नहीं हो पाया जिससे वह व्यक्ति अज्ञात बना हुआ है।

26 अगस्त को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों के दौरान जिले में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाये रखने की दृष्टि से 25 अगस्त को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया था, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए 26 अगस्त को किया जाना तय किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 26 अगस्त को यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपरान्ह 03:30 बजे से प्रारंभ होगी। शांति समिति की बैठक में 27 अगस्त को गणेश उत्सव, 22 सितम्बर को दुर्गा उत्सव, 02 अक्टूबर को दशहरा, 07 अक्टूबर को महर्षि वाल्मिकी जयंती, 20 अक्टूबर को दीपावली, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती व गुरूनानक जयंती तथा 25 दिसंबर को क्रिसमस दिवस के त्यौहारों के आयोजन को लेकर चर्चा की जायेगी। बैठक में शांति समिति के सदस्यों को उपस्थित रहने के लिए सूचना भेज दी गई है। इसके साथ ही बालाघाट एसडीएम, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार एवं कोतवाली व यातायात थाना प्रभारी को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

एसएसपी महाविद्यालय के प्राचार्य को विद्यार्थियों ने को सौंपा ज्ञापन

विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में सीट आवंटन बढ़ाने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी के छात्र.छात्राओं के द्वारा २५ अगस्त को महाविद्यालय प्राचार्य के नाम का ज्ञापन डॉ एस एस गेड़ाम को सौंप कर महाविद्यालय में सीट वृद्धि करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि वारासिवनी क्षेत्र का यह एक बड़ा महाविद्यालय है जहां पर वारासिवनी,खैरलाँजी, लालबर्रा ,कटंगी सहित विभिन्न क्षेत्र के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में विद्यार्थी शिक्षा अध्ययन करने के लिए आते हैं। स्थानीय महाविद्यालय में पर्याप्त कोर्स ना होने पर वह वारासिवनी महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं। वर्तमान में शायद ई प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हो गयी है जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र के मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों पर पढ़ रहा है। क्योंकि प्रक्रिया में विभिन्न वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो अच्छे प्रतिशत प्राप्त किए थे उनके द्वारा प्रवेश प्राप्त कर लिया गया है। किंतु क्षेत्र के कुछ ऐसे मध्यम वर्ग के विद्यार्थी आज भी प्रवेश के लिए संघर्ष कर रहे है। क्योंकि स्थानीय महाविद्यालय की सीट खाली नहीं बताई जा रही है। जिससे उनका वर्ष खराब होने की संभावना बनी हुई है इस परिस्थिति में महाविद्यालय को अपनी सीट में वृद्धि करनी चाहिए। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे विद्यार्थी जो छूट गए हैं उन्हें प्रवेश मिल सके क्योंकि ऐसे कई विद्यार्थी है जो छूट चुके है। वहीं विश्वविद्यालय ने भी प्रवेश संपन्न कर लिए हैं। इसलिए हम चाह रहे हैं कि ऐसे विद्यार्थियों को अपना वर्ष बर्बाद ना करना पड़े महाविद्यालय अपने यहां स्नातक और स्नातकोत्तर के समस्त संकायों की सीट में वृद्धि करें ताकि उसका सीधा लाभ क्षेत्र के छूट चुके प्रतिभावान छात्रों को मिल सके। इस अवसर पर सुमेध बंसोड़ ,ऋषभ सहारे ,शुभम, राहुल जामरे ,आलोक ,अक्षांश ,संगम चौधरी ,महेंद्र नागेश्वर ,अंकुर मिश्रा ,नेहा कटरे ,साक्ष ठाकरे सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की मांगे पूरी नही हुई तो धरना प्रदर्शन आंदोलन करेंगे-ऋषभ सहारे

ऋषभ सहारे ने बताया कि वारासिवनी महाविद्यालय में सीट बढ़ाने हमने ज्ञापन देने के लिए आए हुए थे। महाविद्यालय में जितने प्रवेश हुए हैं उसमें अभी पोर्टल चालू हुआ है अच्छे प्रतिशत वालों का प्रवेश हो चुका है कई बड़े लोगों ने भी अपना प्रवेश करवा लिए हैं। मध्यम वर्ग के कई विद्यार्थी छूट चुके हैं जिनके लिए हर विभाग में ५०-५० सीट बढ़ाई जानी चाहिए ताकि उनका भविष्य अंधकार में ना हो। जिले के हर महाविद्यालय में यह सीट बढ़नी चाहिए यही मांग करने हम यहां आए थे यदि मांगे पूरी नहीं होती है तो हम धरना प्रदर्शन आंदोलन करेंगे।

जो विद्यार्थी एडमीशन से वंचित हो चुके हैं उनके लिये सीट वृद्धि होनी चाहिए-सुमेध बंसोड़

सुमेध बंसोड़ ने बताया कि बीए ,बीएससी ,बीकॉम में प्रवेश से कई विद्यार्थी वंचित हो चुके हैं सीट वृद्धि होनी चाहिए। यह छात्र मध्यम वर्ग से आते हैं बड़े महाविद्यालय और प्राइवेट संस्थानों में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय में प्रवेश बंद कर दिया है कई छात्र वंचित हो गए की सीट पर्याप्त नहीं थी। सभी महाविद्यालय में यह बढ़ानी चाहिए विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल पा रहा है जिस कारण वह गलत रास्ता चुन रहे हैं। बीच में प्रवेश नही मिलने से एक आत्महत्या का प्रकरण आया था। जिसमें शासकीय महाविद्यालय के द्वारा रुपये की डिमांड की गई थी वह गरीब होने के कारण प्रवेश नहीं मिला और आत्महत्या करनी पड़ी। ऐसा किसी और विद्यार्थी के साथ ना हो इसका ध्यान शासन प्रशासन को रखना चाहिए सीट बढ़ाई जाए सभी को प्रवेश मिलना चाहिए।

बाबा रामदेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हवन पूजन व महाप्रसादी का हुआ वितरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित प्राचीन रामदेव बाबा मंदिर में दो दिवसीय श्रीकृष्णावतार बाबा रामदेव जन्मोत्सव समारोह का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। यह जन्मोत्सव २५ अगस्त को हवन पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। मंदिर में बाबा रामदेव का जन्मोत्सव रामदेव बाबा भक्त मंडल के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें २४ अगस्त की रात्रि ७ बजे बाबा की महाआरती पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें बालाघाट से पहुंचे भजन प्रवाहक अंकित शर्मा ,दीपिका आनंद के द्वारा शानदार संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी गयी। जिसमें उपस्थित जानो ने जमकर आनंद मनाया व नृत्य भी किया जो देर रात तक चलता रहा। फिर दूसरे दिन २५ अगस्त को प्रात:काल बाबा का श्रृंगार कर रामदेव बाबा की मूर्ति का अभिषेक किया गया एवं दोपहर १२ बजे पं. लक्ष्मीकांत मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्रो से उच्चारण कर हवन.पूजन संपन्न करवाया गया। जिसमें सैकड़ो भक्तजनों ने उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित किये। तत्पश्चात महाआरती कर महाप्रसादी वितरण किया गया। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिगीतों से गुंजमान्य होता रहा। पद्मेश से चर्चा में मंडल सदस्य संतोष चौहान ने बताया कि श्रीकृष्णावतार बाबा रामदेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया है जिसमें विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह दो दिवसीय किया गया जिसमें पहले दिन भजन संध्या की गई व अगले दिन सुबह श्रृंगार, अभिषेक हवन.पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ जन्मोत्सव का समापन किया गया। श्रीकृष्णावतार बाबा रामदेव है और राजस्थान में इनकी मान्यता अधिक है। इन्हे कृष्ण अवतार माना जाता है और वारासिवनी में इनकी मंदिर जो १०० वर्ष पुराना है। रामदेवरा में जहां रामदेव बाबा का स्थान है वहां भी ५ नीम के पेड़ है और यह भी रामदेव बाबा मंदिर में ५ नीम के पेड़ है। इस मंदिर में जो भी भक्तजन आस्था के साथ पूजा.पाठ करता है उसकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। इस अवसर पर रामदेव बाबा भक्त मंडल सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कारंजा में धूमधाम से मनाया गया तान्हा पोला

विधायक राजकुमार ने बच्चों को किया पुरस्कृत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम कारंजा में श्रीराम हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चों की प्रतियोगिता कराकर कान्हा पोला मनाया गया। 24 अगस्त को शाम 5 बजे हनुमान मंदिर के सामने विधायक राजकुमार कर्राहे एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 1 से 7 वर्ष उम्र के नन्हें मुन्ने बच्चे आकर्षक परिधान में सज धज कर व अपने साथ लकड़ी के नांदिया को भी आकर्षक रूप से सजाकर प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे। यहां निर्णायक मंडल द्वारा बच्चों की वेशभूषा, नांदिया की सजावट आदि को देख कर प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय का चयन किया गया। विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा सभी को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में निलेश शिवणकर उपसरपंच, भारती चुटे जनपद सदस्य, नानीकराम मेंगरे, सहदेव नंदनवार, युवराज दहीकर, रमेश नंदनवार, श्यामराव राखड़े, हेमराज चौहान, ईश्वरदास बनोठे, बेंजामिन सर, भागवत फुण्डे, युवराज बुरांडे व समिति के सभी सदस्य, व गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मदर टेरेसा- गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दु:ख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया। 18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ। कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की नि:स्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही। उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्राय: शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दु:ख अनुभव किया।

सफलता का सिद्धांत-कम बोलिए सोच समझ कर बोलिए ऐसे शब्द बोलिए कि सामने वाला इंप्रेस हो जाए

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरी दुनियाँ में बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है, क्योंकि यह आवाज 142.6 करोड़ जनसांख्यिकीयतंत्र की आवा? होती है इसलिए पूरी दुनियाँ के प्रमुख व्यक्तित्व गंभीरता से भारत के बयानों पर ध्यान देकर उसका उचित विवेकपूर्ण मंथन कर सकारात्मक समझ निकालते हैं।हालांकि अपवाद स्वरूप कुछ देश ऐसे भी हैं जो भारत की बातों को विवादों में भी ले जाने की कोशिश करते हैं। हम भारत माता के वंशज हैं। संस्कृति, सभ्यता हमारे लहू में समाई हुई है। हम दैनिक जीवन में भी अपनी राय बेबाकी से रखने में विश्वास रखते हैं क्योंकि हम लोकतंत्र की छत्रछाया में रहने के आदी हैं, परंतु हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो अपनी राय बनाने में गंभीर नहीं हैं बिना सोचे समझे बयान बाजी, राय देना सलाह देना, किसी भी बात का नकारात्मक मतलब निकालना, बिना बात के झगड़ा बढ़ाना, सहनशीलता संवेदनशीलता और सहिष्णुता की कमी के कारण जीवन में छोटी-छोटी बातों का परिणाम विभित्सक रूप धारण कर लेता है जिससे हमारी जान के लाले भी पड़ जाते हैं इसलिए हमें चाहिए कि किसी भी विषय वस्तु, बात,स्थिति पर अपनी राय बनाते,शब्दों का चयन करते द्य समय विवेकपूर्ण हाजर मंथन कर उस बात को रखना अपेक्षाकृत सटीक होगा, उस राय की सटीकता का विचार भी कुछ पलों में कर नपी तुली समझ का परिचय देना जरूरी है। चूंकि हम वैश्विक स्तरपर भारत की राय और भारत माता के सपूतों की राय प्रकट करने की बात कर रहे हैं, इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ सोच समझकर अपनी राय बनाए, वाणी बोले।

साथियों बात अगर हम अनेक मुद्दों पर मनीषियों की राय की करें तो दरअसल, हर मुद्दे को लेकर सबकी राय अलग अलग होती है, ऐसे में कई लोग सही तरह से राय व्यक्त न कर पाने के कारण भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं, तो कुछ लोग दिलचस्प तरीके से अपनी बात रखकर भीड़ से अलग पहचान बनाने में कामयाब हो जाते हैं,आमतौर पर हर चीज को लेकर सभी लोगों कि अपनी अपनी राय होती हैं, ऐसे में ज्यादातर लोग नुक्कड़ पर राजनीतिक चर्चा से लेकर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और घरेलू मामलों में अपनी राय देने से पीछे नहीं हटते हैं। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों की राय भीड़ से बिल्कुल अलग होती है. वहीं अगर हम चाहें तो कुछ इंप्रेसिव तरीकों से अपनी राय को सबसे अलग बना सकते हैं।

साथियों कई बार जल्दी जल्दी में राय देने के चक्कर में हम अपनी बात को सही तरीके से पेश नहीं कर पाते हैं, ऐसे में न सिर्फ हम सामने वाले को अपनी बात समझाने में असफल हो जाते हैं बल्कि सामने बैठे लोग हमारी बात का गलत मतलब भी निकाल सकते हैं, इसलिए हमें अपनी राय रखने से पहले शब्दों का चुनाव काफी सोच-समझ कर ही करना है। वैसे तो हर मुद्दे पर सभी का अलग राय होती है, वहीं राय सही या गलत भी हो सकती है, मगर राय रखते समय कई लोग अपनी बात को इतने खास अंदाज में बयां करते हैं कि हम चाहकर भी उनकी बात का विरोध नहीं कर पाते हैं। हालांकि, अगर हम चाहें तो राय देने के इस दिलचस्प तरीके को अपनी व्यक्तित्व में भी शामिल कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राय देने में शब्दों के चयन की करें तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी हमें शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए, चाहे किसी से बात करने के क्रम में हो या किसी समारोह में या किसी वाद विवाद में। ऐसा माना जाता है कि हथियार या चोट के घाव तो भर जाते हैं पर शब्दों के घाव हमेशा ताजा रहते हैं। किसी मित्र की टांग खिंचाई में बड़ा मजा आता है पर ऐसा करने में हम इतने मशगूल हो जाते हैं कि कुछ अनचाहा कह जाते हैं। कुछ ऐसा ही क्रोध के समय भी होता है। इसीलिए क्रोध के समय अप्रिय बातें करने से बचना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी को सलाह दी जाए तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि हमारे शब्दों से उसके आत्मसम्मान को ठेस ना पहुंचे। यदि सही शब्दों का चयन किया जाए तो आदेश भी निवेदन लगेगा और बिना किसी के अहम को ठेस पहुंचे सब का काम हो जाएगा।

साथियों इसके साथ ही हमें अपने कहे गए शब्दों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। चाहे अनचाहे यदि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हो तो हमें उन बातों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, ना कि तरह-तरह के बहाने बनाकर अपनी बातों को सिद्ध करना चाहिए। ऐसा करके हम अनावश्यक बहस से निजात पा सकेंगे और सामने वाले के मन में भी सम्मान के पात्र बनेंगे। वास्तव में हमारे शब्द हमारे हृदय की प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। अब यह हमारे ऊपर है कि हम इस प्रेम को संसार में लुटाएं या प्रेम की जगह घृणा फैलाएं। प्रेम पूर्वक की गई आलोचना किसी को सही मार्ग पर ला सकती है या अप्रिय शब्दों से युक्त अच्छी सलाह उसे गलत रास्ते को चुनने की ओर प्रेरित कर सकती है। इसलिए हमें शब्दों के खजाने को निरंतर बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि इनका प्रयोग संसार में खुशियां बांटने में किया जा सके।अतएव सोच समझकर शब्दों का चयन करें।

साथियों बात अगर हम अपनी राय शाब्दिक अभिव्यक्ति के बाद तीसरे सबसे कीमती सोने पर सुहागा वाणी की करें तो, कबीर दास जी का यह दोहा और उसका अर्थ सबने सुना होगा, ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय,औरन को शीतल करे आपहुं शीतल होय,हम सब इसका अर्थ भी जानते हैं पर हम में से ऐसे कितने हैं जो इन पर अपनी मौजूदा जिंदगी में अमल करते हैं। यह सिर्फ एक दोहा नहीं है,एक फिलॉसफी है कि हम अपने शब्द का चुनाव सोच समझकर करें। आखिर शब्द ही हैं जो दोस्त को दुश्मन और दुश्मन को दोस्त बनाने की काबिलियत रखते हैं। द्रौपदी के कहे तीखे शब्द, जो उसने दुर्योधन को कहे, महाभारत के युद्ध का एक कारण बने। दूसरी तरफ दुर्योधन के शब्दों ने कर्ण को अपना मित्र बना लिया। यह दिखाता है कि किस प्रकार शब्द अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हम बिना सोचे-समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं, क्या यह कहना इतना आसान होता है, बिना यह जाने कि पूरी बात क्या है?

साथियों एक प्रख्यात कहावत के कुछ इस तरह बोल हैंःशब्द तीर की तरह होते हैं, एक बार जुबान की कमान से निकल गए तो आप उन्हें दोबारा वापिस नहीं ले सकतें।हम बिना सोचे समझे किसी की बात को गलत कह देते हैं- आखिर क्यों क्योंकि हम समझने के लिए नहीं बल्कि प्रतिक्रिया देने के लिए सुनते हैं। हम मन ही मन धारणाएं बना लेते हैं और हमारी प्रतिक्रियाओं के साथ तैयार होते हैं। हम सामने वाले की बातों को समझकर नहीं सुनते। और इसकी कई वजहें हैं जिनके बारे में मैं इस उत्तर में नहीं समझा सकतीं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किसलता का सिद्धांत-कम बोलिए सोच समझ कर बोलिए ऐसे शब्द बोलिए कि सामने वाला इंप्रेस हो जाए किसी भी विषय वस्तु पर अपनी राय बनाते, शब्दों का चयन करते समय विवेकपूर्ण हाजिर मंथन जरूरी है। जीवन में छोटी-छोटी बातें विभित्सक रूप धारण कर सकती है इसलिए निर्णय से पहले सटीकता परखना जरूरी है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

समुद्र के गर्भ से सत्य को बाहर लाने वाला सर्वेक्षण प्रहरी है 'इक्षक'

भारतीय नौसेना की बढ़ती सामरिक क्षमताओं और समुद्री प्रभुत्व को सुदृढ़ करने की दिशा में उस समय एक और मील का पत्थर जुड़ गया, जब स्वदेशी तकनीक से निर्मित आधुनिकतम सर्वेक्षण पोत (एसवीएल) 'इक्षक' को आधिकारिक रूप से नौसेना को सौंप दिया गया। 'इक्षक' का अर्थ है 'मार्गदर्शक' और यह नाम अपने आप में प्रतीकात्मक है क्योंकि इस जहाज का मूल उद्देश्य ही समुद्री मार्गों, नौवहन चैनलों तथा गहरे समुद्री क्षेत्रों का सटीक सर्वेक्षण कर मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह पोत भारतीय नौसेना के लिए न केवल सामरिक दृष्टि से बल्कि तकनीकी और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया यह पोत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) कोलकाता में निर्मित हुआ है। जीआरएसई द्वारा निर्मित यह 802वां जहाज और 113वां युद्धपोत है। इससे पहले इस श्रेणी के दो पोत 'आईएनएस संध्याक' और 'आईएनएस निर्देशक' क्रमश: दिसंबर 2023 और अक्टूबर 2024 में नौसेना को सौंपे गए थे। चार पोतों की इस श्रृंखला में 'इक्षक' तीसरा पोत है जबकि चौथा पोत अगले वर्ष तक नौसेना में सम्मिलित होने की संभावना है। 'इक्षक' की नींव 6 अगस्त 2021 को रखी गई थी और इसे 26 नवंबर 2022 को लांच किया गया था। निर्माण से लेकर डिलीवरी तक इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और सामग्री का उपयोग किया गया है। यह आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि भारत अब महत्त्वपूर्ण समुद्री प्लेटफार्मों को विदेशी निर्भरता के बजाय स्वदेशी संसाधनों से निर्मित करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 'इक्षक' की डिलीवरी 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक ठोस प्रमाण है। इस पोत के निर्माण में बड़ी संख्या में भारतीय उद्योग, एमएसएमई और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं ने सक्रिय योगदान दिया, जिससे न केवल रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बल मिला बल्कि देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रोत्साहन मिला। 'इक्षक' का विस्थापन लगभग 3400 टन है और इसकी कुल लंबाई 110 मीटर है। यह आकार इसे अपनी श्रेणी का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत बनाता है। यह पोत उन्नत हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान संबंधी अनुसंधान कार्यों को संपन्न करने के लिए आवश्यक स्थिरता और क्षमता प्रदान करता है। इस पोत का ढ़ांचा आधुनिक एकीकृत निर्माण तकनीक से निर्मित किया गया है, जो मजबूती और टिकाऊपन सुनिश्चित करता है। भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों का पालन करते हुए इसका डिजाइन तैयार किया गया है। 'इक्षक' अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से सुसज्जित है, जिनमें समुद्र की गहराईयों और तलछट की उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़े संकलित कर उनका डिजिटल विश्लेषण करने के लिए डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण प्रणाली, बिना मानवीय चालक के गहरे पानी में विस्तृत सर्वेक्षण और निगरानी करने में सक्षम स्वायत्त जल वाहन, कठिन जल क्षेत्रों में भी रियल टाइम निगरानी और सर्वेक्षण में मददगार दूर से संचालित वाहन, समुद्री मानचित्रण की सटीकता बढ़ाने हेतु लंबी दूरी की पोजिशनिंग प्रणाली डीजीपीएस, समुद्री तल की संरचना और अवरोधों का विस्तृत डिजिटल चित्र तैयार करने में सहायक डिजिटल साइड-स्कैन सोनार प्रमुख हैं। इन उपकरणों के माध्यम से 'इक्षक' बंदरगाहों, तटीय क्षेत्रों और गहरे समुद्री मार्गों का व्यापक सर्वेक्षण कर सकता है। यह नौवहन चैनलों और समुद्री मार्गों के निर्धारण में निर्णायक भूमिका निभाएगा। इसके अतिरिक्त यह जहाज रक्षा और नागरिक उद्देश्यों के लिए समुद्र विज्ञान संबंधी और भू-भौतिकीय आंकड़े भी एकत्र करेगा। 'इक्षक' दो समुद्री डीजल इंजनों द्वारा संचालित है। यह 18 नॉट (लगभग 33 किलोमीटर प्रति घंटा) से अधिक की गति प्राप्त कर सकता है। फिक्स्ड-पिच प्रोपेलर के साथ-साथ धनुष और स्टर्न थ्रस्टर्स भी इसमें लगाए गए हैं, जो इसे कम गति पर भी अत्यधिक स्थिरता और सटीक संचालन क्षमता प्रदान करते हैं। यह विशेषता सर्वेक्षण अभियानों के दौरान अत्यंत उपयोगी है क्योंकि ऐसे अभियानों में धीमी और स्थिर गति पर काम करना आवश्यक होता है। 'इक्षक' का प्राथमिक उद्देश्य यद्यपि जल सर्वेक्षण और नौवहन चैनलों का निर्धारण है, फिर भी यह पोत बहुआयामी भूमिका निभाने में सक्षम है। यह प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत सामग्री पहुंचाने, चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने और बचाव कार्यों के लिए अस्पताल जहाज की तरह कार्य कर सकता है, सीमित स्तर पर सैन्य अभियानों में भाग लेने में सक्षम है। यह पोत एक हेलीकॉप्टर ले जाने और उसके संचालन का समर्थन करने में भी सक्षम है। इस प्रकार 'इक्षक' केवल सर्वेक्षण पोत ही नहीं बल्कि एक बहुउद्देशीय मंच है, जो भारतीय नौसेना की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। 'इक्षक' भारतीय नौसेना का पहला ऐसा एसवीएल (सर्वे वेसल लार्ज) पोत है, जिसमें महिला अधिकारियों और नाविकों के लिए विशेष आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह कदम नौसेना में लैंगिक समानता और समावेशिता की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। इससे यह संदेश भी जाता है कि नौसेना अब महिला अधिकारियों की बढ़ती भूमिका और योगदान को लेकर गंभीर और प्रतिबद्ध है। विश्व की सामरिक राजनीति में भारतीय महासागर क्षेत्र अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र से होकर विश्व का एक बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार के मार्गों से गुजरता है। ऐसे में नौवहन चैनलों की सटीक जानकारी और समुद्री मार्गों की सुरक्षित निगरानी किसी भी राष्ट्र के लिए अत्यावश्यक है। 'इक्षक' जैसे उन्नत सर्वेक्षण पोत की उपस्थिति से भारत की समुद्री निगरानी और सर्वेक्षण क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी। इससे न केवल नौसेना की परिचालन क्षमता मजबूत होगी बल्कि वाणिज्यिक नौवहन और समुद्री सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और भारतीय नौसेना का संबंध 64 वर्षों से अधिक पुराना है। 1961 में जीआरएसई ने भारतीय नौसेना को पहला स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस अजय' सौंपा था। तब से लेकर अब तक यह शिपयार्ड नौसेना को 75 युद्धपोत सौंप चुका है। 'इक्षक' इस दीर्घकालिक साझेदारी का नवीनतम उदाहरण है। वर्तमान में जीआरएसई नौसेना के लिए 14 और युद्धपोतों का निर्माण कर रहा है, जिनमें दो पी-17ए उन्नत निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट, सात पनडुब्बी रोधी उथले जल पोत, चार अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत और एक अन्य एसवीएल शामिल हैं। 'इक्षक' की उपलब्धि भारत के रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-योगेश कुमार गोयल

एनसीईआरटी का विभाजन संबंधी विवरण - विकृतियों की भरमार

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के लिए पुस्तकें तैयार करने वाली संस्था एनसीईआरटी पाठ्यक्रम एवं पूरक अध्ययन सामग्री में तेजी से बदलाव कर रही है। ज्यादातर बदलाव सत्ताधारी दल के एजेंडे के अनुरूप किए जा रहे हैं। भाजपा हिंदू राष्ट्रवाद के एजेंडे को आगे बढ़ाने में जुटी हुई है। वह पुस्तकों में इतिहास का विवरण इस तरह से प्रस्तुत करवा रही है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि नई पीढ़ी की सोच ऐसी बन जाए जो भाजपा-आरएसएस की राजनीति के अनुकूल हो। पाठ्यपुस्तकों से मुगलों से संबंधित सामग्री पहले ही हटाई जा चुकी है और प्राचीन इतिहास का विवरण इस प्रकार प्रस्तुत किया जा रहा है जो इस भूमि पर सबसे पहले आने वालों के रूप में आर्यों का यशोगान करता है ताकि उनका हिन्दू राष्ट्रवाद का दावा मजबूत हो क्योंकि आर्य नस्ल हिंदू राष्ट्रवाद का एक प्रमुख स्तंभ है। इस श्रृंखला में इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने का ताजा मामला विभाजन से संबंधित गलतबयानी का है। उन्होंने दो माडयूल प्रस्तुत किए हैं जो विभाजन के भयावह दिनों और विभाजन से संबंधित हैं। ये माडयूल प्रोजेक्ट, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि के लिए पूरक अध्ययन सामग्री के रूप में उपलब्ध कराए गए हैं।

माडयूल में विभाजन पर टिप्पणी करते हुए कहा गया है ''अंतत: 15 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हो गया। लेकिन यह किसी एक व्यक्ति का कारनामा नहीं था। भारत के विभाजन के लिए तीन कारक जिम्मेदार थे: विभाजन की मांग पेश करने वाले जिन्ना, दूसरी कांग्रेस, जिसने इसे मंजूर किया और तीसरे माउंटबेटिन जिन्होंने इसे अमली जामा पहनाया''।

माडयूल में सरदार पटेल को उद्धत करते हुए कहा गया है कि भारत में विस्फोटक हालात बन गए थे। ''भारत एक युद्ध का मैदान बन गया था और इसलिए गृहयुद्ध छिड़ जाने से बेहतर था कि देश का विभाजन हो जाए''। जवाहरलाल नेहरू इसे 'बुरा' किंतु 'अपरिहार्य' बताते हैं। गांधीजी को उद्धत करते हुए कहा गया है कि वे विभाजन की प्रक्रिया में एक पक्ष नहीं बन सकते किंतु वे कांग्रेस को इसे मार-काट के साथ स्वीकार करने से नहीं रोकेंगे''।

माडयूल विभाजन की जड़ मुस्लिम नेताओं के अलग पहचान के उस नजरिए को मानता है जिसके मूल में था 'राजनैतिक इस्लाम'' जिसके बारे में उसका दावा है कि वह ''गैर-मुस्लिमों के साथ किसी भी तरह की स्थायी समानता को खारिज करता है।'' उनका कहना है कि इस विचारधारा ने ही पाकिस्तान समर्थक आंदोलन को शक्ति प्रदान की...जिन्ना जिसके 'काबिल वकील'' थे।

एक तरह से यह अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति और इसके समानांतर किंतु विपरीत दिशा वाली हिंदू साम्प्रदायिकता की भूमिका को पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए पूरा ठीकरा मुस्लिम साम्प्रदायिकता पर फोड़ देता है जिसे राजनैतिक इस्लाम की संज्ञा दी गई है।

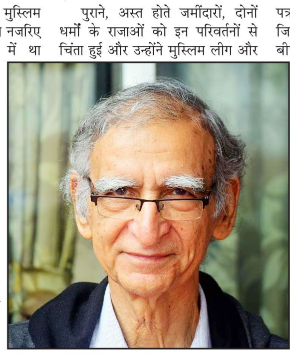

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि उस समय राजनैतिक इस्लाम शब्द को न तो इस्तेमाल किया गया था और ना ही गढ़ा गया था, और इसे मुस्लिम साम्प्रदायिकता कहा जाता था। अंग्रेजों के आने के बाद से सामाजिक बदलाव हो रहे थे और नए वर्ग जैसे उद्योगपति, व्यापारी, कामगार और आधुनिक शिक्षा प्राप्त व्यक्ति, आदि उभरे। इन वर्गों के संगठन बने जो अंतत: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के रूप में सामने आया। नारायण मेघाजी लोखंडे और कामरेड सिंगारवेलू द्वारा शुरू किए गए कामगारों के आंदोलन के चलते कामगारों के अधिकारों के पक्ष में आवाज उठाने वाले उनके संगठन अस्तित्व में आए। भगत सिंह और उनके साथियों ने औपनिवेशिक शासन और उत्पीड़न के खिलाफ व बराबरी के पक्ष में सबसे बुलंद आवाज उठाई।

जोतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, भीमराव अंबेडकर और पेरियार रामासामी नायकर आदि ने सामाजिक बराबरी के पक्ष में कार्य किए, यह आंदोलन राष्ट्रीय आंदोलन के समानांतर चला और इसे हमारे संविधान में स्थान मिला।

पुराने, अस्त होते जमींदारों, दोनों धर्मों के राजाओं को इन परिवर्तनों से चिंता हुई और उन्होंने मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा जैसे संगठनों की स्थापना की। मुस्लिम लीग ने मुस्लिम राष्ट्र के पक्ष में आवाज उठाई और हिंदू महासभा ने यह नारा बुलंद किया कि हम एक हिंदू राष्ट्र हैं। हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य हासिल करने के उद्धेश्य से सन् 1925 में आरएसएस की स्थापना की गई। इन साम्प्रदायिक संगठनों ने भारतीय राष्ट्रवाद और उसके स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के मूल्यों का विरोध किया। अंग्रेजों ने अपने फायदे के लिए इतिहास का साम्प्रदायिक लेखन करवाया जिससे साम्प्रदायिक घृणा के बीज पड़े और मारकाट हुई। इस मारकाट और हिंसा की वजह से ही कांग्रेस के गांधीजी और मौलाना आजाद को चुप्पी साधकर विभाजन की त्रासदी को स्वीकार करना पड़ा।

यह कहना कि कोई भी ब्रिटिश वायसराय विभाजन नहीं चाहता था, एक बहुत ही सतही वक्तव्य होगा। इसमें लार्ड वावेल की भूमिका राजिन्दर पुरी के लेख से स्पष्ट होती है ''विंस्टन चर्चिल के ब्रिटिश जीवनीकार सर मार्टिन गिल्बर्ट ने यह खुलासा किया था कि चर्चिल ने जिन्ना से कहा था कि वे उन्हें गोपनीय पत्र लिखें जो चर्चिल की सचिव रह चुकी महिला एलीजाबेथ गेलिएट को संबोधित हों। यह गोपनीय पत्रव्यवहार कई सालों तक जारी रहा। जिन्ना द्वारा सन् 1940 और 1946 के बीच लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले, जिनमें 1940 में उठाई गई पाकिस्तान की मांग भी शामिल थी, चर्चिल या लार्ड लिलनीगो और वावेल की सहमति के बाद ही लिए गए थे''।

पाकिस्तान का निर्माण मुख्यत: अंग्रेज चाहते थे। क्योंकि उनका ध्यान अपने भविष्य के लक्ष्यों की ओर था। उस समय दुनिया में दो महाशक्तियां- अमरीका और सोवियत संघ- थीं और अंग्रेजों को यह भय था कि यदि भारत अविभाजित रहा तो वह सोवियत संघ का पक्षधर बन सकता है क्योंकि भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के प्रमुख नेता वामपंथी झुकाव वाले थे। अंग्रेजों को डर था कि भारत सोवियत संघ का मित्र बन सकता है इसलिए वे उसका प्रभाव सीमित करने के लिए उसका विभाजन चाहते थे।

लार्ड माउंटबेटन को भारत का विभाजन करवाने का निर्देश देकर ही भेजा गया था जिसमें वे सफल रहे। अंतरिम सरकार में शामिल नेहरू और पटेल को यह अहसास हो गया था कि देश को एक रखना बहुत मुश्किल होगा। जिन्ना के 'डायरेक्ट एक्शन' के आव्हान के नतीजे में हिंसा का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ जो कांग्रेस नेतृत्व के मुस्लिम लीग की मांग के आगे झुकने की मुख्य वजह बना। इस मांग को अंग्रेजों का पूरा समर्थन प्राप्त था।

जहां तक राष्ट्रवाद की अवधारणा की बात है, हिन्दू महासभा (और आरएसएस) और मुस्लिम लीग का नजरिया एक सा था। सावरकर ने अपनी पुस्तक 'हिन्दुत्व ऑर हू इज ए हिन्दू' में लिखा था कि इस देश में दो राष्ट्र हैं, एक मुस्लिम राष्ट्र और एक हिन्दू राष्ट्र।

यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ''वास्तविकता यह है कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर इस नतीजे पर पहुंचे थे कि विनायक दामोदर सावरकर और मोहम्मद अली जिन्ना की इस संबंध में पूर्ण सहमति थी कि भारत में दो अलग-अलग राष्ट्र हैं - एक मुस्लिम राष्ट्र और एक हिन्दू राष्ट्र''। सावरकर ने 1938 में महासभा के सम्मेलन में घोषणा की थी कि हिंदुओं और मुस्लिमों का सहअस्तित्व संभव नहीं है। जिन्ना का 1940 का लाहौर प्रस्ताव इससे मिलता-जुलता था। उनकी यह समानता उनकी विचारधारा में और सन् 1942 के बाद बंगाल, सिंध और उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत (एनडब्लूएफपी) हिंदू महासभा-मुस्लिम लीग की गठबंधन सरकार में भी प्रतिबिंबित होती है।

अब कुटिलतापूर्वक हिंदू राष्ट्रवादी विचारक इतिहास को तोड़-मरोड़कर विभाजन के लिए मुस्लिम लीग और कांग्रेस को दोषी ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सच्चाई इससे बहुत अलग है। जहां इन माडयूलों में अंग्रेजों को लगभग निर्दोष बताया गया है, जबकि हकीकत यह है कि उनकी चालाकी भरी चालबाजियों से मुस्लिम लीग और हिंदू राष्ट्रवादियों को वह सब करने का प्रोत्साहन मिला जिसका नतीजा इस भयावह त्रासदी के रूप में सामने आया। विभाजन के समय हुई डरावनी घटनाएं साम्प्रदायिकता की इस होड़ और अंग्रेजों द्वारा पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए बिना जल्दबाजी में विभाजन करने के कारण हुईं।

बेशक इसका गहन कारण वह साम्प्रदायिकता थी जिसे विचारधारात्मक जामा पहनाने वाले पहले व्यक्ति सावरकर थे। जहां दोनों साम्प्रदायिकताएं एक दूसरे के समानांतर और विपरीत चल रही थीं, जिससे नफरत का माहौल बना और हिंदुओं और मुसलमानों दोनों का कठिनाईयों और बहुत बड़े पैमाने पर पलायन और विस्थापन और उससे जुड़े कष्टों का सामना करना पड़ा।

-राम पुनियानी

अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिए- आरबीआई गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉरपोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए। वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

जून में कोयला आयात बढ़ा, घरेलू उत्पादन में गिरावट

मुंबई। टाटा स्टील और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयुक्त उपक्रम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार जून 2025 में भारत का कोयला आयात बढ़कर 2.39 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष जून में 2.29 करोड़ टन था। इसमें गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 57.8 लाख टन रहा। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का कुल आयात 4.90 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.91 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 1.63 करोड़ टन हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 1.54 करोड़ टन था। दूसरी ओर, कोल इंडिया लिमिटेड का कोयला उत्पादन जून में 8.5 फीसदी घटकर 5.78 करोड़ टन रह गया, जबकि जून 2024 में यह 6.31 करोड़ टन था। हालांकि कंपनी ने उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया, लेकिन उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि **मानसून के कारण खदानों में कार्य बाधित होता है जिससे उत्पादन घटता है। इस स्थिति को देखते हुए कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि देश को कोयले की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र सहित सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

सोने की चमक हुई फीकी, चांदी भी लुढ़की

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक (यूएस फेड) की ओर से ब्याज दरों में कटौती के संकेत के बाद वैश्विक स्तर पर निवेश धारणा में बदलाव आया है। जहां एशियाई और भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है, वहीं सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाने वाले सोने और चांदी की मांग में गिरावट आई है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत में 57 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अब 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए पर कारोबार कर रहा है, जबकि शुक्रवार को यह 1,00,384 रुपए पर था। इसके साथ ही इंडियन बुलियन एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को सोने का भाव 99,360 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। (एमसीएक्स) पर यह 1,16,002 प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जो शुक्रवार के 1,16,236 से 234 रुपए कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉलर-रुपया विनिमय दर, वैश्विक आर्थिक संकेत, आयात शुल्क, जीएसटी और घरेलू मांग जैसे कारक सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। भारत में त्योहारी और वैवाहिक सीजन में सोने की मांग बढ़ती है, जिससे कीमतें ऊपर जाती हैं। लेकिन फिलहाल बाजार में निवेशकों का रुझान इक्विटी जैसे जोखिम वाले निवेश की ओर बढ़ा है। अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता होने पर सोने को निवेश का सुरक्षित विकल्प माना जाता है, लेकिन जब बाजार स्थिर और मुनाफे की ओर होता है, तब लोग सोने से दूरी बना लेते हैं और यही मौजूदा गिरावट का मुख्य कारण माना जा रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, नया रिकॉर्ड 695.10 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.48 अरब डॉलर बढ़कर 695.10 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग और आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है। हालांकि इस सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 2.16 अरब डॉलर घटकर 585.90 अरब डॉलर रह गईं। इसके विपरीत विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 41 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.782 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 15 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.754 अरब डॉलर पर पहुंच गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में बताया कि वर्तमान भंडार देश के लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है, जो एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा का संकेत है। पिछले वर्ष 2024 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई थी, जबकि वर्ष 2025 में अब तक कुल 53 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। यह विदेशी निवेशकों के लिए विश्वास का संकेत है और रुपये को स्थिर रखने में सहायक है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में बिजनेस को लेकर यदि कुछ आइडिया आये, तो आप उससे तुरंत आगे न बढ़ाएं। किसी अजनबी से आप कोई लेनदेन करने से बचें। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है और आप किसी धन की समस्या को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आप अपने खर्चों को भी लिमिट में करके चलें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। यदि आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। आपको अपने किसी मित्र की याद सता सकती है। आप किसी पार्टी को करने की योजना बना सकते हैं। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सतर्क रहना होगा, क्योंकि कुछ विरोधी आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे।

मिथुन- आज आपके निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। नौकरी में आपको थोड़ा सजग रहकर कामों को करना होगा। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। आप कुछ नए कामों को करने की कोशिश करेंगे, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आज आप किसी से उधार का लेन-देन ना करें, नहीं तो आपको उसे उतारने में समस्या आएगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। किसी नए काम में आपको जीत मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप आज किसी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें। तो उससे आपको धोखा मिल सकता है। आप अपने घर के रेनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उनकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। ससुराल पक्ष से आपको मान-सम्मान मिलता दिख रहा है। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चले, तो आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी एतियात बरतनी होगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। परोपकार के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आप अपने परिवार की समस्या को किसी बाहरी व्यक्ति के सामने उजागर न करें, नहीं तो वह इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। सगे संबंधियों से मिलने का आपको मौका मिलेगा। सामाजिक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने के पूरी संभावना है। आपको अपने आसपास रख रहे विरोधियों से सतर्क रहना होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होंगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। आपकी कोई मूल्यवान वस्तु यदि खो गई थी, तो उसको मिलने की आपको पूरी संभावना है। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको नौकरी में अपने काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। पैतृक संपत्ति को लेकर आप अपने भाई और बहनों से बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से संबंधों में यदि कटुता चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने कामों को लेकर थोड़ा सोच समझकर भी आगे बढ़ें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चो पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए रहेगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें और आप अपने बिजनेस को आगे ले जाने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती हैं। आप अपनी सोच में सकारात्मकता बनाए रखें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपनी आय को बढ़ाने के लिए जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सामाजिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपनी आय और व्यय में भी संतुलन बनाकर चलना होगा। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी। आप अपने बिजनेस को लेकर कुछ नए निर्णय लेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे।

शब्दजाल - 8001

शब्दजाल में देश के सर्वाधिक करोड़पति वाले 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	पु	णे	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	दि	ल्ली	मे	ष	बा	दी	छ
मि	आ	ब	वृ	क	इं	मुं	ब	न	को	वा
बें	थु	ल	ना	क	डि	आ	ब	ल	ल	चा
न	ग	न	भ	ग	या	ल	न	ई	का	क
ली	ती	लो	सू	र	पु	सिं	र्नि	ग	ता	न
र	स	बा	र	स	क	र	ऊ	ई	है	ब
क	फ	चो	त	क	रा	म	तु	ला	द	म
स	या	औ	र	आ	क	गॉ	ल	प	रा	जी
कुं	भ	म	प	द	अ	ह	म	दा	बा	द
र्त	चे	न्न	ई	ग	र	ल	स	प	द	म

मुंबई, दिल्ली, पुणे, कोलकाता, सूरत, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलोर, नागपुर, हैदराबाद

शब्दजाल - 8000 का हल

अ	सु	ग	ए	ल	न	बो	र्ड	र	र	जा
दा	नी	ल	ग	गो	र्ड	न	ग्रि	नी	ज	वे
गि	ल	शे	स	बा	छ	ची	ता	रा	क	द
री	गा	र	दो	चि	ज	न	ह	ग्रे	त	मिं
क	व	दो	ग्रा	लू	न	का	म	ग	व	या
ज	स्क	ल	ह	य	ख	तें	ना	चै	र	दा
मा	र	म	म	या	प	र	दु	प	र	द
र्क	ज	ल्जा	गू	धा	ब	क	गो	ल	श	ण
टे	बा	म	च	ब्रा	ह	त्या	री	श	क	क
ल	दु	आ	प	स्टी	व	वॉ	ग	बें	हा	र
र	दु	ल्हे	रा	अ	ज	ह	रु	द्दी	न	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6945

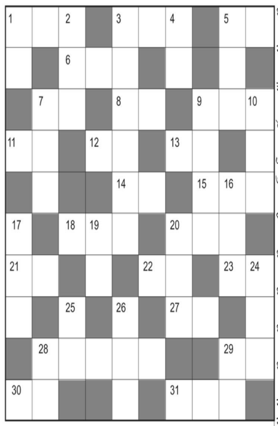

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6944

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

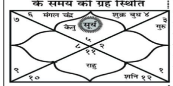

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.17 बजे से
चंद्र	कन्या में	तुला	09.27 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.42 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.58 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.03 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.50 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.53 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.33 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	00.31 बजे से
		कर्क	02.45 बजे से
		सिंह	05.01 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 238 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि तृतीया 13.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त अहोरात्र।
योग साध्य 12.09 बजे को समाप्त।
करण गर 13.55 बजे तदनन्तर वणिज 02.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872448
जूलियन दिन 2460913.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 02
विशेष सामवेद उपाकर्म, हरतालिका तीज, गौरी हब्बा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: वेदांत का मर्म

उन दिनों स्वामी विवेकानंद पैरिस में थे। वहां इटालियन डचेस (राजकुमारी) ने उनसे अनुरोध किया कि वह उन्हें आसपास के इलाके में घुमाना चाहती हैं। दोनों घोड़ागाड़ी से घूमने निकले। चलते हुए वे शहर से बाहर आ गए। कोचवान ने एक जगह गाड़ी रोकी और सड़क किनारे के एक पार्क में चला गया। वहां एक बूढ़ी नौकरानी एक लड़का-लड़की का हाथ पकड़ कर बैठी थी। कोचवान ने उन बच्चों को प्यार किया। बच्चों से कुछ देर बात करने के बाद वह फिर से घोड़ागाड़ी चलाने लगा। डचेस को यह सब थोड़ा अजीब लगा। उन दिनों वहां अमीर-गरीब के बीच बड़ा कठोर विभाजन था। वे बच्चे अभिजात लग रहे थे और कोचवान का इस तरह उन्हें प्यार करना डचेस को खटका। डचेस ने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया। कोचवान ने डचेस से कहा, 'वे मेरे बच्चे हैं। मैं पैरिस के सबसे बड़े बैंक का मैनेजर था। मैंने इतना घाटा उठाया कि उसे चुकाने में कई साल लग जाएंगे। अपनी पत्नी और बच्चों को मैंने इस जगह पर एक किराए के मकान में रखा है। एक बूढ़ी औरत उनकी देखभाल करती है। कुछ रकम जुटाकर मैंने यह घोड़ागाड़ी ले ली और अब इसे चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूं। कर्ज चुका देने के बाद मैं फिर से एक बैंक खोलूंगा और उसे विकसित करूंगा।' उसका आत्मविश्वास देखकर विवेकानंद बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने डचेस से कहा, 'इसे वेदांत का मर्म मालूम है। अपनी हैसियत से गिरने के बाद भी अपने व्यक्तित्व और कर्म पर उसकी आस्था डिगी नहीं है। यह अपने मकसद में अवश्य सफल होगा।'

सूडोकु नवताल- 7254

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7253 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8469

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इंकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध नो हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -8468 का हल

र	ब		ह	सी	न		रा	य
न	हा	ना		मा	र	ना		म
	र	च	ना		क	पा	स	
सा		ना	का	रा		क	र	ना
व	ध		म	ह	री		ल	य
न	र	म		त	स	ला		क
	ती	स	रा		ना	य	क	
रा		का	य	र		क	हा	नी
ह	त्या		ता	म	स		र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी सहित दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक बढ़कर 81,635.91 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 97.65 अंक की तेजी के साथ ही 24,967.75 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद यूएस 10-ईयर यील्ड में गिरावट की उम्मीदों से भी घरेलू बाजार में सकारात्मक धारणा बनी है। सेंसेक्स में इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, बजाज

फाइनेंस, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील और टाइटन के शेयर सबसे अधिक उछले। वहीं बीईएल, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि निफ्टी ऑटो में 93.95 अंक या 0.37 फीसदी की बढ़त रही। इस बीच, भारी खरीदारी के बीच निफ्टी आईटी 839.20 अंक तकरीबन 2.37 फीसदी ऊपर आया। वहीं निफ्टी नेक्स्ट 50 में 171.25 अंक या 0.25 फीसदी की तेजी रही। निफ्टी 100 में 94.10 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी की बढ़त रही हुई, और निफ्टी मिडकैप 100 में 71 अंक या 0.12 फीसदी की तेजी रही। भारतीय बाजार में शुद्ध बिकवाली बने रहने के साथ लगातार विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से बाजार की धारणा पर प्रभाव डाला।इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 200 अंकों की छलांग लगाकर 81,501 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 ने 64 अंक की तेजी के साथ 24,949 का स्तर छू लिया। वैश्विक बाजारों में भी सकारात्मक रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में भी तेजी देखी गई, जहां एसएंडपी 500 में 1.52 फीसदी और नेस्डेक में 1.88 फीसदी की बढ़त हुई।

कर्मचारियों की बीमा पॉलिसियों पर आईटीसी दे सकती है सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कंपनियों द्वारा कर्मचारियों के लिए खरीदी गई ग्रुप हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) देने पर विचार कर रही है। हालांकि, इन बीमा पॉलिसियों पर 18 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और न ही इन्हें टैक्स से छूट दी जाएगी। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, इस संबंध में प्रस्ताव तैयार है और इसे 3-4 सितंबर को होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि ग्रुप बीमा पॉलिसियों पर आईटीसी की अनुमति पर विचार संभव है, लेकिन इन्हें जीएसटी से मुक्त करने की कोई योजना नहीं है। वर्तमान में केवल व्यक्तिगत रूप से खरीदी गई हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों, जैसे फैमिली फ्लोटर प्लान, पर कुछ हद तक टैक्स राहत मिलती है। जबकि कंपनियों द्वारा कर्मचारियों के लिए ली गई पॉलिसियों पर आईटीसी की अनुमति नहीं है। आईआरडीएआई के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 लाख ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस और 45,659 ग्रुप लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियां जारी हुईं, जिनमें अधिकांश कंपनियों द्वारा खरीदी गई थीं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि एक संतुलित टैक्स नीति आवश्यक है, जो व्यक्तिगत और ग्रुप दोनों तरह की पॉलिसियों को कवर करे।

एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

नई दिल्ली। बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की न्यूक्लियर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अधिकारी ने ब्लूमवर्ग एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए। एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी स्थापित करने की योजना बना रहा है। परियोजना की पहली यूनिट 2031 तक चालू होने की उम्मीद है, जबकि पूरा प्लांट 2036 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए पिछले बजट में लगभग 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। एनटीपीसी कई बड़े तकनीकी और सेवा प्रदाताओं जैसे टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, रोसाटॉम और होल्टेक के साथ साझेदारी कर रहा है। वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,800 मेगावाट है, जिसे सरकार 2047 तक बढ़ाकर 200 गीगावाट करने का लक्ष्य रखती है। एनटीपीसी का यह कदम देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विकास का संकेत है और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

आज हरितालिका तीज

सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत रख की जाएगी शिव पार्वती की पूजा, नदी तालाबों में गौर निकालकर किया जाएगा गौरी पूजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लम्बी उम्र व अखण्ड सौभाग्यवती होने की मनोकामना से रात-दिन का निर्जला व्रत रखकर मनाये जाने वाला हरितालिका तीजा व्रत आज 26 अगस्त को आस्था व श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। पर्व के चलते पूजन सामग्री की दुकानें सजी रही, बाजार में बांस की टुकड़ियां, फुलेरा, राम दतौन, पूजन सामग्री की दुकानें लगी हुई थी, जिस पर लोगों ने पहुंचकर खरीददारी की , जिससे नगर में चहल-पहल बनी रही। आज नगर व क्षेत्र में महिलाओं द्वारा व्रत रखकर प्रातः बेला में नदी, नालो, तालाबों व कुओं में पहुंचकर बालू से गौरीशंकर बनाकर (गौर निकालकर) विधि विधान से पूजा अर्चना की जाएगी। यहां आरती करने के पश्चात आपस में महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर सदा सुहागन रहने की कामना करती है। महिलाएं नदी नाले व तालाबों में पहुंचकर गौर निकालकर एवं घरों में लाकर चौरंग सजाकर उसमें पूजा के लिए रखती है। चौरंग के उपर में फुलेरा बांधकर उसे फूलों से सजाया जाएगा एवं संध्या में विधिविधान से पूजा अर्चना कर फल, फूल, बेलपत्ती चढ़ाई जाएगी एवं गुजिया व विविध प्रकार के पकवान बनाकर भोग लगाया जाएगा। इसके उपरांत पंडित अथवा महिलाओं द्वारा हरितालिका तीज व्रत की कथा का वाचन किया जाता है। दूसरे दिन 27 अगस्त को प्रातः महिलाओं द्वारा गौर का विसर्जन कर एक दूसरे को भुजलियां व प्रसादी भेंट किये जाने के साथ ही हल्दी-कुंमकुम लगाकर सदा सुहागन रहने की कामनाएं की जावेगी। इसके उपरांत ही घरों एवं सार्वजनिक स्थलों में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जावेगी।

गणेश चतुर्थी पर कल भगवान श्रीगणेश की जावेगी स्थापना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भादों मास की चतुर्थी पर कल शुभ मुहूर्त में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की स्थापना कर भक्तिभाव से 10 दिनों तक पूजा अर्चना की जावेगी। गणेश चतुर्थी के अवसर पर कल नगर व क्षेत्र में सार्वजनिक पंडालो तथा घरों में भगवान गणेशजी की प्रतिमाओं की स्थापना की जावेगी। इसके लिए प्रतिमाओं की स्थापना करने वाली समितियों द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिसके तहत मूर्तिकारों को अपनी पसंद की मूर्ति बनाने हेतु आर्डर देकर प्रतिमाओं को तैयार किया गया, इसके अलावा घरों में भी स्थापित करने वाले लोगो द्वारा मूर्तिकारों के घरों में पहुंचकर अपनी पसंद की प्रतिमाओं का चयन किया जा रहा है वहीं अनेक लोगो द्वारा बाजार में आई प्रतिमाओं को पसंद कर ले जायेगे। मूर्तियों को लाने के उपरान्त शुभ मुहूर्त में विधि विधान से स्थापना कर पूजा-अर्चना की जावेगी है। 10 दिवसीय इस उत्सव को मनाने हेतु समितियों द्वारा आकर्षक पंडाल सजाकर विद्युत रोशनी से साज सज्जा की जा रही है। इसके अलावा घरों में भी गणेश प्रतिमा स्थापना हेतु सजावट कर पूजा-अर्चना की तैयारियां की जा रही है। नगर के अनेक चौराहों एवं वार्डों में प्रतिमाएं स्थापित किये जाने हेतु पंडाल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वही दूसरी ओर बड़ी प्रतिमाओं को भी मूर्तिकारों द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है।

साकेत पब्लिक स्कूल के शिव कुमार येरने सहित छह छात्रों का एमबीबीएस के लिए चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध साकेत पब्लिक स्कूल, लांजी ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस वर्ष नीट (NEET) 2025 परीक्षा में स्कूल के छह होनहार छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स के लिए चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनमें से एक छात्र शिव कुमार येरने का चयन भोपाल के प्रतिष्ठित पीपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर में हुआ है, जबकि पांच अन्य छात्राओं ने भी विभिन्न सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में अपनी जगह बनाई है।

शिव कुमार येरने की उपलब्धि

साकेत पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र शिव कुमार, पिता श्री राजेंद्र येरने, ने नीट 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पीपुल्स कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में एमबीबीएस के लिए प्रवेश प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे लांजी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। शिव की मेहनत, लगन और स्कूल के शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

पांच मेधावी छात्राओं की सफलता

इसके साथ ही, साकेत पब्लिक स्कूल की पांच अन्य छात्राओं ने भी नीट 2025 में अपनी काबिलियत का परचम लहराया है। इन छात्राओं का चयन मध्य प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में हुआ है। इनके नाम और चयनित संस्थान निम्नलिखित हैं-

कु. भूमि भागवत सुलाखे - अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा

कु. सृष्टि दिलीप वासनिक - नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर

कु. चारू ज्ञानीराम फरदे - शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, छिंदवाड़ा

कु. अमुल्या दीनदयाल सिल्हारे - एलएन सिटी चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर

कु. दीक्षा चमरूलाल लिल्हारे - अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, देवास

इन छात्राओं ने न केवल अपनी मेहनत और समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की, बल्कि साकेत पब्लिक स्कूल के शैक्षणिक स्तर और शिक्षकों की गुणवत्ता को भी सिद्ध किया।

स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने दी बधाई

साकेत पब्लिक स्कूल के संचालक संतोष मोरघड़े ने सभी चयनित छात्र-छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा, 卐हमारे छात्रों की यह सफलता स्कूल के लिए गर्व का विषय है। इन बच्चों ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवारों का नाम रोशन किया है, बल्कि लांजी जैसे छोटे क्षेत्र को भी देश के नक्शे पर चमकाया है।卐 स्कूल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी इन छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है और उनकी इस उपलब्धि को स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम बताया।

मार्ग पर फैली झाड़ियां दे रही दुर्घटना को आमंत्रण

विद्युत ट्रांसफार्मर भी झाड़ियों की चपेट में

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी बालाघाट मार्ग, लांजी भिलाई मार्ग, लांजी आमगांव मार्ग, लांजी सालेटेकरी मार्ग सहित क्षेत्रो के अनेको छोटे बडे मार्गो के दोनो ओर इन दिनों बडी बड़ी जंगल झाडियॉ कचरा व्याप्त है जिसके चलते मार्गो पर दुर्घटनाऐं हो रही है और इन दुर्घटनाओं से जन हानि तक हो रही है जिसका यदि कोई जवाबदार है तो लोकनिर्माण विभाग, संबधित विभाग उनके अधिकारी एवं ठेकेदार जो कि इंतजार करते है मार्गो पर इन जंगल झांडियो कचरा के बढने का ताकि क्षेत्र में दुर्घटनाऐ बढती रही क्योंकि यदि ये समय पर इन समस्याओं की सुध ले लेते है तो निश्चित रूप से इन जंगल झांडियों के चलते होने वाली दुर्घटनाऐं बच सकती है।

मोड़ाई पर सामने से आ रहा वाहन दिखाई तक नही देता

उक्त मार्गो में सेसे अनेको मोड़ है जहां पर बड़ी मात्रा में जंगल झांडिया कचरा व्याप्त है जिनके चलते दोनो ओर से आ रहे वाहन दिखाई नही देते अचानक सामने आने से दुर्घटनाऐं कारित हो जाती है। वाहनो के अलावा पैदल या सायकल से भी चल रहे लोग है तो वे बिल्कुल भी नही दिखाई देते है बडी घटना घटित हो जाती है जबकि समय समय पर इन विषयों पर विभाग को ध्यान देना चाहिये और ठेकेदारो से उक्त जंगल झांड़ियों की सफाई करानी चाहिये ताकि यह दुर्घनाऐं रोकी जा सके। उक्त मार्गो के अधिकतर मोड़ाई पर विभाग के द्वारा ठेकेदारो से रैलिंग लगवाई गई है ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटनाऐं घटित ना हो, रैलिंग पर रेडियम आदि लगा रहता है तो मोडाई भी नजर आती है लेकिन मार्गो के दोनो ओर इस कदर यह झांडियॉ उग चुकी है तथा इतनी अधिक मात्रा मे है कि एक प्रकार से जंगल तैयार हो गया है और इन जंगल झाडियों में रैलिंग पूरी तरह दब चुकी है जिसके चलते मार्गो पर चलने वालों को रैलिंग दिखाई नही देती मोडाई भी रात्रि के समय समझ नही आती और दुर्घटनाऐं कारित हो जाती है इस ओर भी विभाग ध्यान देवे और जहां जहां मोड़ाई पर रैलिंगी लगाई गई है उन स्थानों पर पहले यह जंगल झांड़ियों की सफाई करवाई जाये।

मार्गा से सूचना बोर्ड दिशा सूचक गायब

उक्त मार्गो में विभाग द्वारा लगाये गये सूचना बोर्ड, दिशा सूचक, किमी पम्थर एवं किमी सूचक बोर्ड भी दिखाई नही दे रहे है। मुख्य रूप से आंगे अंधा मोड़, मोडाई का सूचक बोर्ड, किलोमिटर दर्शाता बोर्ड, आगे पुलिया है, आगे स्कूल है आगे, ग्राम है सहित अनेको दिशा सूचक बोर्ड उक्त सभी मार्गो पर लगाये गये है लेकिन इन जंगल झांडियों में यह बोर्ड गायब हो चुके है, छुप चुके है जिसके चलते भी वाहन चालको को समय पर दिशा निर्देश नही मिल पाते और कही बार इन कारणो से भी दुर्घटनाऐं घटित हो जाती है यह भी एक प्रमुख कारण है दुर्घटनाओं का जबकि ठेकेदारों को चाहिये की इन विषय को समय समय पर चिन्हाड्क्षकंत कर इस समस्या को दुर किया जाये।

विद्युत विभाग को हो रही परेशानी, झाडियों मे दबे ट्रांसफार्मर

रास्तो के आजू बाजू जंगल झाडियों में वर्तमान में मार्गो के किनारे लगे विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर भी इन झाडियों में दब चुके है जिसके चलते विद्युत विभाग को परेशानी हो रही है। यदि विद्युत गुल होती है तो ग्रामीणो या लाईनमेन को फेस आदि बांधने के लिये तकलिफों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणो ने शिकायत कि है लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान देवे तथा मार्गो के उपर से यह जंगल झाडियॉ हटाई जाये नही तो विद्युत कार्य करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

लांजी-रजेगांव मार्ग की बदहाली

गड्ढों ने बढ़ाई यात्रियों की मुश्किलें, प्रशासन की चुप्पी पर आक्रोश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी-रजेगांव मार्ग, जो बालाघाट जिले का एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, इन दिनों अपनी बदहाली के कारण चर्चा में है। इस मार्ग पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों ने न केवल यात्रियों की परेशानियों को बढ़ा दिया है, बल्कि इसे 卐मौत का मार्ग卐 कहकर पुकारा जाने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क पर सफर करना अब जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

गड्ढों से भरा मार्ग, दुर्घटनाओं का सबब

लांजी-रजेगांव मार्ग पर इटोरा आवास टोला आईटीआई के सामने, बोलेगांव नहर के पास, भानेगांव नहर के उपर, बिनोरा सोन नदी पुल के पास, देवगांव देव नदी के पुल के पास सहित अनेक जगहों पर मार्ग की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए इस पर चलना किसी चुनौती से कम नहीं। गड्ढों की वजह से आए दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया, 卐इस सड़क पर चलना अब मौत को दावत देने जैसा है। बारिश में गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिससे वे दिखाई नहीं देते। कई बार दोपहिया वाहन चालक इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो चुके हैं। हर दिन इस सड़क पर कोई न कोई वाहन दुर्घटना ग्रस्त होते देखा जा सकता है। छोटे बच्चे और बुजुर्गों के लिए तो यह मार्ग और भी खतरनाक है।

बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें

बरसात के मौसम में इस मार्ग की हालत और भी बदतर हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। कई बार छोटे वाहन, जैसे मोटरसाइकिल और स्कूटर, इन गड्ढों में फंसकर पलट जाते हैं।

प्रशासन की उदासीनता पर नाराजगी

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना प्रशासनिक अधिकारियों का आना-जाना लगा रहता है, फिर भी मार्ग की मरम्मत नहीं किया जाना विभागीय उदासीनता को दर्शाता है।अगर समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

जनता की मांग-तत्काल मरम्मत

लांजी-रजेगांव मार्ग न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि आसपास के गांवों को बालाघाट शहर से जोड़ने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस मार्ग का उपयोग रोजाना सैकड़ों लोग करते हैं, जिनमें स्कूल जाने वाले बच्चे, नौकरीपेशा लोग और व्यापारी शामिल हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग की तत्काल मरम्मत की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।

मोटर सायकल सवार ने सायकल सवार व्यक्ति को सामने से मारी टक्कर, दो लोग घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी भिलाई मार्ग पर ग्राम रिसेवाड़ा में 25 अगस्त को सुबह 8ः30 बजे के करीब एक मोटर सायकल सवार ने सायकल सवार व्यक्ति को सामने से टक्कर मार दी घटना में दोनो व्यक्तियों के घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई। घटना के संबध में प्रत्यक्षदर्शियो के द्वारा बताया गया कि सुबह करीब 8ः30 बजे लगभग सायकल सवार सुखराम भोयर पिता बिसनलाल भोयर उम्र 48 वर्ष निवासी ओटेकसा अपनी सायकल से टिमकीटोला रिसेवाड़ा अपने गांव की ओ जा रहा था जैसे ही जयकाली ऑटो पार्टस तरोने कपड़ा दुकाने के सामने पंहुचा ही था कि दुसरी ओर से मोटर सायकल पेशन प्रो मे सवार व्यक्ति लालचंद पिता पांडूरंग घोरमारे उम्र 29 वर्ष निवासी बाघटोला ने सामने से आकर सायकल को टक्कर मार दी जिसमे दोनो ही अनियंत्रित होकर गिर पड़े स्थानीय लोगो के द्वारा 108 एंबुलेंस को सूचित किया तथा घायलों को एंबुलेंस वाहन में सिविल अस्पताल लांजी लाया गया जहां दोनो का उपचार डाक्टर्स के द्वारा किया गया। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा पुलिस थाना लांजी को दुर्घटना की तहरीर भेजी गई है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दिग्विजय-कमलनाथ के बयानों पर गरमाई मप्र की राजनीति

जीतू पटवारी ने कहा- दोनों की केमिस्ट्री समझना मुश्किल, पूर्व गृहमंत्री ने शायराना अंदाज में कसा तंज

भोपाल। मप्र में कमलनाथ सरकार गिरने का जिन्न पांच साल बाद फिर बाहर आया। इसे लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच बयानबाजी हुई। जिससे सियासी भूचाल मच गया। दोनों दिग्गजों के बयान पर भारतीय जनता पार्टी भी लगातार हमलावर है। इस मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने कहा कि दोनों की केमिस्ट्री समझना बहुत मुश्किल है। सिंधिया को सरकार गिराने की सजा मिलनी चाहिए। वहीं सरकार गिरने के खुलासे पर पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि दिग्विजय सिंह और कमलनाथ बड़े छोटे भाई हैं, दोनों की केमिस्ट्री है। दोनों का 45 साल का रिश्ता है, उनकी केमिस्ट्री समझना बहुत मुश्किल है। पुरानी बातों का कोई औचित्य नहीं है। हमें पीछे की बात नहीं करनी है। मुझे आने वाले भविष्य की ओर देखना है। वहीं पटवारी ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को सरकार गिराने की सजा मिलनी चाहिए।

कांग्रेस को बुढ़ापे में बच्चा रूपी सरकार हुई थी

पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा की भी प्रतिक्रिया सामने आई। उन्होंने शायराना अंदाज में तंज कसा है। मिश्रा ने कहा कि तरन्नुम कानपुरी की एक शायरी है 'ऐ काफिले वालों, तुम इतना भी नहीं समझे थे। लूटा है तुम्हे रहजन ने, रहबर के इशारे पर।' उन्होंने आगे कहा कि काफिला क्यों लुटा था ? कौन दोषी है अब यह सामने आ गया है। कांग्रेस को बुढ़ापे में बच्चा रूपी सरकार हुई थी। इन्होंने उसे चूम चूम कर ही मार डाला। हम तो पहले से कहते थे कि कमलनाथ नहीं दिग्विजय सिंह सरकार चला रहे थे। यही कारण था सरकार गिरने का।

जो नाव डूबी उसमें कप्तान ने ही छेद किया

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह बात कमलनाथ के मंत्री उमंग सिंगार ने भी उस वक्त कही लेकिन कमलनाथ की आंखों पर दिग्विजय ने पट्टी बांध रखी थी और आज कमलनाथ को सच्चाई याद आ रही है। कमलनाथ जब आप सच की राह पर चल ही दिए है तो लगे हाथ यह भी बता दे कि डेढ़ साल की सरकार में सुपर सीएम दिग्विजय सिंह ने आपसे भ्रष्टाचारी फैसले करवाए, नही तो जनता यह मान लेगी की आप दोनों एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ कर सबको गुमराह कर रहे है। असलियत यही है कि आप दोनों के सच ने बता दिया है कि कांग्रेस की नाव जो डूबी उसे कप्तान ने ही छेद कर डुबाया था।

लक्ष्मण की भी एंट्री

दिग्विजय सिंह के छोटे भाई व कांग्रेस के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि भले ही में पार्टी से बाहर, लेकिन दिल में आज भी हूं। गाना गाते हुए उन्होंने कहा कि छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी, अब नई कहानी का समय है।

दिग्गी के खुलासे से आया भूचाल

दरअसल, हाल ही में दिग्विजय सिंह एक निजी चैनल के पॉडकास्ट में कहा कि 'हमें जिन पर पूरा भरोसा था, उन्हीं ने धोखा दिया। यह विचारधारा (आइडियोलॉजिकल) का क्लैश नहीं बल्कि व्यक्तित्वों का टकराव (क्लैश ऑफ पर्सनालिटी) था। दिग्विजय ने यह भी बताया कि इसके बाद उन्होंने अपने घर पर डिनर का आयोजन किया था। यहां भी कमलनाथ, ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हुए थे। इस बैठक में सभी समस्याओं को लेकर सूची तैयार हुई थी। जिसमें मैंने भी साइन किए थे, लेकिन लिस्ट का पालन नहीं किया गया। पूर्व सीएम ने माना कि अगर कमलनाथ ग्वालियर-चंबल संभाग से जुड़ी मांगों को मान लेते, तो शायद सरकार गिरने की नौबत ही नहीं आती।

चारों महानगरों के 86,486 डिफाल्टरों से दबाए करोड़ों

- टैक्स डिफाल्टरों से वसूली के लिए परिवहन विभाग ने कसी कमर

भोपाल। परिवहन विभाग हर वाहन से परिवहन कर वसूल करता है। यह टैक्स दो तरह से वसूला जाता है। व्यक्तिगत वाहनों से एक मुश्त और व्यावसायिक वाहनों से तीन, छह व वार्षिक आधार पर। जिन व्यावसायिक वाहनों का टैक्स उनके मालिक नहीं भरते हैं, वे डिफाल्टर हो जाते हैं। परिवहन टैक्स डिफाल्टर प्रदेश के हर जिले में हैं, लेकिन प्रदेश के चार महानगरों में सबसे कम टैक्स डिफाल्टर ग्वालियर में हैं। सबसे अधिक डिफाल्टर प्रदेश के सबसे बड़े महानगर इंदौर में हैं। इसके बाद नंबर भोपाल और जबलपुर का है। चारों महानगरों के 86,486 डिफाल्टरों ने परिवहन विभाग को दिए जाने वाले करोड़ों रूपए के टैक्स का दबा रखा है। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर में 41396, भोपाल में 19867, जबलपुर में 13124 और ग्वालियर में 12099 टैक्स डिफाल्टर हैं। वहीं उज्जैन में 9316, रीवा में 7893, मुरैना में 7349, सागर में 4297, छिंदवाड़ा में 4303, शिवपुरी में 3976, भिंड में 1599, दतिया में 904 और श्योपुर में 580 डिफाल्टर हैं। बता दें कि कार, बाइक जैसे व्यक्तिगत वाहनों से विभाग पंजीयन के समय ही एक मुश्त परिवहन कर वसूल कर लेता है, लेकिन वहीं व्यावसायिक उपयोग यानी माल ढोने से यात्रियों को लाने ले जाने वाले वाहनों से तीन महीने, छह महीने व वार्षिक तौर पर टैक्स लेता है।

नोटिस और जब्ती शुरू

परिवहन विभाग टैक्स न देने वाले व्यावसायिक वाहनों के मालिकों को पहले अपने कार्यालय व चेकपोस्ट के माध्यम से नोटिस देता है। नोटिस के बाद भी यदि टैक्स जमा नहीं किया जाता है, तो विभाग वाहन जब्त करता है और जुर्माना भी लगाता है। साथ ही परिवहन विभाग के अफसर सडकों पर चेकिंग कर वाहनों से टैक्स वसूलते हैं और चेक पोस्ट पर भी वाहनों की जांच करता है। परिवहन विभाग के अफसरों का कहना है कि वाहनों से परिवहन टैक्स की वसूली के नियमित प्रयास होते हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने ज्वाइन की कांग्रेस

भोपाल। मप्र में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सुसनेर की बीजेपी नगर पालिका अध्यक्ष ने कांग्रेस का हाथ थामा हैं। इनके साथ ही कई बीजेपी कार्यकर्ता भी कांग्रेस में शामिल हुए है। पीसीसी चीफ ने सभी को पार्टी ज्वाइन कराई। एमपी के आगर मालवा के सुसनेर में भाजपा को झटका लगा है। सुसनेर की बीजेपी नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी सिसोदिया ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली है। लक्ष्मी के साथ कई बीजेपी कार्यकर्ताओं ने भी हाथ थामा। इन सभी को प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पार्टी ज्वाइन कर ली। सुसनेर विधायक भैरो सिंह बापू के नेतृत्व में कांग्रेस ज्वाइन की है। जीतू पटवारी ने कहा कि लक्ष्मी राहुल सिसोदिया का कांग्रेस परिवार में स्वागत है। सुसनेर विधायक के नेतृत्व में एक लोकतांत्रिक लड़ाई का शंखनाद हुआ है। जनहित को सर्वोपरि मानकर, हम सुसनेर की सेवा करेंगे।

1060 नियुक्ति पत्र वितरण एवं 51 हजार 711 नए स्थाई पदों की स्वीकृति अभिनंदन समारोह का आयोजन आज भोपाल में

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अगस्तथ को भोपाल के रवीन्द्र भवन में अपरांह 12 बजे मध्यप्रदेश की समस्त छह विद्युत कंपनियों के एक हजार 60 नवनियुक्त युवा कार्मिकों को नियुक्तिम पत्र प्रदान करेंगे। ऊर्जा विभाग के तत्वाकवधान में आयोजित होने वाले इस समारोह में 51 हजार 711 नए स्थाकई पदों की स्वीमकृति हेतु अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। विद्युत कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रदर्शन भी किया जाएगा। समारोह में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्नन सिंह तोमर, अपर मुख्यर सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई, एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विलवेदी, मध्यन क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल, पश्चि्र वम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अनूप कुमार सिंह, मध्यधप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह व मध्ययप्रदेश पावर ट्रांसमशिन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी सहित विद्युत कंपनियों के वरिष्ठे अभियंता उपस्थिचत रहेंगे। इस समारोह में नवनियुक्तु युवा कार्मिकों के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया है। समारोह में प्रदेश की समस्ता विद्युत कंपनियों की उपलब्ति ययों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस आयोजन में विद्युत कंपनियों के 12 कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। विद्युत कर्मचारी संगठनों प्रतिनिधियों से कर्मचारी हितों और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर चर्चा भी की जाएगी।

ऊर्जा विभाग ने संकल्प-पत्र के आधार पर विभिन्न पदों पर एमपी ऑन लाइन के माध्यम से परीक्षा लेकर द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी आधार पर विभिन्न पदों पर भर्ती की है। चयनित पदों में बिजली इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, लेखाधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक, सहायक विधि अधिकारी, लाइन अटैंड़ेंट, सिक्योरिटी ऑफिसर, पॉवर प्लांट फार्मासिस्ट, केमिस्ट, एएनएम, ट्रेसर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्निशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टैक्निशियन, पब्लिसिटी ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर आदि पद शामिल हैं।

मप्र में यूरिया संकट : सरकार का दावा-पर्याप्त भंडारण...

हकीकत- प्रदेशभर के किसान परेशान, यूरिया के लिए रात तीन बजे से कतार में लग रहे किसान, टोकन के बाद भी नहीं मिल रही खाद

भोपाल/शिवपुरी/दमोह(ईएमएस)। मप्र में खाद की किल्लत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है की खरीफ सीजन में पहले किसान डीएपी के लिए परेशान होते रहे, अब यूरिया के लिए मारामारी हो रही है। सरकार का दावा है कि प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडारण है। जबकि हकीकत में किसान परेशान हैं। यूरिया के लिए किसान रात तीन बजे से कतार में लग रहे और टोकन के बाद भी खाद नहीं मिल रही है। इससे परेशान किसान धरना, प्रदर्शन और चक्काजाम करने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश में खरीफ 2025 के लिए 36 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है, इसमें यूरिया की खपत 17.40 लाख मीट्रिक टन बताई जा रही है, एसएसपी के लिए 6.50 लाख मीट्रिक टन, डीएपी के लिए 7.50 लाख मीट्रिक टन, एमओपी के लिए 5 हजार मीट्रिक टन और एनपी के के लिए 86 हजार मीट्रिक टन की डिमांड है। इतना बड़ा अंतर होने के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है।

मप्र में खाद की भारी किल्लत हो रही है, रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर बार, हर साल किसान खाद के लिए मारामारी करता है, लंबी लाइन लगाता है, डंडे खाता है, कई दिन इंतजार करता है और नतीजा ये रहता है कि किसान को यदि खाद मिल भी जाती है तो उसे जितनी चाहिए उतनी नहीं, मजबूरन किसान दोगुने दामों में बाजार से खाद खरीदता है, इधर खाद व्यापारी भी कालाबाजारी करने से नहीं चूकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि देश के लिए अन्न उगाने वाले अन्नदाता को समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल पाती।

धरना, प्रदर्शन, आंदोलन के बाद भी खाद नहीं

मप्र में यूरिया की जबर्दस्त कमी है। इसके लिए प्रदेशभर के किसान परेशान हो रहे हैं। शिवपुरी, दमोह, मंडला, छिंदवाड़ा, रीवा, भिंड, खंडवा जैसे जिलों में खाद के लिए किसान रात 3 बजे से लाइन में लग रहे हैं तब भी मायूस होकर लौट रहे हैं। पिछले करीब एक महीने से यूरिया के लिए मारामारी मच रही है। किसानों ने इसके लिए धरना, प्रदर्शन, आंदोलन सब कुछ किया है पर यूरिया की जगह उन्हें सिर्फ आश्वासन और पुलिस की लाठियां मिल रहीं हैं। इससे प्रदेश के किसानों में खासी नाराजगी है। दरअसल, मप्र में खरीफ फसलों की बोवनी हो चुकी है। अब किसानों को सर्वाधिक जरूरत यूरिया की है, लेकिन इसकी कमी बरकरार है। जगह-जगह खाद लेने के लिए लाइनें लग रही हैं, लेकिन सरकार का दावा है कि यूरिया पर्याप्त है। अभी तक लगभग 13.87 लाख टन यूरिया का वितरण हो चुका है। देखा जाए तो यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो हजार टन कम है। वहीं, खाद की कमी को लेकर कांग्रेस धरना-प्रदर्शन कर रही है।

करैरा में किया चक्काजाम

शिवपुरी जिले के करैरा कस्बे में सोमवार को यूरिया खाद वितरण व्यवस्था के विरोध में किसानों ने प्रदर्शन किया। किसान सुबह 4 बजे से ही करैरा कृषि मंडी में खाद के टोकन लेने पहुंचे थे। दोपहर तक टोकन नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस सहायता केंद्र के पास सडक़ जाम कर दिया। प्रशासन ने 25 अगस्त से खाद वितरण शुरू करने की जानकारी दी थी। इसी कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण सुबह से लाइन में लगे थे। लेकिन अव्यवस्था के कारण उन्हें टोकन नहीं मिल पाए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने जाम हटा दिया। कृषि विभाग के डीडीए पान सिंह करोलिया के अनुसार जिले में पर्याप्त यूरिया खाद उपलब्ध है। करैरा में हुई अव्यवस्था को तुरंत सुधार कर खाद वितरण शुरू कर दिया गया है। शनिवार को जिले में 1488 मैट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ था। खाद वितरण की सूचना पर बड़ी संख्या में किसानों के पहुंचने से अफरातफरी का माहौल बन गया।

दमोह में सडक़ जाम

दमोह में सोमवार सुबह किसानों ने खाद न मिलने के विरोध में सागर नाका क्षेत्र कृषि उपज मंडी के सामने सडक़ जाम कर दिया। इस प्रदर्शन में महिला किसान भी शामिल हुईं। किसानों को 19 अगस्त को टोकन दिए गए थे। उन्हें 25 अगस्त को खाद मिलने का आश्वासन दिया गया था। लगभग 2000 किसान प्रभावित हैं। किसानों का कहना है कि बार-बार काम छोडक़र आना पड़ता है, लेकिन खाद नहीं मिलती। महिला किसानों ने कहा कि समय की बर्बादी के साथ फसलें भी खराब हो रही हैं। खाद वितरण विभाग के अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे हैं। सागर नाका चौकी पुलिस मौके पर पहुंची है। सुबह 9:30 बजे से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन एक घंटे बाद भी जारी रहा। कलेक्टर सुधीर कोचर के अनुसार, पिछले साल जिले में 17,000 हेक्टेयर में हाई ब्रीड मक्का की बुवाई हुई थी। इस साल यह क्षेत्र बढक़र 35,000 हेक्टेयर हो गया है। हाई ब्रीड मक्का को तीन बार खाद की आवश्यकता होती है। इसी कारण खाद की मांग अधिक है।

17.42 लाख टन किया था आवंटन

मध्य प्रदेश में 140 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोवनी हुई है। पांच लाख हेक्टेयर मक्का का क्षेत्र बढ़ा है तो आठ लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता में वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए राज्य के प्रस्ताव पर भारत सरकार ने वर्ष 2025 खरीफ सीजन के लिए यूरिया का आवंटन 17.42 लाख किया था। इसमें से 16 अगस्त तक 11.88 लाख टन यूरिया मिल चुका है। अग्रिम भंडार को मिलाकर 13.87 लाख टन यूरिया किसानों को उपलब्ध कराया जा चुका है। 1.63 लाख टन यूरिया अभी समितियों के गोदाम में है, जो वितरित किया जा रहा है। डेढ़ माह में 5.60 लाख यूरिया और मिलेगा।

सीएम ने केंद्र से स्वीकृत आवंटन मांगा

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से यूरिया का स्वीकृत आवंटन जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। छिंदवाड़ा, अशोक नगर व राजगढ़ सहित अन्य जिलों में किसान खाद के लिए सुबह से लेकर रात तक सहकारी समितियों के गोदाम के बाहर लाइनें लगाकर खड़े हैं। कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सवाल उठाया है कि जब खाद पर्याप्त है तो किसान खेत के स्थान पर गोदामों के बाहर क्यों खड़े हैं।

5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया मिलेगा

किल्लत के बची मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूरिया की उपलब्धता के संबंध में अहम बयान दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने की संभावना है। यह मात्रा आगामी डेढ़ माह में मिल जाएगी। सीएम ने बताया कि यूरिया का कुल भंडारण 15.60 लाख मेट्रिक टन है। इसमें से 13.92 लाख मेट्रिक टन यूरिया किसानों को वितरित की जा चुकी है और 1.68 लाख मेट्रिक टन यूरिया शेष है। प्रदेश में मक्का का क्षेत्रफल करीब 5 लाख हेक्टेयर बढ़ जाने के कारण यूरिया की मांग बढ़ी है। प्रदेश में आगामी डेढ़ माह में

बर्खास्त कर्मचारी ने नाम परिवर्तन की सूचना छपवाई, एफआईआर

भोपाल। वेस्टर्न कोल्ड फील्ड लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा से 2019 में बर्खास्त कर्मचारी द्वारा नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित कराने का मामला सामने आया है। एमपी नगर पुलिस ने इस मामले में बर्खास्त कर्मचारी अमृत धोटे और आवेदन प्रस्तुत करने वाली एडवोकेट रेखा जैन के खिलाफ कूट रचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज किया है। चार साल की लंबी जांच के बाद एमपी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई से पहले डीपीओ से अभिमत लिया गया। पुलिस के मुताबिक गवर्नमेंट प्रेस के संतोष रायकवार की शिकायत पर कार्रवाई की गई है।

मछली परिवार के कई कब्जे प्रशासन के निशाने पर

जल्द हो सकती है बड़ी कार्रवाई, 20 को थमाए नोटिस

भोपाल। मछली परिवार पर प्रशासन ने शिकंजा तेज कर दिया है। अनंतपुरा में कार्रवाई के बाद अब उसके अन्य अवैध कब्जों की कुंडली तैयार की जा रही है। हुजूर तहसील के अलावा मछली परिवार ने कहां-कहां अवैध कब्जे किए हैं। इसे लेकर पड़ताल शुरू हो गई है। इसे लेकर 20 लोगों को नोटिस भी जारी किए गए हैं। वहीं कोकता बायपास में बनी कॉलोनी का भी सीमांकन कराया जा रहा है। यह कॉलोनी गोविंदपुरा विधानसभा में आती है। बताया जा रहा है कि यहां भी शासकीय जमीन पर कब्जा का मछली परिवार ने मोटा मुनाफा कमाया है। इधर, भोपाल सांसद ने ऐसे लोगों को फांसी देने की मांग की है।

दरअसल, पशुपालन विभाग ने कोकता बायपास स्थित 99 एकड़ जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया है। जमीन पर मछली परिवार सहित 20 लोगों पर कब्जे का आरोप है। प्रशासन ने रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया और सभी 20 लोगों को नोटिस जारी किए गए है। साथ ही सीमांकन के वक्त मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। मछली परिवार ने कोर्टयार्ड प्रीमियम कॉलोनी पशुपालन विभाग की जमीन के पास विकसित की है। पशुपालन विभाग को शक है कि मछली परिवार ने कॉलोनी काटने के नाम पर पशुपालन विभाग की जमीन पर कब्जा तो नहीं किया है। इसी के चलते सीमांकन के निर्देश दिए गए।

इन्हें थमाए नोटिस

मछली परिवार के शफीक अहमद, शावर अहमद, शारिक अहमद, तारिक अहमद, सोहेल अहमद और शावेज अहमद, लोधी बिल्डर्स एंड डेवलपर्स देवेंद्र लोधी, अवधि रियल स्टेट बिल्डर्स पार्टनर पाटनी (पुत्र विजय पाटनी) के साथ ही निरांक जैन, सुधीर शर्मा, ऊषा सिन्हा, शार्मिला ठाकरे, मीनू जैन, अमित जैन और अनुज साहू, अंजली जैन, चतर सिंह, धनसिंह, पवन कुमार, लाल सिंह को नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा निगम जोन ऑफिस को भी नोटिस जारी किया है।

मप्र में बंद हो मुख्य सचिवों के एक्सटेंशन की परंपरा

भोपाल। प्रदेश के सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी आजाद सिंह डबास ने मुख्य सचिवों को एक्सटेंशन देने की परंपरा बंद करने के संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। डबास ने कहा है कि 1989 बैच के आईएएस अनुराग जैन इसी महीने सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अभी तक नए मुख्य सचिव का नाम तय नहीं हुआ है। ऐसे में आखिरी दिन जैन को एक्सटेंशन देने की चर्चा है।

डबास ने कहा कि जैन योग्य एवं ईमानदार अधिकारी हैं। उनके कार्यकाल में कोई विशेष शिकायत नहीं आई है। साथ ही उल्लेखनीय उपलब्धि देखने को नहीं मिली है। जिससे सेवा विस्तार को न्यायोचित ठहराया जा सके। सैद्धांतिक रूप से किसी भी मुख्य सचिव को सेवा विस्तार दिया जाना उचित नही है। डबास ने लिखा कि मप्र में मुख्य सचिवों को सेवा विस्तार देने की प्रथा डल गई है। मुख्य सचिव सिर्फ प्रशासनिक मुखिया ही नहीं मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार भी होता है। पूर्व में कुछ मुख्य सचिव पद पर रहने के दौरान सेवा विस्तार के लालच में मुख्यमंत्रियों को खुश करने में लगे रहते हैं। जिससे उन्हें सेवाविस्तार और बाद में अन्य पद मिल जाए।

25 साल तक 4100 मेगावॉट बिजली खरीदेगी कंपनी

2029 के बाद बिजली संकट की आशंका...पावर परचेज एग्रीमेंट करेगी सरकार

भोपाल। बिजली उत्पादन में सरप्लस राज्य माने जाने वाले मप्र को लेकर एक नई चिंता उभर रही है। 2029 के बाद बिजली की कमी की आशंका जताई गई है। इसी के मद्देनजर मप्र विद्युत विनियामक आयोग (एमपीईआरसी) ने 4100 मेगावाट नई बिजली व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें से 3200 मेगावाट के थर्मल प्लांट और 900 मेगावाट की खरीद की योजना बनाई गई है। प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन में तेजी, शहरीकरण, ग्रामीण विद्युतीकरण योजनाओं के विस्तार और बढ़ते कृषि पंप कनेक्शनों के चलते बिजली की खपत में निरंतर बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। सीईए की रिपोर्ट बताती है कि अगले तीन वर्षों में मप्र में औसत बिजली मांग 8-10 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकती है। उद्योगों में निवेश, नए औद्योगिक क्षेत्र, आईटी और डेटा सेंटर प्रोजेक्ट, मेट्रो रेल और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट जैसे बड़े बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए बिजली की भारी खपत होगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू बिजली कनेक्शनों की संख्या में तेजी से इजाफा होने से भी मांग का ग्राफ ऊपर जाएगा।

जानकारी के अनुसी, मप्र विद्युत विनियामक आयोग (एमपीईआरसी) ने राज्य की भविष्य की बिजली जरूरतों को देखते हुए बिजली खरीदी को मंजूरी दे दी है। प्रदेश में 3200 मेगावॉट बिजली नए पावर प्रोजेक्ट्स से और शेष 900 मेगावॉट पुराने पावर प्लांटों से खरीदी जाएगी। हालांकि 900 मेगावॉट की बिजली खरीदी के लिए विस्तृत विश्लेषण कर फिर से आवेदन करने को कहा गया गया है। नए पॉवर प्रोजेक्टों से 3200 मेगावॉट खरीदी की मंजूरी मिल चुकी है। नए और पुराने प्रोजेक्टों से 4100 मेगावॉट बिजली खरीदी जाएगी। यह खरीदी 25 साल की अवधि के पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत होगी। प्रदेश में मप्र जनरेटिंक कंपनी के ताप विद्युत ग्रह से 5400 मेगावाट, मप्र जनरेटिंक कंपनी के जल विद्युत ग्रह से 921.58 मेगावाट, संयुक्त क्षेत्र के जल विद्युत गृह और अन्य से 2484.13 मेगावाट, केंद्रीय क्षेत्र के ताप विद्युत गृह 5251.74 मेगावाट, दामोदर घाटी विकास निगम के ताप विद्युत गृह 3401.5 मेगावाट, नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोत 5171 मेगावाट बिजली मिलती है। इस तरह प्रदेश में कुल बिजली उत्पादन क्षमता 22730 मेगावाट की है। अभी प्रदेश में बिजली की डिमांड 14 से 15 हजार मेगावाट है। प्रदेश में वर्तमान में सरप्लास बिजली 8 से 9 हजार मेगावाट है।

22,000 मेगावॉट के आसपास जाएगी डिमांड

आयोग के अनुसार, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि वर्ष 2027-28 तक मप्र में बिजली की मांग में वृद्धि होगी। वर्तमान प्रदेश में बिजली की मांग 19,000 मेगावॉट के करीब पहुंच चुकी है, जो आने वाले वर्षों में 22,000 मेगावॉट के आसपास हो सकती है। इसको देखते हुए बिजली की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। नए अनुबंध के तहत कोयला आधारित सुपरक्रिटिकल तकनीक वाले थर्मल पावर प्लांटों और कुछ अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली ली जाएगी।

मप्र में जल्द होगी बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

कई बड़े विभागों में बदले जा सकते हैं पीएस-एसीएस

भोपाल। प्रदेश में अगले कुछ दिनों के भीतर बड़े प्रशासनिक फैसले होने जा रहे हैं। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया इसी हफ्ते सेवानिवृत्त हो रहे हैं, ऐसे में गृह विभाग को नया प्रमुख सचिव मिलेगा। इसी के साथ जेल एवं परिवहन विभाग को भी लंबे समय बाद प्रमुख सचिव स्तर का अधिकारी मिल सकता है। साथ ही वन एवं पर्यावरण विभाग में भी पदस्थापना होना है। सबसे बड़ा निर्णय मुख्य सचिव का होना है। राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में मुख्य सचिव एवं गृह विभाग का प्रमुख सचिव सबसे अहम पद माना जाता है। राज्य शासन को दोनों पदों पर निर्णय इसी हफ्ते करना है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रमुख पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर चर्चा भी कर चुके हैं। हालांकि अभी साफ नहीं हो पाया है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन का कार्यकाल आगे बढ़ाया जाएगा या फिर नया अधिकारी मुख्य सचिव की कमान संभालेगा। दूसरा सबसे प्रमुख दायित्व गृह विभाग के प्रमुख सचिव का है। सामान्यत: गृह विभाग की कमान वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जाती है। इसका निर्णय मुख्य सचिव निर्णय तय होने के बाद होगा। क्योंकि मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल अधिकारी अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को भी अपर मुख्य सचिव गृह बनाए जाने की संभावना है। मनीष रस्तोगी को वित्त से हटाकर स्वास्थ्य या फिर गृह विभाग भेजा सकता है। यदि मनीष को स्वास्थ्य विभाग सौंपा जाएगा, तब संदीप यादव गृह विभाग के प्रमुख सचिव हो सकते हैं। मुख्य सचिव को लेकर अभी सिर्फ अटकलों का दौर है। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन से दिल्ली की यात्राएं भी की है। दोनों की यात्राओं की वजह सरकारी कामकाज है। लेकिन यात्रा को लेकर एक प्रमुख कारण मुख्य सचिव का निर्णय भी बजाया जा रहा है।

बीसीसीआई सचिव सैकिया ने ड्रीम11 के टाइटल स्पॉन्सरशिप से हटने की पुष्टि की

नये स्पॉन्सर के लिए जल्द ही टेंडर जारी होगा

मुम्बई। गेमिंग कंपनी ड्रीम11 के भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पॉन्सरशिप से हटने के बाद अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए सबसे बड़ी चुनौती नये स्पॉन्सर की तलाश करना है। सोमवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने ड्रीम11 के टाइटल स्पॉन्सरशिप से हटने की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने कहा, ड्रीम11 के प्रतिनिधियों ने बीसीसीआई सीईओ हेमंग अमीन को जानकारी दी है कि वे इस करार से हट रहे हैं। ऐसे में अब वे एशिया कप के लिए टीम के प्रायोजक नहीं रहेंगे। बीसीसीआई नये स्पॉन्सर के लिए जल्द ही एक नया टेंडर जारी करेगा।

सैकिया ने कहा, नए कानून के तहत, बीसीसीआई के लिए ड्रीम11 या किसी अन्य समान गेमिंग कंपनी के साथ करार जारी रखना संभव नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि बीसीसीआई अब ड्रीम11 के साथ करार जारी रख पाएगा। हम इस समय विकल्प पर विचार कर रहे हैं।

वहीं अगले माह 9 सितंबर से यूएई में टी20 एशिया कप से पहले नये स्पॉन्सर के लिए टेंडर जारी करने को लेकर सैकिया ने कहा, हमने अभी तक इस मामले में कुछ भी तय नहीं किया है पर हमें अब एक नया विकल्प तलाशना होगा। ड्रीम11 के जाने से स्पॉन्सरशिप स्लॉट खाली हो जाएगा। इसलिए, हमें एक विकल्प की तलाश है। हमें इसके लिए क्या करना होगा और कैसे करना होगा, इस पर हम अभी विचार-विमर्श कर रहे हैं। गौरतब है कि जुलाई 2023 में ड्रीम11 ने एडटेक कंपनी बायजू की जगह भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर के रूप में तीन साल का करार किया था। यह करार 358 करोड़ रुपये में हुआ था।

ऑन लाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद ही ड्रीम11 को टाइटल स्पॉन्सरशिप छोड़नी पड़ी है। टाइटल स्पॉन्सरशिप से बीसीसीआई को करोड़ों रुपये सालाना आय होती है, ऐसे में उसका प्रयास जल्द से जल्द नये स्पॉन्सर को खोजना रहेगा। ऑनलाइन गेमिंग बिल पास होने के बाद ये लगभग तय था कि ड्रीम11 और बीसीसीआई का करार समाप्त हो जाएगा। ड्रीम11 ने बीसीसीआई को सूचित कर दिया है कि वह अब टीम को स्पॉन्सर नहीं कर सकेगी। कोई टाइटल स्पॉन्सर हटता है तो उसके जुर्माना देना पड़ता पर इस मामले में ऐसा नहीं होगा, क्योंकि अनुबंध में एक प्रावधान है जिसके अनुसार यदि प्रायोजक का मुख्य व्यवसाय सरकार द्वारा लाए गए किसी कानून से प्रभावित होता है, तो उन्हें करार से बाहर होने पर बोर्ड को जुर्माना नहीं देना होगा।

भारतीय क्रिकेट टीम का प्रायोजक बनी सभी कंपनियों को बीच में ही हटना पड़ा

मुम्बई। ड्रीम11 के भारतीय क्रिकेट टीम के प्रायोजक से हटने के बाद एक बात जो निकलकर सामने आती है वह ये कि भारतीय टीम की कोई भी प्रायोजक अपने तय समय तक नहीं रह पायी। किसी न किसी कारण से उस कंपनी को बीच में ही हटना पड़ा है। अब इसे संयोग कहें या कुछ और पर अब तक के आंकड़ों को देखकर तो सही सामने आता है। सहारा इंडिया से लेकर बायजूस और अब ड्रीम11 तक कई नामी कंपनियों को भारतीय टीम का प्रायोजक बनने का अवसर मिला था पर इन सभी कंपनियों को टीम प्रायोजक बनने के तुरंत बाद या कुछ सालों के अंदर किसी न किसी कारण से हटना पड़ा है।

इससे पहले दिग्गज कंपनी सहारा इंडिया की ही बात करें। वह जिसने 2001 से 2013 तक भारतीय टीम की प्रायोजक रही और भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी और उसमें लगा लोगो सहारा की पहचान बन गयी पर उसी दौरान सहारा समूह पर नियामक उल्लंघनों का बोझ बढ़ता गया और करोड़ों निवेशकों के पैसे हड़पने का आरोप लगा। इन हालातों के बीच सहारा को भारतीय क्रिकेट के प्रयोजक से हटना पड़ा।

इसके बाद स्टार इंडिया ने 2014 से 2017 तक प्रायोजक बनी। स्टार का नाम अब हर मैच में गूंजता था पर कारोबारी मोर्चे पर कंपनी को प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच और हॉटस्टार के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण जियो के साथ विलय करना पड़ा। ऐसे में ओप्पो बनी प्रायोजक। कंपनी ने 2017 में 1,079 करोड़ रुपये के बड़े करार के साथ क्रिकेट टीम की जर्सी अपने नाम की। उसे भी पिछली कंपनियों की तरह ही कुछ ही साल में लाभ कम होने और कानूनी विवादों के चलते उसे पीछे हटना पड़ा। इसके बाद शिक्षा क्षेत्र की कंपनी बायजूस ने 2020 में प्रायोजन संभाला। एडटेक कंपनी तेजी से उभरी और भारतीय क्रिकेट से जुड़कर उसने भी पहचान बनाने के प्रयास किये मगर भुगतान नहीं कर पाने और वित्तीय संकटों में फंसने के कारण उसे भी हटना पड़ा। वहीं अब ऑनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद ड्रीम11 को हटना पड़ा है। साल 2023 में टीम से जुड़ने वाली यह कंपनी अब 2025 में पारित हुए ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन और रेगुलेशन बिल के कारण संकट में है।

डीपीएल : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने दिल्ली क्वीन्स को हराया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के महिला वर्ग के फाइनल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने सेंट्रल दिल्ली क्वीन्स को हराकर एक रन से खिताब जीत लिया। चार टीमों वाली इस लीग का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। और एक रन से विजेता का फैसला हुआ। दोनों टीमों ने इस लीग में दो-दो मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में मुकाबला कठिन था, रनों के हिसाब से इस मैच में दोनों ही टीमों ने कम स्कोर किया।

फाइनल मैच में दिल्ली सुपरस्टार्ज टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 121 रन बनाये। साउथ दिल्ली की टीम दिल्ली क्वीन्स के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी। शीर्ष 4 बल्लेबाजों को छोड़ दें तो कोई भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया। इसके बाद जीत के लिए, मिले 122 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली की टीम की रुआत अच्छी नहीं रही। दीक्षा शर्मा 23, साची 17, मोनिका 33 और रिया शौकीन ने नाबाद 28 रन बनाये पर टीम लक्ष्य से एक रन पीछे रह

सैमसन ने केसीएल में आक्रामक शतक लगाकर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने को साबित किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) में कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए 42 गेंदों में ही शतक लगाकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। सैमसन को एशिया कप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनकी अंतिम ग्यारह में जगह तय नहीं है। अपनी इस पारी से सैमसन ने दिखाया है कि उनकी उपेक्षा नहीं की जा सकती है। सैमसन का बल्लेबाजी क्रम भी तय नहीं है पर इस शतक से उन्होंने दिखाया है कि अब चयनकर्ताओं को उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर हटाने से फिर सोचना पड़ेगा।

सैमसन की 121 रनों की आक्रामक पारी से उनकी टीम ब्लू टाइगर्स ने 237 रन बनाये। इस मैच में संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की। इससे पहले वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे थे और एक फिनिशर के तौर पर खेलने का अभ्यास कर रहे थे क्योंकि उनसे साफ कर दिया गया था कि अब वह सलामी बल्लेबाज

के तौर पर नहीं उतारे जाएंगे।

ऐसे सैमसन ने नंबर 6 पर खेलकर अपनी को साबित करने के प्रयास किये जिसमें वह विफल रहे। इसको देखते हुए वह सलामी बल्लेबाजा के तौर पर उतरे और उन्होंने 14 चौके और 7 छक्के लगाकर 121 रनों की तेज पारी खेली। केवल 16 गेंदों में ही उन्होंने अर्धशतक और 42 गेंदों में ही शतक लगा दिया। सैमसन का इस पारी से उनकी टीम जीत गयी।

सैमसन को यूएई में 9 सितंबर से होने वाले टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उन्हें पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया था कि सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर इसलिए दिया गया था क्योंकि शुभमन उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर नहीं उतारा जाएगा। इस तूफानी शतक से उन्होंने शुभमन गिल और अजीत अगरकर को संदेश दिया है कि गिल पर लौटने से पहले उनको फिर से अभिषेक और सैमसन की जोड़ी के बारे में सोचना होगा, जो अब तक सफल रही है।

वैभव सूर्यवंशी दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दे - रायडू

हैदराबाद। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अंबाति रायडू ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे दूसरे लोगों की सलाह पर अधिक ध्यान नहीं देना चाहिये। आईपीएल 2025 में अपने आक्रामक प्रदर्शन से वैभव ने सबका ध्यान खींचा था। इस क्रिकेटर ने 7 मैचों में 252 रन बनाए जिसमें किसी भारतीय द्वारा 35 गेंदों में सबसे तेज आईपीएल शतक भी शामिल है। रायडू ने इस युवा बल्लेबाज की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें सीनियर भारतीय टीम में खेलने के लिए तैयारी करनी चाहिये।

रायडू ने सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना की और कहा कि इस आईपीएल खिलाड़ी को सही मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। रायडू ने कहा, उसकी बल्ले की गति असाधारण है। मुझे उम्मीद है कि वह इसे नहीं बदलेगा। उसे बेहतर होना चाहिए। लारा की तरह बल्लेबाजी का उसका अंदाज है। इसलिए वह सीख सकता है कि जब आप डिफेंस कर रहे हों और जब आप हल्के हाथ से खेल रहे हों, तो बल्ले की गति को कैसे नियंत्रित किया जाए। इसलिए, अगर वह यह सीख लेता है, तो वह एक असाधारण प्रतिभा होगा। उन्होंने आगे कहा, उसे बस एक चीज़ पर ध्यान देना है, और वह यह कि उसे ज्यादा लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। लोगों की मत सुनो; बस अपनी प्रतिभा का समर्थन करो। और कोचों के लिए भी यह जरूरी है कि उसे ज्यादा न समझाएं। उसे छोड़ दो। रायडू ने कहा कि सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में खूब फलेंगे-फूलेंगे। रायडू ने कहा, वह असाधारण प्रतिभा का धनी है।

रोहित के बाद श्रेयस नहीं शुभमन बनेंगे एकदिवसीय कप्तान-आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा के बाद शुभमन गिल ही अगले एकदिवसीय कप्तान बनेंगे। साथ ही कहा कि इस मामले में किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब वह केवल एकदिवसीय में ही खेलते हैं। रोहित अभी भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं। रोहित के बाद टीम के अगले कप्तान को लेकर जारी चर्चाओं पर ही आकाश ने कहा कि शुभमन को ये जगह मिलनी तय है। वहीं कुछ लोगों को लगता है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी एकदिवसीय कप्तान के लिए दावेदार हैं पर चोपड़ा को ऐसा नहीं लगता। उन्होंने साफ कहा कि शुभमन को टी20 का उपकप्तान बनाये जाने से तय है कि वहीं टी20 और उसके बाद एकदिवसीय के भी कप्तान बनेंगे। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी।

आकाश से पूछा गया कि भारत का अगला वनडे कप्तान कौन होगा? तो उन्होंने कहा, अच्छा सवाल है क्योंकि अफवाहों का दौर जारी है। कहा जा रहा है कि श्रेयस कप्तान बनेंगे, वह शुभमन गिल को

रेस में पछाड़ेंगे, पर ये सही नहीं है, इस प्रकार की बातें कहां से निकल रही हैं समय नहीं आता। मेरे विचार में अगला जो कप्तान हैं, वो बिना नियुक्ति के ही तय हो चुका है। वो खिलाड़ी हैं शुभमन गिल टेस्ट टीम के कप्तान हैं। उन्हें टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया है। उन्हें अचानक यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। प्रबंधन के पास एक तर्क था हालांकि, अक्षर पटेल ने टी20 कप्तान के तौर पर खराब प्रदर्शन नहीं किया था। और किसी को भी नहीं लग रहा था कि जगह पास चली जाएगी। अगर गिल को टी20 का उपकप्तान बना दिया गया है। वहीं वह एकदिवसीय के उपकप्तान पहले से ही हैं। ऐसे में शुभकन ही अगले वनडे कप्तान होंगे।

हालांकि उन्होंने भी श्रेयस को एकदिवसीय का एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। आकाश ने कहा, मेरे विचार में वह टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम भी होंगे। पर एकदिवसीय के कप्तान नहीं बनने वाले। साथ ही कहा कि उनके नेतृत्व कौशल भी है जो उन्होंने आईपीएल में केकेआर को खिताब जिताकर दिखाया है।

शाकिब ने बनाया टी20 में नया रिकार्ड

एंटीगुआ। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कैरिबियाई प्रीमियर लीग 2025 के मैच के दौरान खेलते हुए एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। शाकिब ने एंटिगुआ ऐंड बरबुडा फॉल्कंस की तरफ से सेंट किट्स ऐंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ मैच में 11 रन देकर 3 विकेट लेने के साथ ही 25 रन बनाकर अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलायी। इसी के साथ ही शाकिब ने टी20 क्रिकेट में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। शाकिब अब टी20 में 500 से ज्यादा विकेट और 7000 रन बनाने वाले अकेले क्रिकेटर बन गये हैं। वह ऐसा करने वाले विश्व के पांचवें गेंदबाज बने। उनसे पहले अफगानिस्तान के राशिद खान, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो और सुनील नरेन के अलावा दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर ने टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लिए हैं पर शाकिब 7000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। शाकिब अल हसन टी20 में 500 विकेट पूरे करने वाले बाएं हाथ के पहले स्पिनर हैं। इसके अलावा उन्होंने इस फॉर्मेट में बल्लेबाजी के दौरान 7574 रन बनाये हैं। टी20 क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लेने वाले पांचों क्रिकेटरों में सबसे ज्यादा रन की बात करें तो शाकिब के 7574 रनों के बाद ड्वेन ब्रावो 6970 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सुनील नरेन के नाम 4649 रन हैं जबकि राशिद खान ने 2662 रन बनाए हैं और इमरान ताहिर के नाम केवल 377 रन हैं। इसके अलावा वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और केरन पोलार्ड के नाम 500 से कम विकेट हैं पर रनों के मामले में वह रसेल से आगे हैं। उनके 9361 रन बनाए हैं।

बुमराह को एशिया कप में सभी मैचों में नहीं उतारा जाएगा - डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने कहा है कि एशिया कप में जसप्रीत बुमराह को सभी मैचों में नहीं उतारा जाएगा। डिविलियर्स के अनुसार बुमराह की फिटनेस का ध्यान रखते हुए ही उन्हें उतारा जाएगा। उन्होंने इस प्रकार की नीति को सही बताया। इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने ये भी कहा कि चयनकर्ता कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर काम के बोझ को देखते हुए उन्हें आराम दिये जाने की जरूरतों को समझते हैं और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाते हैं। इंग्लैंड में खेली गई टेस्ट सीरीज के 5 मैच में से बुमराह को 3 मैचों में ही उतारा गया था।

भारतीय टीम प्रबंधन ने इंग्लैंड में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में से दो में बुमराह को आराम दिया था हालांकि एशिया कप टी20 फॉर्मेट में है और बुमराह पर हर मैच में चार ओवर गेंदबाजी करने में कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। ऐसे में ओमान और यूएई जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैचों में उन्हें आराम दिया जा सकता है। इससे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

डिविलियर्स ने कहा, ऐसे टीम में देखकर बहुत अच्छा लग रहा है, फिट और खेलने के लिए तैयार। मुझे नहीं लगता कि वह सभी मैच खेलेगा। मैंने रिपोर्ट्स देखी हैं कि उसे अहम मैचों के लिए चुना जाएगा और मुझे ये देखकर बहुत अच्छा लगता है कि चयनकर्ता सक्रिय हैं। यही तरीका होना चाहिए कि आप अपने सीनियर और सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करें। यह ऐसा नहीं है कि वे चुन-चुनकर खेल रहे हैं। आजकल इतना क्रिकेट है कि आपके 30 साल से ऊपर के खिलाड़ियों का काम सालों से उन पर भारी पड़ा है। कुछ चयनकर्ता इसे समझते हैं और कुछ नहीं। एक बार जब आप इन खिलाड़ियों का प्रबंधन शुरू करते हैं तो आप उनसे श्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करेंगे।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 सितंबर से, साबले पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 13 से 21 सितंबर 2025 तक टोक्यो, जापान में होगा, जिसमें टोक्यो के पुनर्निर्मित राष्ट्रीय स्टेडियम का उपयोग किया जाएगा। यह चैंपियनशिप तीसरी बार जापान में आयोजित होगी। भारतीय एथलीट अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में स्टीपलचेज़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेलों के स्टीपलचेज़ चैंपियन साबले अभी ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के केंद्र में अभ्यास करने में लगे हैं। साबले ने कहा कि मेरे लिए पिछला साल कुछ खास नहीं रहा। साबले साल 2023 में एशियाई खेलों के बाद से ही पिंडली की चोट से परेशान रहे हैं। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरुआत जियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड के समय के साथ की और इसके बाद शाओक्सिंग में 8-23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में साउथ कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8-20.92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता था। साबले ने कहा कि इस बार मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं सत्र की शुरुआत में चोटिल हो गया था पर इसके बाद भी मैंने चीन में दो डायमंड लीग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। एशियाई चैंपियनशिप में भाग लेने से मेरा मनोबल बढ़ा है। जिसका लाभ मुझे मिलने की उम्मीद है।

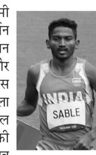

जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क। विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते। अजारेंका ने अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता। वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की। एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

महिला विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर। अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी। पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी। इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रही हैं।

बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में

अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है।

महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।

18 अक्टूबर को पाकिस्तानी टीम न्यूजीलैंड से खेलेगी, जबकि 21 अक्टूबर को उसका सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। 24 अक्टूबर को वह श्रीलंका से खेलेगी।

टीम इस प्रकार है: फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, नशरा संधू, नतालिया परवेज, उमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर) और सैयदा अरूब शाह। नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व गुल फिरोजा, नाजिहा अल्वी, तूबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

राज्य अलग हुए बीत गए 25 वर्ष, अब तक नही हटाई गई बंधनकारी धारा

मप्र छग.राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को किया जाए विलोपित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है।जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।ऐसा आरोप लगाते हुए प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला बालाघाट और सिवनी इकाई ने सोमवार को नगर पर कमला नेहरू हाल में संयुक्त रूप से एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। जिसमें उन्होंने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगो का जिक्र करते हुए मांगे पूरी न होने पर उन्हें होने वाली परेशानियों से पेंशनर्स को अवगत कराया।तो वही बालाघाट और सिवनी इकाई के प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन संगठन के बैनर तले संयुक्त रूप से नगर में एक रैली निकालकर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के निवास पहुचकर लंबित मांगो का ज्ञापन सौपा है जिसमें उन्होंने वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाकर, वर्षो से लंबित महंगाई भत्ता, राहत व एरियस का तत्काल पूर्ण भुगतान किए जाने की मांग की है।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर्स

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता से दो प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है।जिसे विगत 25 वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है।प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने,

अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है।

25 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसगड़ के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है।आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में मप्र.-छग. पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 जिस आधार पर महँगाई राहत स्वीकृति के पूर्व दोनो राज्य सरकारो द्वारा परस्पर सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती है ।उसको समाप्त या विलोपित करने, केन्द्र सरकार के पेंशनर्स के अनुरूप राहत राशि का भुगतान करने, जुलाई 2024 के 3 प्रतिशत राहत राशि के एरियर का भुगतान करने, जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत राहत राशि का भुगतान करने,प्रमुख पेशनर्स एसोसिएशन एंव सहयोगी संघठनो द्वारा समय समय पर प्रस्तुत ज्ञापनो पर विशेषत शासन को 20 मई को प्रस्तुत ज्ञापन मे उल्लेखित समस्याए जैसे मँहगाई राहत का नियमित भुगतान 32 माह एंव 27 माह के एरियर आदि का निराकारण करने, संभागीय स्तरीय पेंशनर्स की सूचना सहायता तथा जिला स्तर पर पेंशनर्स फोरम गठित करने, उसकी नियमित बैठक की व्यवस्था संबंध मे अधिनस्थ अधिकारियो को निर्देशित करने,और कोविड काल के दौरान बंद हुई वरिष्ठजनो की सुविधाये बहाल किए जाने सहित अन्य मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई है ।

सरकार जान बूझकर मांग नही कर रही पूरी- अमर ठाकुर

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा सचिव व प्रवक्ता अमर सिंह ठाकुर और सिवनी जिला इकाई वरिष्ठ सलाहकार रविन्द्र कुमार बघेल ने सँयुक्त रूप से बताया कि हम पिछले 24 वर्षों से इन मांगों को लेकर आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौप रहे हैं। पर लंबा समय बीत जाने के बावजूद भी हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमारी प्रमुख है मांग कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बंधनकारी धारा 49(6) को हटाया जाए। लेकिन इसको लेकर दोनों ही राज्य की सरकारे टालमटोल कर रही है। इस धारा के चलते पेंशनर्स कर्मचारियों को नुकसान हो रहा है। पूर्व में करीब 32 माह और 27 माह का एरियर सरकार ने हजम कर लिया है। उचित महंगाई भत्ता भी नहीं दिया जा रहा है। हमारी मांग है की धारा 49(6) को हटाकर पेंशनर्स कर्मचारियों को राहत पहुंचाई जाए। वही हमारी अन्य मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।अपनी इस मांग को लेकर कई बार आवेदन निवेदन कर चुके हैं हमारे कई साथी स्वर्ग सिधार गए हैं पर आज तक यह मांग पूरी नहीं हो पाई है।जिससे हमें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसीलिए आज धरना प्रदर्शन कर रैली के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया है। वहीं सांसद और विधायकों को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।

ग्राम पंचायत अतरी मे आयोजित 63 वी इनामी दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न

लामता(पद्मेश न्यूज)। मारबद पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी लामता तहसील की ग्राम पंचायत अतरी मे 63 वी इनामी दंगल आयोजित किया गया। कुश्ती का शुभारम्भ नैनपुर और बालाघाट के पहलवानो ने खेला,वही इस प्रतियोगिता में बालाघाट, सिवनी ,नैनपुर एवं क्षेत्रीय पहलवानो ने अपना खूब जोहर दिखाया। जहा पहलवानो ने अपने अपने दाव पेच लगाकर दर्शकों खूब लुभाया। प्रतियोगिता के अंत मे अतरी सरपंच जयचंद बोपचे ने विजेता पहलवानो को इनामी राशि एवं मेडल शील्ड वितरण कर आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता का समापन किया।

परम्परा का किया गया निर्वाह, वितरित किए विभिन्न पुरस्कार

बताया गया कि यहां दंगल कुश्ती की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है।दंगल प्रतियोगिता के लिए पहलवान बालाघाट, मंडला, सिवनी,के कई क्षेत्रो से पहुचे थे तो वही जिले के पहलवानो ने भी खेल मे बढ़चढ़ कर भाग लिया। वही चार पांच सैकड़ा से अधिक लोग कुस्ती देखने पहुचे थे।ग्राम अतरी मे दंगल प्रतियोगिता में जवानों बुजुर्गों का भी जमावड़ा रहा। जो खेल को देखने के साथ साथ पहलवानों का उत्साह बढ़ाते नजर आए।प्रतियोगिता के अंत मे पारंपरिक दंगल समिति अतरी ने प्रथम पुरस्कार के रूप में विजेता ग्राम कोसमी निवासी लक्की पहलवान को 5001 रु, दूसरे विजेता ग्राम मुरझड निवासी राजा पहलवान को 4001 रु, तीसरे विजेता पहलवान हर्षित भलावी (नैनपुर) को 3001 रु, और चौथे विजेता पहलवान शिवशंकर (सिवनी) को 2001 रु नगद इनाम देकर सम्मनित किया।जहा पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन किया गया।

महिला पार्षद की विशेष पहल, दिव्यांग से करवाया सड़क का भूमिपूजन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 14 में गत दिवस एक सीसी सड़क का भूमिपूजन किया गया. वैसे तो आमतौर पर सड़कों का भूमिपूजन जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया जाता है लेकिन महिला वार्ड पार्षद श्रीमती मनीषा कोचर ने अपनी वार्ड की इस सड़क का भूमिपूजन वार्ड के दिव्यांग श्रेयांश जुम्हारे के हाथों कुदाल चलाकर करवाया. इस दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी भी उपस्थित रहे. उन्होंने वार्ड पार्षद की इस पहल की सराहना करते हुए इसे वार्डवासियों के प्रति समर्पण का भाव बताया. विधायक ने कहा कि इस तरह की पहल बताती है कि आप अपने वार्ड और शहर की जनता से कितना स्नेह करते है. भूमिपूजन समारोह में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधेश्याम चौधरी, लेखापाल अशोक दुबे, उपयंत्री राजेश चौकसे, पार्षद महेंद्र कटारिया, कपिल मेश्राम, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे सहित स्थानीय वार्ड वासी मौजूद रहे.

भूमिपूजन समारोह के दौरान ठेकेदार के अन्य कार्यों को लेकर शिकायतें सामने आई. इन शिकायतों को सुनकर विधायक ने उपयंत्री को निगरानी रखने और ठेकेदार को बेहतर कार्य करने के लिए कहा।

एशिया महाद्वीप में प्रसिद्ध ताम्र नगरी मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी

और दो बेरोजगारों से लिए 4लाख 80हजार रुपये लेने का मामला सामने आया, तथाकथित मजदूर संघ का नेता शुभम ब्रम्हे और उसके साथी गिरनीकर ठाकरे के विरुद्ध अपराध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एशिया महाद्वीप में प्रसिद्ध ताम्र नगरी मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर धोखाधड़ी करने का सिलसिला निरंतर जारी है। बीते दिनों इस क्षेत्र में सक्रिय यहां के मजदूर संघ के तथाकथित नेता शुभम ब्रम्हे दर्जनों बेरोजगारों को एच सी एल मलाजखंड(हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड) सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की। हाल ही में और दो बेरोजगारों से सिक्योरिटी गार्ड नौकरी लगाने के नाम पर शुभम ब्रम्हे द्वारा अपने साथी गिरनीकर ठाकरे के साथ 4 लाख 80 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। मलाजखंड पुलिस ने नवीन पिता मनीराम पांचे 32 वर्ष वार्ड नंबर 13 सिकंद्रा कॉलेज टोला वारासिवनी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे ग्राम पौनी और गिरनीकर ठाकरे ग्राम बंजारीटोला मलाजखंड निवासी के विरुद्ध नौकरी लगने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवीन पांचे की छोटी बहन बंजारीटोला मलाजखंड में रहती है। जहां नवीन पांचे का आना-जाना होते रहता था। बंजारी टोला में ही नवीन पांचे की पहचान शैलेश पांचे से हुई थी। शैलेश पांचे भाद्या टोला (काटी बिरसोला) का रहने वाला है। नवीन पांचे की बंजारी टोला के ही शिवकुमार खैरवार से दोस्ती हो गई थी। इसी वर्ष माह अप्रैल 2025 शिवकुमार खैरवार ने नवीन पांचे को बताया था कि मलाजखंड माइंस में सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती चालू है । तब नवीन पांचे ने उसे बोला था कि कोई पहचान का होगा तो बताना। तब शिवकुमार खैरवार ने उसे गिरनीकर ठाकरे से बात करने के लिए बोला था। जिसके बाद नवीन पांचे और शैलेश पांचे दोनों बंजारी टोला के गिरनीकर ठाकरे से मिले। गिरनीकर ठाकरे ने उन्हें बताया कि मलाजखंड माइंस में सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती चालू है और गिरनीकर ठाकरे ने इन दोनों युवक से अपने दस्तावेज देने कहा था। 12 अप्रैल 2025 को नवीन पांचे और शैलेश पांचे ने गिरनीकर ठाकरे को अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, अंक सूची, बैंक की पासबुक की फोटोकॉपी तथा दो-दो फोटो दिए थे। गिरनीकर ठाकरे ने सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती के लिए एक आदमी से ढाई लाख रुपए की मांग की थी। इसके बाद नवीन पांचे ने 2 लाख 30हजार रुपये और शैलेश पांचे ने 2 लाख 50 हजार रुपये र सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने के लिए गिरनीकर ठाकरे को दिए थे। गिरनीकर ठाकरे ने दोनो से लिए गए रुपए शुभम ब्रम्हे को दे दिए थे। इसी वर्ष मई माह में शुभम ब्रम्हे ने नवीन पांचे और शैलेश पांचे को ड्यूटी कार्ड थामकर उन्हें माइंस में काम करने के लिए भिजवाया था। किंतु 10, 12 दिन नवीन पांचे और शैलेश पांचे से सिक्योरिटी गार्ड का काम करवाने के बाद माइंस गेट वालों ने ड्यूटी पर आने मना कर दिए। उसके बाद नवीन पांचे और शैलेश पांचे दोनों शुभम ब्रम्हे से मिले और बोले कि आप लोगों ने 60 साल की उम्र तक नौकरी रहेगी ऐसा बोलकर हमें सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी पर लगाए थे। किंतु हमको अभी से निकाल दिए। नवीन पांचे और शैलेश पांचे ने शुभम ब्रम्हे को हमें नौकरी पर रखने या फिर पैसे वापस करने के लिए बोले, तब शुभम ब्रम्हे ने उन्हें बोला कि तुमने गिरनीकर ठाकरे को पैसे दिए हो तुम उसी से बात करो। जब नवीन पाचे और शैलेश पांचे ने गिरनेकर ठाकरे से रुपये मांगे तब बोला कि जब शुभम ब्रम्हे मुझे पैसे देगा तभी मैं वापस दूंगा। किंतु शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे ने पैसे वापस नहीं किये और दोनों को नौकरी भी नही लगाएं। इस प्रकार शुभम ब्रम्हे ने गिरनीकर ठाकरे के साथ मिलकर नवीन पांचे और शैलेश पांचे से पक्की नौकरी लगने के नाम पर 4 लाख 80हजार रुपये लेकर धोखाधड़ी की। 24 अगस्त को नवीन पांचे अपने साथी शैलेश पांचे के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचे। पलाजखंड पुलिस ने नवीन पांचे ग्राम सिकंदरा कॉलेज टोला वारासिवनी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे के विरुद्ध नौकरी लगने के नाम रुपए लेकर धोखाधड़ी करने के इस मामले में धारा 318(4) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। ज्ञात होगी इसके पूर्व शुभम ब्रम्हे ने मजदूर संघ का महासचिव बताकर एक सैकड़ा से अधिक बेरोजगारों को मलाजखंड माइंस में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगाने का झांसा देकर करो?ो रुपए की धोखाधड़ी की। 20 दिन पहले ही सम्मेलाल पिता धनीराम मेरावी 38 साल ग्राम नेवरगांव बिरसा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध रुपए लेकर धोखाधड़ी करने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।। शुभम ब्रम्हे ने सम्मेलाल से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर डेढ़ लाख रुपए लिए थे। किंतु कुछ दिन काम करवाने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिए। शुभम ब्रम्हे ने सम्मेलाल को रुपए वापस नहीं किये और उसे जातिगत गालियां देते हुए भगा दिया था।इस मामले में सम्मेलाल मेरावी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध धारा 318(4) 296 भारतीय न्याय संहिता के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया चुका है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर की जा रही धोखाधड़ी की इस मामले में शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे के अलावा इस माइंस के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

गोंदिया फोरलेन में फिर सड़क हादसा दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई, एक युवक की मौत- एक युवक गंभीर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गोंदिया रोड फोरलेन में ग्राम सालेटेका के आगे दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत हो गई वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक सावन पिता प्रकाश पटले 26 वर्ष मर्री थाना किरनापुर निवासी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। मृतक आशीष पिता दिलीप पांचे 23 वर्ष ग्राम खैरगांव थाना हट्टा

निवासी है। इस दुर्घटना में इस युवक का भाई आसाराम पांचे और एक अन्य युवक विशाल पांचे को मामूली चोटे आई है। दोनो खैरगांव हट्टा निवासी है। दोनों को जिला अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष पांचे और विशाल पांचे हैदराबाद में काम करते हैं। जन्माष्टमी त्योहार पर आशीष पांचे और विशाल पांचे अपने गांव खैरगांव आये थे। 25 अगस्त की शाम 6ः00 बजे करीब आशीष और विशाल पांचे को आसाराम पांचे मोटरसाइकिल में हैदराबाद जाने के लिए गोंदिया छोड़ने के लिए जा रहा था। जब तीनों एक मोटरसाइकिल में खैरगांव से हट्टा सालेटेका होते हुए फोरलेन से गोंदिया की ओर जा रहे थे तभी सालेटेका के आगे सावन पटले मोटरसाइकिल में अपने गांव मर्री से सालेटेका जा रहा था। तभी मर्री और दिगौदा के बीच दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई जिसमें आशीष पांचे और सावन पटले गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं आसाराम पांचे और विशाल पांचे को मामूली चोटे आई । बताया गया है की 108 एंबुलेंस को फोन किया गया था किंतु एंबुलेंस नहीं पहुंची। और दोनों घायल आधे घंटे तक रोड पर ही पड़े हुए थे। इस दौरान किरनापुर पुलिस थाने का आरक्षक राघवेंद्र सिंह ठाकुर बालाघाट न्यायालय से अपने शासकीय वाहन से थाना लौट रहे थे। तभी उन्होंने घटनास्थल पर भीड़ देखी और अपना वाहन रुकवाये। जहां पर दो युवक घायल हालत में प? हुई थे। आरक्षक राघवेंद्र सिंह ठाकुर ने इस दुर्घटना के संबंध में अपने थाना प्रभारी को अवगत करवाने के बाद दोनों घायल आशीष पांचे और सावन पटले। को अपने पुलिस वाहन से को जिला अस्पताल लाये। जहां पर आशीष पांचे को मृत घोषित कर दिया गया तथा गम्भीर रूप से घायल सावन पटले को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में आने अन्य दो घायल आसाराम पांचे और विशाल पांचे को मामूली चोटें आई थी। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने मृतक आशीष पांचे का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 26 अगस्त को किया जाएगा।

एक वृद्ध को उसके भतीजे ने अपने बहन दामाद के साथ लाठी से मारपीट कर किये घायल

हट्टा थाना के ग्राम परसवाड़ा की घटना, घायल वृद्ध गोपाल बढ़ई जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम परसवाड़ा में एक वृद्ध को उसी के भतीजे ने अपने बहन दामाद के साथ मिलकर लाठी से मारपीट कर घायल कर दिये। 25 अगस्त की शाम 5 बजे करीब यह घटना जमीन जायदाद के विवाद को लेकर हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति गोपाल पिता रामू बढ़ई 76 वर्ष ग्राम परसवाड़ा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपाल बढ़ई अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में लोचनलाल बढ़ई इकलौता बेटा है और गोपाल बढ़ई और उसके भतीजे अशोक कुमार बढ़ई के बीच जमीन जायजाद के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। बताया गया है कि कि 35 साल पहले गोपाल बढ़ई ने अपने भाई गुनठु बढ़ई के साथ हट्टा में प्लाट खरीदे थे और वहा मकान बना लिए। गुनठु बढ़ई का इकलौता बेटा अशोक कुमार बढ़ई हट्टा के प्लांट में ही मकान बनाकर अपने परिवार के साथ रहते हैंऔर वे हट्टा स्थित कन्या शासकीय हाई स्कूल में शिक्षक है। जिनकी पुश्तेनी जमीन ग्राम परसवाड़ा में भी है। गुनठु बढ़ई की मृत्यु के उपरांत अशोक कुमार बढ़ई और उसके चाचा गोपाल बढ़ई के बीच हट्टा और परसवाड़ा की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और दोनों के बीच इसी जमीन को लेकर आपसी रंजिश बनी हुई है। 25 अगस्त की शाम 5:00 बजे करीब ग्राम परसवाड़ा में गोपाल बढ़ई अपने खेत से साइकिल में घर लौट रहा था। तभी रास्ते में मौके की ताक में बैठे उसके भतीजे अशोक कुमार बढ़ई ने अपने बहन दामाद रमेश दोनोड़े ग्राम लिंगा के साथ गोपाल बढ़ई पर हमला कर दिए और गोपाल बढ़ई के पैर में लठ मारे, जिससे गोपाल बढ़ई साइकिल सहित गिर गया। इसके बाद अशोक कुमार बढ़ई ने अपने बहन दामाद रमेश दोनोड़े के साथ मिलकर गोपाल बढ़ई को लाठी से मारपीट किये और फरार हो गए। लाठी के वार से गोपाल बढ़ई घायल हो गया था। इस दौरान वहा पर कई लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही गोपाल बढ़ई का बेटा लोचन लाल बढ़ई गांव वालों के साथ पहुंचा और घायल अपने पिता गोपाल बढ़ई को उठाकर घर लाये। जहां से उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये । जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने गोपाल बढ़ई का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

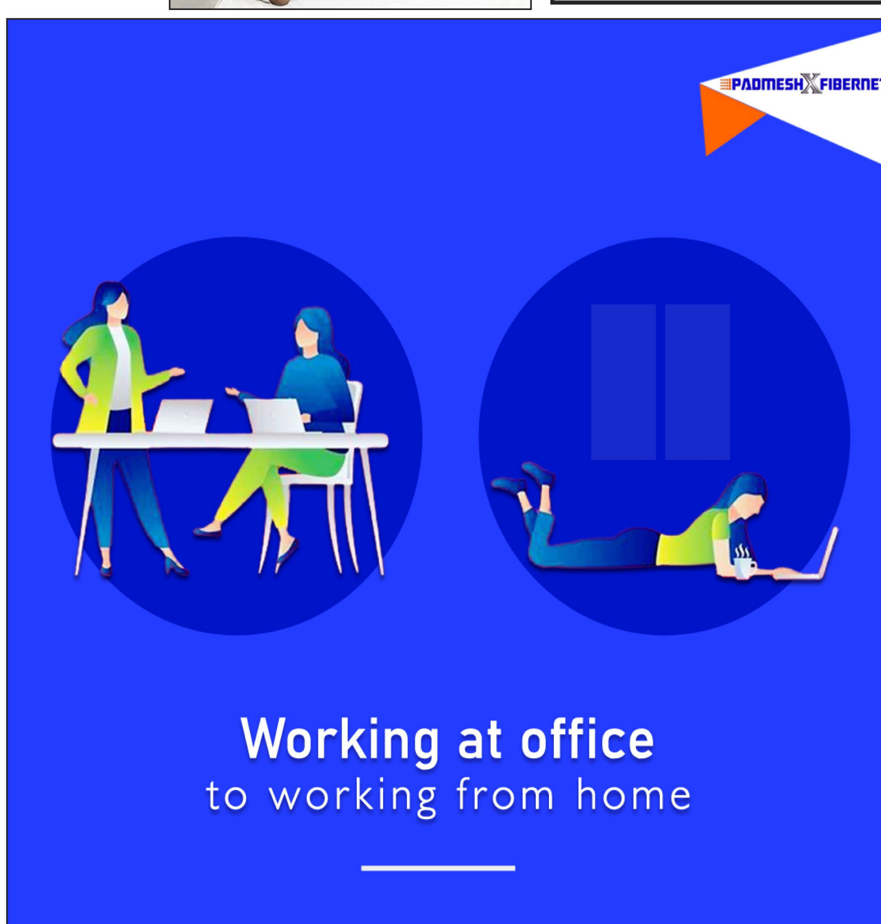

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट